■ पड़ोसी देशों से हथियार लेने की फिराक में था पीएफआई : एनआईए - 7

■ 2 लाख करोड़ का निवेश कर भारत ने 50 गीगावॉट नवीकरणीय क्षमता जोड़ी - 10

■ उच्चायोग की सुरक्षा में चूक नहीं, दुष्प्रचार न करे बांग्लादेशी मीडिया - 11

■ टाटा स्टील वर्ल्ड रेस में भारतीय धावकों ने किया शानदार प्रदर्शन - 12

आज का मौसम

21.0° अधिकतम तापमान

10.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.53 सूर्यास्त 05.22

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष द्वितीया 10:52 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

सोमवार, 22 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 323, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

घाटी में बर्फबारी

कश्मीर के गुलमर्ग में चिल्लई कलां के पहले दिन रविवार को जमकर बर्फबारी हुई। पर्यटक घाटी में ताजा बर्फबारी के बीच घूमने निकले। चिल्लई कलां 40 दिनों की भीषण सर्दी का मौसम होता है जो हर साल 21 दिसंबर से शुरू होकर 31 जनवरी को समाप्त होता है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को असम में बसाना चाहती है कांग्रेस

- प्रधानमंत्री मोदी बोले- राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त है कांग्रेस
- असम के डिब्रूगढ़ जिले में रैली को किया संबोधित

नामरूप, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त है और असम में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को बसाने में मदद कर रही है।

असम के डिब्रूगढ़ जिले में जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने यहां पुराने संयंत्र को आधुनिक बनाने और किसानों की समस्याओं का समाधान ढूंढने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस केवल अपना वोट बैंक मजबूत करना चाहती है। जनता

की उसे कोई परवाह नहीं है। विपक्षी पार्टी का असमिया लोगों की पहचान, अस्तित्व और गौरव से कोई लेना-देना नहीं है, जिसे भाजपा ने बचाने की कोशिश की है। कांग्रेस मतदाता सूची में संशोधन का विरोध कर रही है क्योंकि वह केवल सत्ता हथियाना चाहती है, वह मेरे अच्छे कार्यों का विरोध करती है, भाजपा सरकार हमेशा असमिया लोगों की पहचान, भूमि, गौरव और अस्तित्व की रक्षा के लिए काम करती रहेगी। असम दौरे के दूसरे दिन रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस देश को इस कदर नुकसान पहुंचाया है कि पिछले 11 वर्षों से उन गलतियों को सुधारने के बावजूद, बहुत सा काम अब भी बाकी है। मोदी ने कहा, जब हमारी सरकार ने डॉ. भूपेन हजारिका को भारत रत्न से सम्मानित किया, तो कांग्रेस ने खुले तौर पर इस निर्णय का विरोध किया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा था कि मोदी नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है। यह भूपेन दा और असम के लोगों का अपमान है। भाजपा सरकार का उद्देश्य असम को उतना शक्तिशाली बनाना है जितना कि वह अहोम साम्राज्य के समय हुआ करता था। मोदी ने कहा, औद्योगीकीकरण और कनेक्टिविटी असम के सपनों को पूरा कर रहे हैं।

डिब्रूगढ़ में 10,601 करोड़ के उर्वरक संयंत्र की आधारशिला रखी, 2030 तक शुरू होगी इकाई

नामरूप। प्रधानमंत्री ने असम के डिब्रूगढ़ जिले में 10,601 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 'ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया संयंत्र' की आधारशिला रखी और इस बात पर जोर दिया कि इससे क्षेत्र में औद्योगिक प्रगति का एक नया अध्याय शुरू होगा। असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड की वार्षिक यूरिया उत्पादन क्षमता 12.7 लाख मीट्रिक टन होगी और इसका संचालन 2030 में शुरू होने की उम्मीद है। मोदी ने अपने दो दिवसीय असम दौरे के अंतिम दिन यहां ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्प लिमिटेड के मौजूदा परिसर में संयंत्र की आधारशिला रखी।

ब्रीफ न्यूज

कोहरे के कारण 110 उड़ानें रद्द, 370 से अधिक में देरी

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे पर रविवार को कोहरे के कारण कम दृश्यता के कारण कुल 110 उड़ानें रद्द कर दी गईं और 370 से अधिक उड़ानों में विलंब हुआ। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि हवाई अड्डे पर 59 आगमन और 51 प्रस्थान उड़ानें रद्द कर दी गईं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट 'फ्लाइटरडार24 डॉट कॉम' पर उपलब्ध नवीनतम जानकारी के अनुसार, 370 से अधिक उड़ानों में विलंब हुआ और हवाई अड्डे पर उड़ानों के प्रस्थान में औसतन लगभग 26 मिनट की देरी हुई। घने कोहरे से कई दिन से दिल्ली और अन्य हवाई अड्डों पर उड़ानें बाधित हैं।

तीन लाख रुपये रिश्वत लेने के आरोप में एएसआई गिरफ्तार

गुरुग्राम। राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के एक दल ने गुरुग्राम पुलिस के एक सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) को जोधपुर में तीन लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि एएसआई ने वाहन चोरी के मामले में आरोपी के हिरासत में रहने के दौरान उसे परेशान न करने के बदले में कथित तौर पर तीन लाख रुपये रिश्वत मांगी थी। एसीबी, राजस्थान के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) भुवन भूषण यादव ने बताया कि गुरुग्राम में पालम विहार अपराध शाखा में तैनात एएसआई को रंगे हाथों पकड़ा गया।

प्रदेश के किसानों को एलडीबी से अब सिर्फ 6 फीसदी ब्याज पर मिलेगा ऋण

युवा सहकार सम्मेलन व को-ऑपरेटिव एक्सपो के उद्घाटन पर मुख्यमंत्री ने दिया बड़ा तोहफा

- सीएम योगी ने सहकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लघु व सीमांत किसानों को बड़ी राहत देते हुए घोषणा की कि अब यूपी सहकारी ग्राम विकास बैंक (एलडीबी) से मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत किसानों को महज छह फीसदी ब्याज पर ऋण मिलेगा। अभी यह दर करीब 11.5 फीसदी है, शेष ब्याज भार राज्य सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, सामाजिक समता और आत्मनिर्भरता की मजबूत गारंटी है। प्रदेश अब वन डिस्ट्रिक्ट, वन को-ऑपरेटिव बैंक की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री रविवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हॉल में आयोजित युवा सहकार सम्मेलन व यूपी को-ऑपरेटिव एक्सपो-2025 का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सहकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सहकारिता को नई पहचान दी। पहली बार अलग सहकारिता मंत्रालय बना और शाह के मार्गदर्शन में आंदोलन को नई ऊंचाइयां मिलीं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया जाना भारत की भूमिका का प्रमाण है। एम-पैक्स को 10 लाख रुपये तक ब्याजमुक्त ऋण दिया जा रहा है, जिसे 15 लाख तक बढ़ाने की तैयारी है। उर्वरक आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए 6760 एम-पैक्स को ब्याजमुक्त सहायता मिली। एम-पैक्स ने 6400 करोड़ रुपये का कारोबार कर 191 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया।

युवा सहकार सम्मेलन एवं यूपी को-ऑपरेटिव एक्सपो-2025 के कार्यक्रम में महाराजगंज के डीएम को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मुख्यमंत्री की खास बातें और एलान

- एलडीबी ऋण ब्याज 11.5 प्रतिशत से घटकर छह प्रतिशत, शेष बोझ राज्य सरकार उठाएगी
- वन डिस्ट्रिक्ट, वन को-ऑपरेटिव बैंक मॉडल पर तेज प्रगति, बलरामपुर में नया बैंक प्रस्तावित
- एम-पैक्स सदस्यता अभियानों से करोड़ों का शेयर कैपिटल जुटा
- उर्वरक/कीटनाशक वितरण में सहकारिता की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य
- जर्जर वेयरहाउस मरम्मत को 10 लाख रुपये प्रति एम-पैक्स सहायता
- 2025-26 में सुदृढ़ीकरण के लिए 30 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान

मुख्यमंत्री ने कहा- पहले डिफाल्टर थीं समितियां, रोका भ्रष्टाचार

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते 11 वर्षों में तकनीक, डिजिटलीकरण और ई-गवर्नेंस के जरिए भ्रष्टाचार-मुक्त व्यवस्था मजबूत हुई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 से पहले कई जिला सहकारी बैंक डिफॉल्टर थे, 16 बैंकों के लाइसेंस तक रद्द हो चुके थे। आज तस्वीर बदली है, सभी 50 जिला सहकारी बैंक लाभ में हैं। 2024-25 में सहकारी बैंकों ने 162 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ अर्जित किया। यूपी स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक ने नाबार्ड से ए-श्रेणी बैंक का दर्जा हासिल किया है और प्रदेश में 40 शाखाएं संचालित हैं।

अधिवक्ता हत्याकांड का मुख्य आरोपी ढेर

- एक लाख के इनामी सिराज की पुलिस से हुई मुठभेड़, गांव में पुलिस, आरएएफ की सघन गश्त

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः अधिवक्ता आजाद अहमद हत्याकांड में डेढ़ साल से फरार मुख्य आरोपी सिराज अहमद को यूपी एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार

गिराया। यह मुठभेड़ सहारनपुर जिले के गंगोह थाना क्षेत्र में हुई, जहां पुलिस पर फायरिंग करने के दौरान जवाबी कार्रवाई में सिराज ढेर हो गया। सिराज पर एक लाख का इनाम था।

एसटीएफ को देर रात सूचना मिली थी कि सिराज किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में पंजाब-हरियाणा बॉर्डर होते हुए सहारनपुर पहुंचा है। सूचना पर गंगोह क्षेत्र में घेराबंदी की गई। खुद को घिरता देख सिराज ने एसटीएफ टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। अस्पताल ले जाने पर वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसटीएफ ने एनकाउंटर स्थल से एक मोटरसाइकिल, दो पिस्टल, भारी मात्रा में जिंदा कारतूस, चार फोन, दो वाई-फाई डोंगल, एक बैग, आधार कार्ड समेत कई अहम दस्तावेज बरामद किए हैं। सिराज सुलतानपुर के लोलेपुर गांव का निवासी था। गौरतलब है कि 6 अगस्त 2023 की शाम सुलतानपुर दीवानी कोर्ट के अधिवक्ता आजाद अहमद की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस जांच में हत्या का मास्टरमाइंड सिराज अहमद सामने आया था, जो फरार था। पुलिस ने सिराज पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। मार्च 2025 में न्यायालय के आदेश पर उसकी करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्तियां कुर्क की गई थीं।

बुलंदशहर में भी इनामी बदमाश मारा गया

बुलंदशहर। बुलंदशहर जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र में पुलिस से मुठभेड़ में एक कुख्यात इनामी बदमाश मारा गया। बदमाश की पहचान मेरठ के लिसाड़ी गेट इलाके के रहने वाले आजाद उर्फ पीटर उर्फ जुबेर (35) के रूप में हुई है। इस घटना में एक पुलिसकर्मी भी गोली लगने से घायल हुआ है। आजाद पर मेरठ, बिजनौर, गाजियाबाद, हापुड़, बुलंदशहर, जौनपुर के साथ-साथ दिल्ली और उत्तराखंड के हल्द्वानी में डकैती, लूट और चोरी समेत विभिन्न जघन्य मामलों के 40 से ज्यादा मामले दर्ज थे। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

राष्ट्रपति ने 'विकसित भारत -जी राम जी विधेयक' को दी मंजूरी

- नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन विधेयक को भी मंजूर किया

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को 'विकसित भारत -जी राम जी' विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ ही यह अब 'विकसित भारत -जी राम जी' अधिनियम, 2025 बन गया है और इस संबंध में एक अधिसूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित की गई है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने इसे भारत के ग्रामीण रोजगार और विकास ढांचे में एक निर्णायक सुधार बताया है। इस नई योजना का लक्ष्य 'विकसित भारत-2047' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप

ग्रामीण विकास ढांचा स्थापित करना है। 125 दिनों का रोजगार प्रदान करने के अलावा, कृषि श्रमिकों की पर्याप्त उपलब्धता को भी सुगम बनाता है। वहीं, भारत के रूपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक को भी मंजूरी दे दी।

रेल मंत्रालय ने 215 किमी से अधिक यात्रा पर बढ़ाया किराया

- नई दरें 26 दिसंबर से प्रभावी होंगी, रेल मंत्रालय ने की घोषणा हर किमी पर 1-2 पैसे ज्यादा लगेंगे

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने घोषणा की कि 215 किमी से अधिक की यात्रा के लिए साधारण श्रेणी के टिकट में प्रति किमी एक पैसा और मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की गैर-वातानुकूलित श्रेणी व सभी ट्रेन की वातानुकूलित श्रेणियों में प्रति किमी दो पैसे की वृद्धि की जाएगी। नई दरें 26 से प्रभावी होंगी। किराए में बढ़ोतरी से 31 मार्च 2026 तक 600 करोड़ का राजस्व मिलने की उम्मीद है। मासिक सीजन टिकट व अन्य में 215 किमी तक की साधारण श्रेणी की यात्रा के किराए में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

योगी के रिवर ड्रोन सर्वे मॉडल को अपनाएगा पूरा देश

- केंद्र सरकार ने पूरे देश में मॉडल लागू करने का लिया निर्णय
- 150 किलोमीटर ड्रोन सर्वे से नदियों के प्रदूषण पर सटीक प्रहार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश में नदियों के संरक्षण के लिए सीएम योगी के नेतृत्व में शुरू हाई-टेक रिवर ड्रोन सर्वे मॉडल अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनाया जाएगा। पहली बार किसी राज्य ने नदी संरक्षण के लिए इस पैमाने पर आधुनिक ड्रोन तकनीक का उपयोग किया है। इसकी सफलता को देखते हुए केंद्र ने इसे पूरे देश में लागू करने का निर्णय लिया है।

राज्य स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा गंगा, यमुना, गोमती, वरुणा और पांडु नदी के लगभग 150 किलोमीटर क्षेत्र का ड्रोन

सर्वे पूरा किया जा चुका है। लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी और कानपुर जैसे प्रमुख शहरों में हुए इस सर्वे से नदियों की वास्तविक स्थिति, प्रदूषण के स्रोत, नालों के डिस्चार्ज प्वाइंट और अवैध प्रवाह की सटीक पहचान संभव हुई है। इससे अब नदी पुनरुद्धार की योजनाएं कहीं अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुख बन सकेंगी। ड्रोन सर्वे का लाभ कानपुर को मिलने जा रहा है, जहां इसके आधार पर नदियों में जीरो डिस्चार्ज की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

गोमती से गंगा तक कायाकल्प की नई कार्ययोजना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता रही है कि प्रदेश की नदियां स्वच्छ और अविरल बनें तथा इसका लाभ सीधे आमजन तक पहुंचे। इसी सोच के तहत ड्रोन सर्वे के माध्यम से नालों की पहचान और प्रदूषण नियंत्रण अब आसान हो गया है। विशेष रूप से लखनऊ नगर के लिए ड्रोन सर्वे आधारित समग्र पुनरुद्धार कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जिससे गोमती नदी के कायाकल्प को नई दिशा मिलेगी। वहीं गंगा और यमुना जैसी प्रमुख नदियों में भी प्रदूषण नियंत्रण के लिए सटीक और वैज्ञानिक हस्तक्षेप संभव हो सका है।

बांग्लादेश में बदतर हालात के बीच भारत ने चटगांव में वीजा आवेदन प्रक्रिया रोकी

- सहायक भारतीय उच्चायुक्त के आवास पर पथराव की घटना के बाद भारत ने उठाया कदम

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में बदतर हालात के बीच भारत ने यहां के दूसरे सबसे बड़े शहर चटगांव में स्थित भारतीय वीजा आवेदन केंद्र में वीजा सेवाएं अगला नोटिस जारी किए जाने तक निलंबित कर दी हैं।

यह कदम प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद बढ़े तनाव के मद्देनजर उठाया गया है। उनकी मौत के बाद बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों में हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। इसी दौरान चटगांव में सहायक भारतीय उच्चायुक्त के आवास पर गुरुवार को पथराव की घटना हुई थी। चटगांव में भारतीय सहायक उच्चायोग में हाल में हुई घटना के बाद यह निर्णय रविवार से प्रभावी हो गया। आईवीएसी के अनुसार, बंदरगाह शहर में भारतीय वीजा संबंधी सभी सेवाएं 21 दिसंबर से अगले आदेश तक बंद रहेंगी। बयान में कहा गया कि सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के बाद वीजा आवेदन केंद्र को फिर से खोलने के संबंध में आगे की घोषणा की जाएगी। बांग्लादेश के सिलहट में भारतीय सहायक उच्चायोग कार्यालय और वीजा आवेदन केंद्र पर शनिवार को सुरक्षा बढ़ा दी गई। आईवीएसी ढाका, खुलना और राजशाही, चटगांव और सिलहट में केंद्र संचालित करता है। आईवीएसी के एक अधिकारी ने बताया कि चार अन्य कार्यालय चालू हैं। भारत ने बृहस्पतिवार को ढाका में अपने वीजा आवेदन केंद्र को फिर से खोल दिया। सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण एक दिन पहले इसे बंद कर दिया गया था। लेकिन राजशाही और खुलना में दो अन्य केंद्रों को संक्षिप्त अवधि के लिए बंद कर दिया गया, क्योंकि भारत विरोधी प्रदर्शनकारियों ने वहां भारतीय दूतावासों की ओर मार्च करने का प्रयास किया था।

शताब्दी समारोह

संघ प्रमुख ने कहा- अगर सभी हिंदू एकजुट हो जाएं तो प. बंगाल की स्थिति बदलने में समय नहीं लगेगा

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक, खुद की रक्षा को एकजुट होना होगा

कोलकाता, एजेंसी

आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत ने रविवार को कहा कि अशांति और बांग्लादेश से घुसपैठ का पश्चिम बंगाल पर असर पड़ रहा है। इन मुद्दों को केंद्र सरकार को ही उठाना चाहिए।

प. बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के राज्य में 'बढ़ते इस्लामी कट्टरवाद' से संबंधित प्रश्न के उत्तर में भगवत ने कहा, यह सरकार को तय करना है कि बांग्लादेश से भारत में किसे आने दिया जाए। इस पर नियंत्रण होना चाहिए कि किसे आने की अनुमति दी जाएगी। वे राष्ट्रीय

स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। पड़ोसी देश में हिंदुओं को अल्पसंख्यक बताते हुए कहा, उन्हें खुद की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एकजुट रहना होगा। हम लोगों समेत दुनिया भर के सभी हिंदुओं को उनकी मदद करनी होगी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर भारत सरकार को कुछ करना होगा। हो सकता है कि वे पहले से ही कुछ कर रहे हों, लेकिन उनका खुलासा नहीं किया जा सकता। प. बंगाल के बारे में उन्होंने कहा, अगर सभी हिंदू एकजुट हो जाएं, तो राज्य की स्थिति बदलने में समय नहीं लगेगा।

बाबरी मस्जिद का दोबारा निर्माण करने की कोशिश राजनीतिक साजिश

कोलकाता। धार्मिक विवादों पर टिप्पणी करते हुए भागवत ने अयोध्या मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा, अदालतों ने लंबी सुनवाई के बाद राम मंदिर और बाबरी मस्जिद विवाद का फैसला सुना दिया है, जिससे मामला समाप्त हो गया है। अब बाबरी मस्जिद का दोबारा निर्माण करने की कोशिश वोटों के लिए संघर्ष को फिर से शुरू करने की एक राजनीतिक साजिश है। वे मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में मस्जिद बनाने की टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर की घोषणा पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। भागवत ने कहा, यह न तो मुसलमानों के हित में है और न ही हिंदुओं के हित में। ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन धर्म कायम रहता है। इसलिए किसी भी सरकार को किसी भी धार्मिक इमारत के निर्माण में शामिल नहीं होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरएसएस का ध्यान सामाजिक परिवर्तन पर है, न कि राजनीतिक परिवर्तन पर।

न्यूज ब्रीफ

परेड में निकलेगी बुंदेलखंड की झांकी

अमृत विचार, लखनऊ : इस बार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में बुंदेलखंड की थीम पर आधारित भव्य शोभायात्रा और झांकी निकाली जाएगी। पर्यटन विभाग द्वारा निकाली जाने वाली इस झांकी में क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, शौर्य गाथा और लोक परंपराओं का प्रभावशाली प्रदर्शन किया जाएगा। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि इसके लिए पर्यटन विभाग ने एजेंसी चयन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि शोभायात्रा का कथानक बुंदेलखंड की गौरवशाली विरासत, लोककला, पारंपरिक जीवनशैली और वीरता के ऐतिहासिक प्रतीकों पर आधारित होगा। इसके साथ ही क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं को भी रेखांकित किया जाएगा, ताकि बुंदेलखंड को देश-विदेश के पर्यटकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित किया जा सके।

मृतक कर्मी के घर पहुंचे नंदी, दी आर्थिक मदद

अमृत विचार, लखनऊ : औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने अपने सरकारी आवास पर बीते करीब आठ वर्षों से कार्यरत रहे सफाईकर्मी ललित वाल्मिकी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। रविवार को मंत्री निशातगंज स्थित पेपर मिल कॉलोनी में दिवंगत कर्मचारी के आवास पहुंचे और श्रद्धासुमन अर्पित किए। शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्होंने ढांढस बंधाया और दुख की इस घड़ी में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। मंत्री नंदी ने दिवंगत ललित वाल्मिकी की पत्नी और बेटियों से मुलाकात कर उन्हें एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की और कहा कि परिवार के साथ वे आजीवन खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि ललित अत्यंत कर्मठ और निष्ठावान कर्मचारी थे, उनका असामयिक निधन मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है।

10 दिन में 6.98 लाख किसान प्रशिक्षित

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि 10 दिनों में 6.98 लाख किसानों को प्रशिक्षित किया गया है। इसमें 4.37 लाख पुरुष और 2.61 लाख महिला किसान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्य के अनुरूप प्रदेश की 21 हजार ग्राम पंचायतों में किसान पाठशालाएं आयोजित की जा रही हैं। कृषि विभाग रबी सीजन के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम के तहत अब तक 6720 ग्राम पंचायतों में किसान पाठशालाओं का आयोजन किया गया है। इन प्रशिक्षण शिविरों में किसानों को आधुनिक खेती की तकनीक, प्राकृतिक खेती, फसल प्रबंधन, फसल सुरक्षा, मृदा स्वास्थ्य, बागवानी और नई तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। साथ ही कृषि विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और कृषि विज्ञान केंद्रों में विकसित नवाचारों से भी किसानों को अवगत कराया जा रहा है। कृषि विभाग के अनुसार, 2017-18 से अब तक लगभग दो करोड़ किसानों को किसान पाठशाला के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

पंचायत चुनाव मजबूती से लड़ेंगे : संजय निषाद

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट मंत्री एवं निषाद पार्टी सुप्रीमो डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा कि आगामी

विधानसभा चुनाव एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में निषाद पार्टी पूरी मजबूती, आत्मविश्वास और संगठित रणनीति के साथ चुनाव लड़ेगी तथा हर स्तर पर जनता की आवाज बनेगी। निषाद पार्टी प्रमुख रविवार को अपने सरकारी आवास पर कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर दो दिवसीय शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 13 जनवरी आयोजित होने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संगठनात्मक एकजुटता, अनुशासन और सक्रिय जनसंपर्क बढ़ाएं। डॉ.संजय निषाद ने कहा कि यह शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त करने तथा कार्यक्रम की रणनीति को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से आह्वान किया कि अब बिना थके और बिना रुके अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना होगा। हमारा एकमात्र लक्ष्य है- सत्ता में मजबूती से भागीदार बनकर संवैधानिक आरक्षण के अधिकार की लड़ाई को निर्णायक रूप से लड़ना और हासिल करना।

मतदाताओं के नाम कटे तो कार्यकर्ता जिम्मेदार

मुख्यमंत्री ने एसआईआर प्रक्रिया में संगठन और जनप्रतिनिधियों की लापरवाही पर जताई नाराजगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

भाजपा की संगठनात्मक कार्यशाला बैठक में मौजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में अन्य पार्टी नेता।

- भाजपा की कार्यशाला में योगी ने चार दिन में पूरी ताकत से काम करने के दिए निर्देश

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर रविवार को पार्टी संगठन और जनप्रतिनिधियों की कार्यशाला में सख्त संदेश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं के नाम कटे या बड़ी संख्या में शिफ्टेड, मृत अथवा फर्जी नाम पाए गए, उसकी सीधी जिम्मेदारी स्थानीय संगठन और कार्यकर्ताओं की होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि आने वाले 20 वर्षों की राजनीति को प्रभावित करने वाला कार्य है। योगी ने चार दिन में पूरी ताकत से काम करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी भाजपा की एसआईआर को लेकर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रविवार को कार्यशाला के दौरान तमाम विधानसभा क्षेत्रों की रिपोर्ट लेकर आए थे। उनके निशाने पर बड़े नेताओं के क्षेत्रों में बरती जा रही लापरवाही से लेकर हारी हुई सीटों पर भी कार्यकर्ताओं की लापरवाही का पूरा ब्योरा था। योगी ने कहा कि कई विधानसभा क्षेत्रों में अब भी 15 से 20 प्रतिशत तक नाम मिसिंग हैं। ऐसे मतदाता जिनके नाम ड्राफ्ट सूची में नहीं हैं, उन्हें 26 दिसंबर तक एसआईआर के माध्यम से अवश्य जुड़वाया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि बूथ स्तर पर मतदाता सूची की गहन जांच की जाए, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से शिफ्टेड या मृत न दर्शाया जाए।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ड्राफ्ट मतदाता सूची में यदि कोई संदिग्ध नाम दिखता है तो उस पर तत्काल आपत्ति दर्ज कराई जाए। आपत्ति लगते ही बीएलओ द्वारा नाम काटा जाएगा और संबंधित व्यक्ति का शपथ पत्र व आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने पर ही दोबारा नाम जुड़ सकेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि छोटी-छोटी लापरवाहियों के कारण किसी मतदाता का नाम छूटना स्वीकार्य नहीं होगा।

नहीं चेते तो चुनाव हारेंगे : तरुण चुघ

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर पार्टी के सांसदों और विधायकों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी जीत का अंतर 100 से 500 वोटों के बीच रहा है, वहां यदि एसआईआर पर गंभीरता नहीं दिखाई गई तो आगामी चुनावों में हार तय है।

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि एसआईआर के बाद ही संगठनात्मक मेल-मिलाप और अन्य राजनीतिक गतिविधियां होंगी, फिलहाल सभी को पूरी ताकत से इस अभियान में लगना होगा।

सदन को लेकर मंत्रियों को मिला ठोस होमवर्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भाजपा विधानमंडल दल की बैठक में विधान सभा सत्र की रणनीति पर मुख्यमंत्री का मार्गदर्शन

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में रविवार को लोक भवन में भाजपा विधानमंडल दल की अहम बैठक हुई। बैठक में भाजपा के सहयोगी दलों के नेता भी शामिल रहे। आगामी विधानसभा सत्र की रणनीति को लेकर हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने सरकार की प्राथमिकताओं, सदन में होने वाली चर्चाओं और विपक्ष के संभावित सवालों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सदन में वंदे मातरम पर होने वाली चर्चा, अनुपूरक बजट की प्रस्तुति और विपक्ष द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों पर संतुलित, तथ्यपरक और सटीक जवाब देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का रुख विकासोन्मुख है और हर प्रश्न का उत्तर तथ्यों, आंकड़ों और नीतिगत स्पष्टता के साथ दिया जाए। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों से कहा कि वे अपने-अपने विभागों से जुड़े विषयों पर पूरी तैयारी रखें, ताकि सदन में सरकार का पक्ष मजबूती से रखा जा सके।

अनुपूरक बजट विकास की गति बढ़ाएगा : सुरेश खन्ना

बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि योगी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला अनुपूरक बजट सोमवार को पेश किया जाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि यह अनुपूरक बजट राज्य के विकास कार्यक्रमों को और तेज गति देगा। कहा कि बजट से बुनियादी ढांचे, औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और जनकल्याणकारी योजनाओं को मजबूती मिलेगी।

30 दिसंबर तक मतदाता दर्ज करा सकते हैं आपत्ति

- मंगलवार को जारी होगी पंचायत चुनाव की पुनरीक्षण सूची

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी पंचायत चुनाव की प्रक्रिया जारी है। इस बीच चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि मतदाता पुनरीक्षण सूची 23 दिसंबर को प्रकाशित होगी। मतदाता 30 दिसंबर तक इस पर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकेंगे। प्रत्येक आपत्ति को निस्तारित करने के बाद छह फरवरी को अंतिम सूची जारी की जाएगी। इसके बाद सूची में कोई फेरबदल नहीं किया जाएगा।

राज्य निर्वाचन आयोग ने बीते सप्ताह मतदाता सूची के पुनरीक्षण के आंकड़े जारी किए थे। पुनरीक्षण के दौरान 1.81 करोड़ नए मतदाता जोड़े गए हैं। 1.41 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। इस तरह पिछले चुनाव की तुलना में इस बार 40.19 लाख मतदाता बढ़े हैं। जिन मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं उनमें मृत, विस्थापित व डुप्लीकेट मतदाता हैं। आयोग के मुताबिक नई सूची मंगलवार को ऑनलाइन जारी कर दी जाएगी। आयोग के अधिकारियों के अनुसार, अगर किसी मतदाता को लगता है कि वह योग्य है फिर भी नाम कट गया है या फिर किसी को कुछ अपडेट करवाना है तो उनको आपत्ति दर्ज करवानी होगी। इसके लिए उन्हें 30 दिसंबर तक समय दिया जाएगा। इसके लिए वह संबंधित बीएलओ या फिर अन्य प्रशासनिक व चुनाव संबंधी अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। अगर आपत्ति सही पाई जाती है तो सुधार किया जाएगा।

एसआईआर प्रक्रिया में पक्षपात का आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर लखनऊ के सरोजिनी नगर विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। सपा ने भारत निर्वाचन आयोग के पर्यवेक्षक से मामले का तत्काल संज्ञान लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी और ईआरओ के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष ने रविवार को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार के दबाव में जिला निर्वाचन अधिकारी और ईआरओ द्वारा भाजपा के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को सभी मतदान स्थलों की 7 जनवरी 2025 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के साथ मतदेय स्थलवार व्यू एन्यूमरेशन फॉर्म डिटेल उपलब्ध कराई जा रही है, जो निर्वाचन आयोग के नियमों का खुला उल्लंघन है।

उत्कृष्ट कार्य के लिए वाराणसी व महराजगंज के डीएम सम्मानित

योगी और सुरेश प्रभु ने सहकारिता विभाग की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तिका का किया विमोचन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सहकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी जिले और लाभार्थी भी सम्मानित

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अवसर पर रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में युवा सहकार सम्मेलन एवं यूपी को-ऑपरेटिव एक्सपो-2025 के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, जिले और लाभार्थियों को सम्मानित करते हुए विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण चेक भी वितरित किए। वाराणसी व महराजगंज के जिलाधिकारी भी सम्मानित किए गए।

सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा सुरेश प्रभु ने सहकारिता विभाग की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया। सहकारिता विभाग की उपलब्धियों और नवाचारों पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। महराजगंज, बाराबंकी और वाराणसी में सहकारिता के सर्वांगीण विकास व मार्गदर्शन में उल्लेखनीय भूमिका के लिए वाराणसी के जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। जबकि एम-पैक्स सदस्यता महाभियान-2025 में प्रदेश में सर्वाधिक 1.22 लाख सदस्य जोड़ने और 28 हजार से अधिक ऑनलाइन सदस्य जोड़ने के लिए महाराजगंज के जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा को सम्मानित किया। नमो ड्रोन दीदी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वंदना तिवारी और ललिता देवी सम्मानित की गईं।

युवा सहकार सम्मेलन में सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत दनिश्ता फातिमा को ऋण का चेक प्रदान करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु। अमृत विचार

योजना से मिला ऋण

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड से सीएम युवा उद्यमी योजना में अजय प्रताप सिंह एवं दनिश्ता फातिमा को 5-5 लाख के ऋण चेक मुख्यमंत्री ने सौंपा, जबकि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना से सोनम वर्मा और मनीष कुमार भदौरिया को 25-25 लाख और आकांक्षा सिंह को 10 लाख के ऋण का चेक दिया।

सर्वाधिक सदस्य जोड़ने वाले जिले सम्मानित

- महराजगंज – 1.22 लाख सदस्य, (जितेंद्र बहादुर सिंह : यूपी स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड; सुनील कुमार गुप्ता : एआर को-ऑपरेटिव)
- शाहजहांपुर – 1.08 लाख सदस्य, (धर्मेंद्र प्रताप सिंह राठौर, अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक; अखिलेश प्रताप सिंह, सहायक आयुक्त)
- उन्नाव – 1.02 लाख से अधिक सदस्य, (अरुण सिंह, अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव बैंक; रविंद्र कुमार सिंह, सहायक आयुक्त)

सर्वाधिक डिपॉजिट एकत्र करने वाले सहकारी बैंक

- मेरठ – 125 करोड़ से अधिक, (विमल कुमार शर्मा, अध्यक्ष; विनय सिंह, सचिव)
- गाजियाबाद – 65.48 करोड़ से अधिक, (कृष्णवीर सिंह, अध्यक्ष; संदीप सिंह, सचिव)
- लखीमपुर खीरी – विनीत मनार पटेल, अध्यक्ष; सुधांशु चौधरी, सचिव

आयकर अपीलीय अधिकरण व्यवस्था का मजबूत स्तंभ : मेघवाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ पीठ के 25 वर्ष पूर्ण होने पर समारोह आयोजित

अमृत विचार : केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने आयकर अपीलीय अधिकरण को देश की कर-न्याय व्यवस्था का सुदृढ़ स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि यह संस्था दशकों से करदाताओं को निष्पक्ष, सुलभ और त्वरित न्याय प्रदान कर रही है। साथ ही, ई-हियरिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी डिजिटल पहलों की भी सराहना की, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के करदाताओं को समयबद्ध न्याय मिल रहा है।

केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री, रविवार को आयकर अपीलीय अधिकरण (आईटीएटी) लखनऊ पीठ के रजत जयंती समारोह में संबोधित कर रहे थे। अंसल गोल्फ सिटी स्थित निजी होटल में आयोजित समारोह की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि इस संस्था ने तकनीकी जटिलताओं से मुक्त, कम खर्चीली और विशेषज्ञता आधारित न्यायिक प्रक्रिया ने लोकतंत्र में न्याय तक पहुंच को सरल बनाया है। केन्द्रीय विधि कार्य विभाग के सचिव डॉ. राजीव मणि और प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, कानपुर अपर्णा करण ने भी अधिकरण की न्यायिक भूमिका और योगदान की प्रशंसा की। कार्यक्रम में बताया गया कि आयकर अपीलीय अधिकरण की स्थापना 25 जनवरी 1941 को हुई थी और यह देश का सबसे पुराना अर्ध-न्यायिक अधिकरण है, जिसे "मातृ अधिकरण" के रूप में भी जाना जाता है। लखनऊ पीठ की स्थापना 5 मई 2000 को हुई थी और अगस्त 2000 में पहली सुनवाई प्रारंभ हुई। वर्तमान में यहां दो पीठें कार्यरत हैं, जो प्रदेश के 16 जिलों की अपीलों की सुनवाई कर रही हैं। समारोह में जस्टिस (सेवानिवृत्त) सी.वी. भडंग, अध्यक्ष आईटीएटी, शक्तिजीत डे, उपाध्यक्ष, मुंबई सहित अनेक वर्तमान व पूर्व सदस्य, वरिष्ठ आयकर अधिकारी और विभिन्न आईटीएटी बार एसोसिएशनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

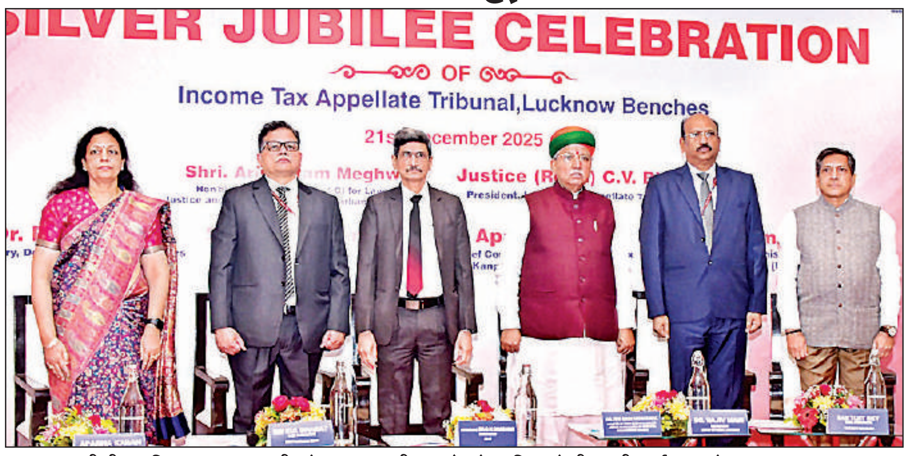

आयकर अपीलीय अधिकरण लखनऊ पीठ के रजत जयंती समारोह में उपस्थित केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल व अन्य।

सरकार लांच करेगी आयुष एप घर बैठे मिलेंगी सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: आयुष चिकित्सा पद्धतियों को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में योगी सरकार एक और बड़ा डिजिटल कदम उठाने जा रही है। आयुष विभाग अत्याधुनिक आयुष एप लांच करने की तैयारी में है, जिसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के सहयोग से विकसित किया जाएगा। इस एप के जरिए मरीजों को ऑनलाइन ओपीडी, अपॉइंटमेंट बुकिंग और आयुष विभाग से जुड़ी सभी जरूरी जानकारियां एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी।

सरकार का मानना है कि इस पहल से न केवल आयुष चिकित्सा पद्धतियों को नई पहचान मिलेगी, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और सुगमता भी सुनिश्चित होगी। आयुष विभाग के प्रमुख सचिव रंजन कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी चाहते हैं कि आयुष की सेवाएं आम नागरिकों तक सरल और सुलभ तरीके से पहुंचें। इसी उद्देश्य से आईआईटी कानपुर के साथ आयुष एप को लेकर बातचीत चल रही है। एप के लांच होने के बाद मरीजों को आयुष अस्पतालों और केंद्रों में ओपीडी पंजीकरण के लिए लंबी लाइनों में खड़ा नहीं होना पड़ेगा। मोबाइल के जरिए घर बैठे ही डॉक्टर से मिलने के लिए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लिया जा सकेगा।

तैयारी | प्रदेश के अटल आवासीय विद्यालय बनेंगे फ्यूचर-रेडी लर्निंग हब

ड्रोन से स्पेस साइंस तक का मिलेगा प्रशिक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मिशन मोड में होगा क्रियान्वयन, 6 महीने में सभी स्कूलों में होगी लैब

अमृत विचार: प्रदेश के अटल आवासीय विद्यालय अब केवल आवासीय शिक्षा तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि आधुनिक तकनीक और नवाचार के केंद्र के रूप में विकसित किए जाएंगे। प्रत्येक अटल आवासीय विद्यालय में छह माह के भीतर कम्पोजिट स्किल व इनोवेशन लैब स्थापित होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इस महत्वाकांक्षी योजना को मिशन मोड में लागू किया जाएगा। अगले दो महीनों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत चयनित अटल आवासीय विद्यालयों में इनोवेशन लैब की स्थापना की जाएगी। इसके बाद छह महीनों के भीतर सभी अटल आवासीय विद्यालयों में ये लैब पूरी तरह क्रियाशील हो जाएंगी। सरकार की इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण, श्रमिक और वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों को स्कूली स्तर पर ही ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, स्पेस साइंस, थ्रीडी प्रिंटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उन्नत तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है। यह पहली बार होगा, जब इन वर्गों के छात्रों को इतनी उच्चस्तरीय तकनीकी शिक्षा एक ही मंच पर उपलब्ध होगी।

उप्र. भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की सचिव एवं अटल आवासीय विद्यालयों की महानिदेशक पूजा यादव ने बताया कि परियोजना के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों की पूरी व्यवस्था कर ली गई है, जिससे कार्य में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

एक्सपर्ट संस्थान करेंगे सहयोग

इनोवेशन लैब के संचालन और प्रशिक्षण के लिए देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों और विशेषज्ञ एजेंसियों का सहयोग लिया जाएगा। पहले चरण में चयनित शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण देकर मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार किया जाएगा, जो आगे अन्य शिक्षकों और छात्रों को प्रशिक्षित करेंगे। इन लैब के माध्यम से छात्रों में इनोवेशन, क्रिटिकल थिंकिंग, प्रॉब्लम सॉल्विंग और टेक्नोलॉजी एप्लिकेशन जैसी 21वीं सदी की आवश्यक क्षमताएं विकसित की जाएंगी। सरकार का मानना है कि यह पहल उत्तर प्रदेश को टेक्नोलॉजी-ड्रिवन एजुकेशन लीडर के रूप में स्थापित करेगी।

मदरसों में फर्जी नियुक्तियों से सरकारी धन के दुरुपयोग का खेल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मदरसा बोर्ड में संगठित भ्रष्टाचार गिरोह सक्रिय, जांच के दायरे में कई अधिकारी

अमृत विचार: प्रदेश के मदरसों में फर्जी नियुक्तियां और सरकारी धन का दुरुपयोग का खेल काफी दिनों से चल रहा है। मदरसा बोर्ड में संगठित भ्रष्टाचार व फर्जीवाड़े का गिरोह सक्रिय है। इस मामले की जांच बलरामपुर पुलिस कर रही है। जिसकी जद में मदरसा प्रबंधन व बोर्ड के अधिकारी व कर्मचारी आ रहे हैं। जांच में फर्जी दस्तावेज बनाने, सरकारी धन के भुगतान के लिए फर्जी बिल बनाने का मामला भी शामिल है। पुलिस की जांच में जल्द बड़े खुलासे की उम्मीद है।

बलरामपुर मदरसा शिक्षा से जुड़े संगठित भ्रष्टाचार को लेकर सुर्खियों में है। तुलसीपुर स्थित मदरसा जामिया अनवारुल उलूम में फर्जी नियुक्ति कर सरकारी धन के दुरुपयोग का गंभीर मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता मोहम्मद इमरान द्वारा की गई शिकायत के बाद पूरे प्रकरण का खुलासा हुआ है। शिकायत के अनुसार मोहम्मद अहमद अंसारी की नियुक्ति केवल कागजों में दर्शाई गई थी। नियमित रूप से उपस्थित न रहने के बावजूद उन्हें वेतन का भुगतान किया जाता रहा। शिकायतकर्ता का आरोप है कि कूटरचित अभिलेखों के माध्यम से नियुक्ति दिखाई गई।

इस मदरसे के प्रबंधक अहमदुल कादिरी करीब आठ करोड़ रुपये के मिड-डे मील घोटाले का मुख्य आरोपी है। बलरामपुर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इसके बाद शासन के निर्देश पर फर्जी नियुक्ति किये जाने के मामले में उसके खिलाफ तुलसीपुर कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, इस फर्जीवाड़े का आरोपी बाबू अजीज अहमद अंसारी का नाम छात्रवृत्ति घोटाले में पहले आ चुका है।

न्यूज ब्रीफ

खेलते समय गिरने से दो बच्चे घायल

अमृत विचार, उन्नाव : अलग-अलग जगहों में खेलते समय गिरने से दो बच्चे गंभीर घायल हो गए। जिन्हें सीएचसी से जिला अस्पताल भेजा गया। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के ग्रालाल सुनौरा गांव निवासी लवकुश की 6 वर्षीय बेटी रविवार की सुबह करीब 9 बजे छत पर खेल रही थी। तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से नीचे फर्श पर गिर गई। वहीं फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के बरुआघाट गांव निवासी रिंकू का 6 वर्षीय रविवार शाम घर बाहर चबूतरे पर अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। तभी वह अचानक नीचे गिर गया गंभीर घायल हो गया। दोनों बच्चों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

माइनर में उतराता मिला किसान का शव

अमृत विचार, उन्नाव : फसल की रखवाली करने गए अधेड़ किसान का शव माइनर में उतारता देख परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव मोर्चरी भेजा है। फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के ऊगू ग्रामीण (रज्जाकपुर) गांव निवासी रामकिशोर (50) किसान था। शनिवार को वह खेत में खड़ी फसल की रखवाली करने निकला था लेकिन रात में नहीं लौटा। इस पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की लेकिन पता नहीं लगा। रविवार को परिजन ग्रामीणों के साथ सुबह से तलाश में जुटे थे। तभी देर शाम रामकिशोर का शव सरकारी नाला (माइनर) में उतराता देख लोगो की भीड़ एकत्र हो गई।

अब नए नंबर से चलेगी झांसी पैसेंजर

अमृत विचार, उन्नाव : रेलवे द्वारा झांसी पैसेंजर ट्रेन के नंबर में बदलाव किया गया है, जो रविवार से लागू हो गया है। स्टेशन मास्टर ने बताया कि अब तक झांसी पैसेंजर का नंबर 51813 था, जिसे बदलकर 64701 कर दिया गया है। नए नंबर के साथ यह ट्रेन पैसेंजर के बजाय मेमू के रूप में संचालित की जाएगी। हालांकि पहले दिन ट्रेन पुराने स्वरूप में ही आई। अगले कुछ दिनों में यह नए नंबर के साथ नियमित रूप से चलेगी। फिलहाल ट्रेन के कोच पुराने ही संचालित किए जा रहे हैं।

किशोरी को भगा ले जाने वाला युवक गिरफ्तार

अमृत विचार, उन्नाव : एसपी के निर्देश पर चलाये गये अभियान के दौरान रविवार को गंगाघाट पुलिस ने किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाले वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि गायत्री नगर भातू फार्म निवासी विशाल त्रिवेदी उर्फ छोटे बदमाश पुत्र जुगलकिशोर एक किशोरी को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया था। किशोरी के परिजनों ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। रविवार को पुलिस ने आरोपी को गंगापुल के पास से गिरफ्तार किया और उसके खिलाफ दर्ज मुकदमें के आधार पर कार्यवाही करते हुये कोर्ट भेजा है।

स्वास्थ्य मेले में 99 मरीजों का परीक्षण

अमृत विचार, उन्नाव : रविवार को न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शुक्लागंज में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जहां नगर व आस पास रहने वाले मरीज पहुंचे। इस दौरान मेले में मौजूद डॉक्टरों ने मरीजों का परीक्षण किया और उन्हें दवाइयां दी। राजधानी मार्ग स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शुक्लागंज में मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले में एलोपैथिक के डॉक्टरों ने मरीजों का परीक्षण कर दवा बांटी। इसके अलावा डॉ. अर्चना गुप्ता, डॉ अक्षय कुमार, विमल किशोर सिंह ने भी मरीजों को परामर्श देने के साथ ही दवाइयां बांटी। वहीं अन्य डॉक्टरों ने आये मरीजों का परीक्षण किया। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि पीएचसी में 99 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें दवाइयां बांटी गई।

बेटी के लिए लड़का देखने जा रहे पिता की हादसे में मौत

- मोहान रोड पर हुए हादसे में दिव्यांग भाई भी मामूली घायल

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचारः थाना क्षेत्र में रविवार को बेटी के लिए रिश्ता देखने जा रहे पिता-पुत्र की स्कूटी मोहान रोड स्थित तेज किशनखेड़ा के पास अनियंत्रित होकर गिर गई। जिससे स्कूटी पर बैठे पिता-पुत्र सड़क पर आ गए। इसी दौरान पीछे से आ रहे 18 चक्का ट्रक ने अधेड़ को रौंद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दिव्यांग बेटे को हल्की चोटें आई हैं। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला। काकोरी पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पारा के भुइयां देवी मंदिर के पास रहने वाले फर्नीचर कारोबारी दुखी शर्मा (55) रविवार को बेटे मुकेश शर्मा के साथ स्कूटी से बेटी के लिए रिश्ता देखने उन्नाव के हसनगंज जा रहे थे। जैसे ही वे काकोरी इलाके में मोहान रोड पर तेज किशन खेड़ा गांव के पास पहुंचे, तभी स्कूटी अनियंत्रित होकर गिर गई। जिससे उसपर पीछे बैठे दुखी शर्मा सड़क पर दाईं तरफ गिरे और उनका बेटा मुकेश शर्मा बाईं ओर गिरा। इस बीच पीछे से आ रहे ट्रक ने दुखी शर्मा को रौंद दिया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उनके बेटे मुकेश को हल्की चोटें आईं हैं। इंस्पेक्टर सतीश राठौर ने बताया कि सूचना पर उपनिरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सड़क पर एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा मिला, जबकि स्कूटी के पास एक युवक खड़ा था जो बोल नहीं पा रहा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि स्कूटी चला रहा युवक ही हादसे में शामिल है। कुछ देर बाद मौके पर पहुंचे सुनील शर्मा ने मृतक की पहचान जीजा दुखी शर्मा के रूप में की। बताया कि घायल उनका बेटा मुकेश है, जो बोल नहीं पाता है। पुलिस ने सुनील की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

स्कूटी में टक्कर मारने के बाद ई-रिक्शा से टकराई कार, अधिवक्ता की मौत

संवाददाता, काकोरी

मृतक चांद बाबू सैनी

- ई-रिक्शा चालक समेत पांच घायल
- मृतक के भाई ने जताई साजिश की आशंका

अमृत विचारः पारा में आरडीएसओ ओवरब्रिज पर शनिवार देर रात बेकाबू कार स्कूटी को टक्कर मारने के बाद एक ई-रिक्शा से टकरा गई। हादसे में स्कूटी सवार अधिवक्ता की मौत हो गई। ई-रिक्शा टकराने से चालक समेत पांच अन्य लोग घायल हो गए। अधिवक्ता की मौत मामले में उनके भाई ने हादसे पर संदेह जताते हुए साजिश का आरोप लगाया है। फिलहाल कोई तहरीर नहीं दी है। पुलिस ने कार कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में लिया है।

तालकटोरा के आलमनगर निवासी लवकुश ने बताया कि उनका भाई अधिवक्ता चांद बाबू सैनी शनिवार शाम दोस्त आशु के साथ स्कूटी से निकले थे।देर रात आरडीएसओ ओवरब्रिज पर स्कूटी में कार ने टक्कर मार दी। हादसे में चांद बाबू गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्कूटी को टक्कर मारने वाली कार ने ई-रिक्शा भी टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा सवार ठाकुरगंज निवासी चालक चमन, राजाजीपुरम निवासी अंशिका, हर्षिता, शुभ और अश्विका को चोटें आई है। अंशिका का गंभीर अवस्था में इलाज चल रहा है।

भाई लवकुश का कहना है कि उनके भाई चांद बाबू की मौत सामान्य सड़क हादसा नहीं है। इसमें साजिश हुई है। आरोप लगाया कि हादसे में स्कूटी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि साथ मौजूद दोस्त कोई चोट नहीं आई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया है। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक कर घटना की जांच की जा रही है। कार को कब्जे में लेकर उसके चालक गौरव जैन को हिरासत लिया गया है।

सीमा विवाद में उलझी पुलिस

- स्थानीय लोगों के मुताबिक यह हादसा पारा इलाके के आरडीएसओ ओवरब्रिज पर हुआ था। पड़ोस में ही तालकटोरा थाने की सीमा भी है। दोनों थानों की पुलिस कुछ देर सीमा विवाद में उलझी रही। हालांकि बाद में पारा पुलिस ने घटना को लेकर कार्रवाई शुरू की। बताय जा रहा है कि मृतक के परिवार में पत्नी मेघा और 5 साल की बेटी है। घटना के बाद से पत्नी का रो-रो कर बुरा हाल है।

रिश्वतखोर दरोगा को भेजा जेल, निलंबित

अमृत विचार, लखनऊः रिश्वत लेते हुए शनिवार रात को एंटी करप्शन के हत्थे चढ़े पीजीआई के वृंदावन चौकी पर तैनात उपनिरीक्षक अमर कुमार प्रजापति को गोसाईंगंज पुलिस ने जेल भेज दिया है। एसीपी गोसाईंगंज ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर उपनिरीक्षक को निलंबित कर दिया गया है। मामले में एंटी करप्शन की निरीक्षक एकता त्यागी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

निरीक्षक ने बताया कि 18 दिसंबर को अयोध्या के इनायत नगर निवासी शशांक कुमार ने एंटी करप्शन में शिकायत की थी। बताया था कि 18 नवंबर को उपनिरीक्षक अमर कुमार ने कॉल कर कहा कि आपके खिलाफ वाहन चोरी की रिपोर्ट दर्ज है। गाड़ी लेकर आइए। पीड़ित कार लेकर पहुंचा तो उसकी गाड़ी खड़ी करा ली गयी। आधार कार्ड व अन्य पेपर लिए गए। फिर कहा कि कोर्ट में गाड़ी रिलीज की रिपोर्ट तभी देंगे, जब 15 हजार दोगे। मान-मनौव्वल के बाद सौदा 13 हजार में तय हुआ। पीड़ित ने एंटी करप्शन को बताया कि गाड़ी उसके भाई शिवम के नाम पर है और वह ओला उबर में चलाता है। पीड़ित ने रिश्वत मांगने पर कॉल रिकार्डिंग भी सौंपी थी।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर कोहरे में जानवर को बचाने में स्कार्पियो पलटी, प्रॉपर्टी डीलर की मौत

मृतक अमरेंद्र पाल

अमृत विचार, गोसाईंगंज : पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे स्थित टोल प्लाजा के पास शनिवार रात घने कोहरे के बीच सामने आए जानवर को बचाने के चक्कर में बेकाबू स्कार्पियो पलट गई। हादसे में गाड़ी चला रहे प्रॉपर्टी डीलर की मौत हो गई, जबकि दोस्त घायल हो गया। गोसाईंगंज पुलिस ने दोनों को सीएचसी गोसाईंगंज पहुंचाया, जहां प्रॉपर्टी डीलर को मृत घोषित कर दिया गया। छानबीन में पता चला कि प्रॉपर्टी डीलर गोरखपुर स्थित ससुराल में ससुर की तेरहवीं में शामिल होकर लौट रहे थे। बस्ती जिले के परसाव निवासी प्रॉपर्टी डीलर अमरेंद्र पाल सूर्यवंशी (42) बीबीडी इलाके के पारसनाथ सिटी में पत्नी नीतू, दो बेटों शिवांश और वैभव के साथ रहते थे। भाई मनीष पाल सूर्यवंशी ने बताया कि अमरेंद्र तीन दिन पूर्व दोस्त प्रमोद सिंह के साथ ससुर की तेरहवीं में शामिल होने गोरखपुर ससुराल गए थे। वहां से शनिवार रात दोनों लोग स्कॉर्पियो से घर लौट रहे थे। रात 12 :30 बजे जब वह लोग गोसाईंगंज स्थित हाईवे टोल प्लाजा के पास पहुंचे, तभी स्कॉर्पियो के सामने अचानक जानवर आ गया। घने कोहरे के बीच जानवर को बचाने के चक्कर में स्कॉर्पियो चला रहे अमरेंद्र सिंह ने कट मार कर गाड़ी निकलने की कोशिश की। कट मारते ही स्कार्पियो अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दोनों लोग गाड़ी में फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे एनएचएआई के कर्मियों व पुलिस ने किसी तरह उन्हें गाड़ी से निकालकर सीएचसी गोसाईंगंज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने अमरेंद्र को मृत घोषित कर दिया। प्रमोद को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी। घटना के बाद पुलिस ने मृतक के मोबाइल से उनके परिजन को सूचना दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर छात्रा को फंसाया, अगवा कर किया गैंगरेप

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मेडिकल व बयान के बाद मुख्य आरोपी समेत दो गिरफ्तार
- तीसरे आरोपी की तलाश, हरदोई में दबिशें

अमृत विचारः इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर युवक ने निजी स्कूल की कक्षा-9 की छात्र को प्रेम जाल में फंसाया। उसके बाद शादी का झांसा देकर अपने साथ भगा ले गया। आरोपी ने अपने दो दोस्तों के साथ किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म किया। मोहनलालगंज पुलिस ने सर्विलांस की मदद से किशोरी को बरामद किया, जबकि आरोपी भाग निकले। मेडिकल व बयान में किशोरी ने आपबीती बतायी। धाराएं बढ़ाने के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत दो को रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, तीसरे आरोपी की तलाश में हरदोई में दबिशें दे रही है।

इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी कक्षा-9 की छात्रा है। 14 नवंबर को छात्रा मां से रुपये लेकर टेंपो से घर जाने के लिए निकली। गांव के मोड़ पर भाई इंतजार करता रहा लेकिन वह नहीं पहुंची थी। खोजबीन के पिता ने 15 नवंबर को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। पुलिस ने सर्विलांस के साथ ही छात्रा के सोशल मीडिया अकाउंट खंगाले।

सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने सर्विलांस का सहारा लिया। 16 दिसंबर को किशोरी को बरामद किया गया। पुलिस ने कोर्ट के समक्ष बयान दर्ज कराया। जिसमें छात्रा ने रोहित व उसके दो दोस्तों पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया। बताया कि उसे मल्हौर इलाके में रखा गया था। इस जानकारी के बाद पुलिस ने दर्ज मामले में सामूहिक दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ायी।

पुलिस ने मोहनलालगंज इलाके से रविवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रोहित उर्फ सोहित निवासी 25 तिलकमार्ग हजरतगंज हालपता कृष्णलोक कॉलोनी फैजुल्लागंज मडियांव और मनीष रस्तोगी निवासी घंटाघर बाराबंकी हालपता अशरफ बिहार कॉलोनी मल्हौर चिनहट हैं। इंस्पेक्टर ने बताया कि तीसरा आरोपी हरदोई का रहने वाला है। उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

चौकी के पास ज्वैलर्स शॉप का शटर तोड़कर एक करोड़ के जेवर चोरी

150 ग्राम सोने के जेवर, 30 किलो चांदी व सोने के पुराने जेवर ले गए चोर, सीसीटीवी कैमरे में दिखे तीन चोर, उखाड़ ले गए डीवीआर

संवाददाता, मलिहाबाद

अमृत विचारः बेखौफ चोरों ने मलिहाबाद पुलिस को खुली चुनौती दी। कस्बा पुलिस चौकी से महज 50 मीटर की दूरी पर चोरों ने ज्वैलर्स दुकान को निशाना बनाया और पुलिस बेखबर होकर दरवाजा बंद कर सोती रही। शनिवार देर रात चोरों ने शटर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के करीब एक करोड़ से अधिक के जेवर पर हाथ साफ कर दिया। वारदात को अंजाम देने से पहले चोरों ने सीसीटीवी कैमरे का तार काट दिया। चोरी के बाद चोर कैमरे का डीवीआर भी उठा ले गए। सीसीटीवी कैमरे में युवती समेत तीन चोर कैद हुए हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी है।

मिर्जागंज निवासी सर्राफ यूसुफ वली बेग की चौकी के पास रबाब मार्केट में फजल ज्वैलर्स के नाम से आभूषण की दुकान है। रोजाना की तरह शनिवार देर शाम वे दुकान बंद कर घर चले गए थे। देर रात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। रविवार सुबह जब दुकान मालिक यूसुफ के भतीजे ने शटर खुला देखा तो सूचना उन्हें दी। इसके बाद जब दुकान मालिक मौके पर पहुंचे तो शटर एक तरफ से टूटा हुआ मिला। यह देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गयी। पीड़ित ने बताया कि चोर करीब 150 ग्राम सोने के जेवर, 30 किलो चांदी और पुराने आभूषण गायब मिले। जेवर की कीमत करीब एक करोड़ रुपये बतायी जा रही है। करोड़ों के जेवर चोरी की सूचना मिलते ही एडीसीपी उत्तरी गोपी नाथ सोनी और इंस्पेक्टर मलिहाबाद जितेंद्र कुमार भाटी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने डॉग स्क्वॉयड व फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल पर छानबीन की।

घटना के तरीके से साफ है कि बदमाश पेशेवर थे। उन्होंने सबसे पहले दुकान का शटर काटा। इसके बाद अपनी पहचान छुपाने और सबूत मिटाने के लिए वाईफाई कनेक्शन काट दिया। इतना ही नहीं सीसी कैमरों की रिकार्डिंग सुरक्षित करने वाला डीवीआर भी उखाड़कर अपने साथ ले गए। हालांकि, शटर काटते समय तीन बदमाश सीसी कैमरे में कैद हो गए हैं। माना जा रहा है कि उन संदिग्धों में एक युवती भी है। एडीसीपी ने बताया कि केस पर क्राइम ब्रांच समेत तीन टीमें लगायी गयी हैं। घटनास्थल के आसपास के अन्य सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

डाग स्क्वायड के साथ जांच करती टीम।

सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में कैद चोर।

ज्वैलर्स के अलावा आठ दुकानों के कैमरों के तार काटे

- छानबीन में पता चला कि चोरों ने फजल ज्वैलर्स में चोरी से पहले मार्केट की आसपास की आठ दुकानों के सीसीटीवी कैमरों के तार काट दिए। चोरों ने किसी अन्य दुकान में प्रयास नहीं किया। सभी फुटेज में चोर मुंह पर मफलर बांधे दिखे हैं।

चोरी के बाद गए बाग में, फिर हाइवे पर दो बाइक से भागे

- पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो पता चला कि चोरी के बाद तीनों चोर मार्केट के पीछे जैनब बाग में गए। उसके बाद वहां से निकलकर हाइवे पर पहुंचे। वहां पहले से खड़ी दो बाइकें स्टार्ट कर हरदोई रोड की तरफ भाग निकले। इस जानकारी के बाद पुलिस पूरे रूट के कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

सहालग देख ज्यादा मंगाई थी चांदी

- सर्राफ युसूफ वली बेग का कहना है कि उनके समुदाय के लोगों की सहालग चल रही है। इसी के चलते चांदी उन्होंने अधिक चांदी मंगाई थी। चोरी होने से वे लाखों के कर्जा में चले गए हैं। अब कैसे वह यह कर्ज कैसे चुकाएंगे, उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा है।

व्यापारियों ने गश्त पर उठाए सवाल

- लाखों की चोरी की घटना से मलिहाबाद व्यापार मंडल में आक्रोश है। व्यापारियों ने पुलिस की रात्रि गश्त पर गंभीर सवाल उठाए हैं। व्यापार मंडल ने इंस्पेक्टर को ज्ञापन सौंपकर बाजार में रात की गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि चौकी के पास इस तरह की घटना होना पुलिस की लापरवाही को दर्शाता है।

कर्मियों की सतर्कता से दो चोर गिरफ्तार

संवाददाता, गोसाईंगंज

अमृत विचारः अंसल स्थित सीएमएस शाखा में तीन-चार दिन से हो रही बिजली के तार चोरी हो रहे थे। शनिवार को तार चोरी करने घुसे दो आरोपियों को स्कूल कर्मचारियों की मदद से सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से करीब तीन किलो बिजली का तार और एक चाकू बरामद किया गया है।

सीएमएस स्कूल में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत कौशिक पांडेय ने बताया कि पिछले तीन-चार दिनों से स्कूल परिसर में लगातार बिजली के तार काटकर चोरी किए जा रहे थे। शनिवार शाम करीब छह बजे स्कूल कर्मचारियों ने दो युवकों को तार काटते हुए पकड़ लिया और तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को पकड़कर थाने लायी। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम कल्लू और दिलीप निवासी सेमनापुर थाना गोसाईंगंज के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी दिलीप पर पहले से ही गोसाईंगंज और एंटी पावर थेफ्ट थाने में तीन मामले दर्ज हैं।

पुलिस की गिरफ्त में चोरी के आरोपी।

जंगल में लटका मिला छात्रा का शव

अमृत विचार, बख्शी का तालाबः कठवारा ग्राम पंचायत अंतर्गत रमघडा गांव निवासी रघुनंदन गोस्वामी की बेटी अक्षिता गोस्वामी उर्फ गुड़िया (17) निजी स्कूल में 11वीं की छात्रा थी।शनिवार शाम घर में खाना बनाने के बाद वह नित्यक्रिया की बात कहकर घर से बाहर निकली थी। रात तक जब घर नहीं लौटी तो परिजन ने खोजबीन शुरु की। तलाश के दौरान गांव के बाहर प्राइमरी स्कूल के पीछे जंगल में पेड़ में बंधी साड़ी से अक्षिता का शव लटका मिला। बेटी का शव लटका देख परिजन चींख पड़े। पुलिस ने मौके पर जांच पड़ताल की।

नए साल में खुलेंगे 14 पॉली क्लीनिक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- घर के नजदीक विशेषज्ञों द्वारा मिलेगा इलाज

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग नए साल में 14 पॉली क्लीनिक का तोहफा लोगों को देने की तैयारी कर चुका है। विभाग ने क्लीनिक खुलवाने के लिए जगह तय कर ली है। इनमें विशेषज्ञ तैनात किए जाएंगे। जिनके जरिए मरीजों को इलाज के साथ परामर्श भी मिलेगा। क्लीनिक के लिए भवन का चयन विभाग के जरिये कर लिया गया है। सीएमओ का कहना है जनवरी तक सभी पॉली क्लीनिक शुरू हो जाएंगी।

अभी मोहल्ला क्लीनिक की तरह जिले में 108 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) का संचालन हो रहा है। इन केंद्रों पर एमबीबीएस डॉक्टर तैनात हैं। विशेषज्ञ न होने से मरीजों को इलाज के लिए दूसरे अस्पताल जाना पड़ता है। मरीजों की समस्या को देखते हुए एनएचएम 14 पॉली क्लीनिक शुरू करने जा रहा है। हर क्लीनिक पर दो-दो विशेषज्ञ तैनात होंगे। इसमें ईएनटी, बाल रोग विशेषज्ञ, गाइनकोलॉजिस्ट, एमडी मेडिसिन, कैंसर विशेषज्ञ समेत अन्य विधा के विशेषज्ञ शामिल होंगे।

यहां खुलेंगी पॉली क्लीनिक

- जानकीपुरम, आईआईएम रोड, बरावनकलां, न्यू हैदरगंज, छितवापुर, गढ़ी कनौरा, नाका, जियामऊ, खरगापुर, भरवारा, सज्जादबाग जरहरा, वृंदावन, छितवापुर औरंगाबाद, नादरगंज।

विशेषज्ञों को पांच हजार प्रति दिन के हिसाब से होगा भुगतान

- इन क्लीनिक में तैनात होने वाले विशेषज्ञों को हर दिन पांच हजार रुपये के हिसाब से भुगतान होगा। प्रति क्लीनिक की स्थापना के लिए करीब दस लाख रुपये का बजट भी एनएचएम से स्वीकृत किया गया है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह का कहना है इन क्लीनिक पर निजी डॉक्टर भी सेवाएं दे सकेंगे।

एसजीपीजीआई

अत्याधुनिक स्ट्रोक यूनिट में तुरंत इलाज, 24 घंटे विशेषज्ञ टीम तैनात

चार-पांच घंटे में पीजीआई पहुंचने पर बच सकता है ब्रेन स्ट्रोक मरीज का दिमाग

संवाददाता, पीजीआई

र संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद चिकित्सक। अमृत विचार

अमृत विचार : ब्रेन स्ट्रोक के मरीज यदि लक्षण शुरू होने के चार से पांच घंटे के भीतर संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) पहुंच जाते हैं, तो दिमाग को होने वाली गंभीर क्षति को काफी हद तक रोका जा सकता है। पीजीआई के इमरजेंसी विभाग में स्थापित अत्याधुनिक स्ट्रोक यूनिट तत्काल इलाज शुरू कर देती है, जहां समर्पित न्यूरोलॉजिस्ट और इंटरवेंशन रेडियोलॉजिस्ट की टीम चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती है।

ये जानकारी इंटरवेंशन रेडियोलॉजिस्ट प्रो. विवेक कुमार सिंह ने आईएसवीआईआर यूपी चैप्टर की ओर से आयोजित सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम में दी। ''करंट गाइडलाइंस ऑन स्ट्रोक ट्रीटमेंट एंड कैरोटिड स्टेंटिंग'' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के इलाज में थ्रोम्बोलाइसिस और मैकेनिकल थ्रॉम्बेक्टॉमी की भूमिका निर्णायक होती है। सही समय पर उपचार शुरू होने से मरीज को स्थायी दिव्यांगता से बचाया जा सकता है। विशेषज्ञों ने डोर-टू-नीडल और डोर-टू-ग्रूव समय-सीमा के सख्त पालन पर जोर दिया। उनका कहना था कि जितनी जल्दी मस्तिष्क में रक्त प्रवाह बहाल किया जाता है, उतने ही बेहतर उपचार परिणाम सामने आते हैं।सीएमई में एसजीपीजीआई की डॉ. विनिता एलिजाबेथ, डॉ. सूर्यकांत, केजीएमयू के डॉ. प्रवीन शर्मा, मेदांता के डॉ. गौरव, चंदन हॉस्पिटल के डॉ. रित्विज और कमांड हॉस्पिटल के डॉ. सोमनाथ पान ने स्ट्रोक प्रबंधन से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। कैरोटिड स्टेंटिंग पर आयोजित विशेष सत्र में मरीज चयन, जोखिम मूल्यांकन और नई ड्यूल एंटी-प्लेटलेट रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम के समापन पर अध्यक्ष डॉ. विवेक सिंह और सचिव डॉ. नितिन अरुण दीक्षित ने सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मोबाइल चेक किया तो रो पड़ी महिला कर्मचारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ में कार्यरत प्राइवेट कर्मचारी अधिकारियों के रडार पर हैं। अधिकारियों ने दलालों से मिलीभगत के संदेह में कर्मचारियों के मोबाइल और डेटा की जांच शुरू कर दी है। इसमें तस्वीरें, चैट और कॉल डिटेल भी शामिल हैं।

सूत्रों के अनुसार शनिवार को आरटीओ में ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित कार्य देख रहे प्राइवेट कर्मचारियों के मोबाइल ले जबरन लिए गए। कर्मचारियों ने बताया कि उनके कॉल डिटेल, ईमेल और व्यक्तिगत तस्वीरें भी देखी गईं। इस दौरान एक महिला कर्मचारी निजी तस्वीरों की जांच के समय रो पड़ी, लेकिन अधिकारियों ने अपनी कार्रवाई जारी रखी। रविवार को शिकायत परिवहन विभाग मुख्यालय तक पहुंच गई। इस मामले ने विभाग में महिला नेतृत्व के बावजूद कर्मचारियों की निजता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया गया कि पहले डीएल से जुड़े कामकाज स्मार्ट चिप कंपनी के कर्मचारी करते थे। उस समय आरटीओ प्रशासन की शिकायत पर कर्मचारियों को वर्तमान तैनाती से हटा दिया गया। आरटीओ प्रशासन संजय तिवारी ने कहा कि महिला कर्मचारी की निजी तस्वीरों की जांच का आरोप बेबुनियाद है।

ग्राम प्रधान की दुकानों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार IMPACT

अमृत विचार : ग्राम प्रधान ने कागजों में हेरफेर कर सड़क और बंजर भूमि पर आलीशान दुकानें बना ली। अमृत विचार में प्रकाशित खबर का संज्ञान जिलाधिकारी ने लेते हुए गोपनीय जांच कराई, इसी के बाद निकले तथ्यों के आधार पर प्रशासन का बुलडोजर चला। लहरपुर तहसील क्षेत्र में कसरैला चौराहे की कब्जामुक्त कराई गई भूमि की कीमत डेढ़ करोड़ से कहीं अधिक बताई जा रही है।

लहरपुर तहसील क्षेत्र के कसरैला चौराहे पर सरेराह खनन किया गया। निजी जेसीबी की मदद से खनन माफियाओं का कृत्य घंटों चला। इतना ही नहीं खनन कर चुके माफियाओं द्वारा सड़क और बंजर भूमि पर पूर्व में दुकानें भी बना डाली गईं। इसको अमृत विचार ने प्रमुखता से प्रकाशित किया। खबर का संज्ञान जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने किया। उन्होंने तत्काल गोपनीय जांच के निर्देश दिए, हरकत में आए लहरपुर तहसील प्रशासन ने लेखा-जोखा तैयार किया तो तथ्य चौंकाने वाले निकले, तहसीलदार मनीष त्रिपाठी के मुताबिक, ग्राम प्रधान मदनापुर शान मोहम्मद ने जिस भूमि पर दुकानें बनवाई थीं, वो लहरपुर सीतापुर मार्ग पर कसरैला पुल के निकट ग्राम हुसैनपुर मजरा मदनापुर में गाटा संख्या 1054/1.718 राजस्व अभिलेखों में सड़क दर्ज है। वहीं दूसरा गाटा संख्या 976 व / 0.243 बंजर भूमि है। इन सब पर ग्राम सभा मदनापुर के प्रधान शान मोहम्मद पुत्र अब्दुल कादिर द्वारा सात दुकानों का निर्माण कराया गया था।

प्रशासन की टीम की मौजूदगी में अवैध निर्माण को ढहाती जेसीबी। अमृत विचार

रडार पर पांच फार्मा कंपनियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

फेंसेडिल कफ सिरप मामले की जांच में एसटीएफ को मिले कई अहम साक्ष्य

अमृत विचार: फेंसेडिल कफ सिरप मामले में एसटीएफ की जांच तेज हो गई है। एसटीएफ को पांच फार्मा कंपनियों के खिलाफ कई अहम साक्ष्य मिले हैं। इन फार्मा कंपनियों से मुख्य आरोपियों के व्यापारिक लेनदेन के रिकार्ड मिल चुके हैं। इसके आधार पर अब एसटीएफ इन पांचों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की तैयारी कर चुकी है। जल्द ही इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

एसटीएफ के अधिकारियों के मुताबिक, इस मामले में फरार चल रहे लखनऊ व वाराणसी के आरोपियों के परिजन से पूछताछ की गई है। कई दस्तावेज भी मांगे गए हैं। एसटीएफ ने बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह, अमित टाटा और विभोर राणा के खिलाफ कई साक्ष्य जुटा लिए हैं। इनके बैंक खातों से भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। जिसे आधार बनाकर एसटीएफ अपनी जांच आगे बढ़ा रही है। इन सभी के गिरोह के मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल से लेन-देन के साक्ष्य मिले हैं। सभी लोग लंबे समय से कोडीन युक्त सिरप की सप्लाई कर रहे थे। इसमें मोटा मुनाफा देखकर ही आरोपियों ने एबॉट कंपनी के सिरप का उत्पादन बंद करने के बाद इन लोगों ने फर्जी दस्तावेजों से बनी फर्मों के जरिए पश्चिम बंगाल तक सिरप की सप्लाई की। फिर यहां से इसे तस्करी कर बांग्लादेश व नेपाल तक भेजा गया। विभोर राणा की गिरफ्तारी के बाद ही पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ था। एसटीएफ की जांच में ही सामने आ रहा है कि कई फार्मा कंपनियों ने भारी मुनाफा कमाने के लिए इस गिरोह का साथ दिया। इनके इशारे पर कंपनियों ने मनचाहे तरीके से लेन-देन दिखाया। कोडीन युक्त सिरप की तस्करी में आरोपियों को कई तरह की सुविधाएं भी मुहैया कराई गईं।

न्यूज ब्रीफ

आग का गोला बनी चलती कार

महमूदाबाद, सीतापुर : विकास खंड पहला क्षेत्र के ग्राम सिरकोहिया मजरा भरथर में शनिवार देर रात एक चलती कार में अचानक आग लग गई। चालक वीर बहादुर सिंह अपनी कार से खेत देखने जा रहे थे। जैसे ही कार की मेड़ के पास पहुंचे, इंजन से धुआं निकलने लगा। चालक की सतर्कता से उन्होंने तुरंत वाहन रोककर अपने साथियों के साथ बाहर निकल आए। कुछ ही पलों में कार आग की लपटों में घिर गई। ग्रामीणों ने तुरंत डायल 112 और फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

कब्जे के विरोध पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

इमलिया सुल्तानपुर, सीतापुर : रास्ते पर कब्जे के विरोध को लेकर दबंगई हुई। आरोप है कि दबंगों ने घर में घुसकर लाठी-डंडों से जमकर पिटाई परिवार के लोगों की पिटाई की। जानलेवा हमले में पति-पत्नी और बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस छानबीन कर रही है। इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के बिलरिया मुजफ्फरपुर गांव निवासी पीड़ित मुकेश के मुताबिक, गांव के दीपक, अरुण, प्रदीप, रमेश, विशाल व आशीष समेत करीब सात लोग रास्ते में दीवार बनाने के लिए नींव भर रहे थे। विरोध करने पर आरोपी उग्र हो गए और घर में घुसकर मारपीट की। बीच-बचाव करने आई पत्नी पुष्पा देवी व बेटे को भी बेरहमी से पीटा गया। आरोप है कि हमलावर असलहा लहराते हुए दौड़ाते रहे, जिससे गांव में दहशत फैल गई।

जिलाधिकारी से की कूड़ा हटवाने की मांग

खैराबाद, सीतापुर : इलाके के सूहेतारा गांव वासी हनीफ पुत्र पुत्तन ने कूड़े के ढेर को हटवाए जाने की मांग जिलाधिकारी से की है। ग्रामीण हनीफ का कहना है कि उसकी भूमि पर कुछ लोग जबरन कूड़ा डाल रहे हैं। लगातार डाले जाते कूड़े से दुर्गन्ध और संक्रमण बढ़ा है। कुछ लोग बीमार भी हुए। आरोप है कि इस बात को लेकर लोगों को मना किया गया तो वे लोग मारपीट करने पर आमादा हो गए हैं। ग्रामीण परिवार ने कूड़ा हटवाने के लिए जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र प्रेषित किये जाने के साथ थाने पर दिया है।

सात वारंटी दबोचे

सीतापुर, अमृत विचार : पुलिस ने अलग-अलग थानों से सात वांछित वारंटी गिरफ्तार किए। थानगांव पुलिस ने वारंटी मोनिस, छोटकन्नु व कंधई को गिरफ्तार किया। संदना पुलिस ने वांछित पंकज को पकड़ा। खैराबाद पुलिस ने वारंटी अनुराग व नूरे उर्फ नूर मोहम्मद को हिरासत में लिया। वहीं रामपुर मथुरा पुलिस ने वांछित अर्जुन कुमार को गिरफ्तार किया। सभी अभियुक्तों को संबंधित मामलों में विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

मनरेगा में चार हजार करोड़ रुपये की बकायेदारी

2024-25 का 2900 करोड़ और इस वर्ष का 1238 करोड़ बकाया

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

सबसे अधिक निर्माण सामग्री की धनराशि

अमृत विचार : प्रदेश में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत गांवों का विकास हुआ और जॉबकार्ड धारकों को काम मिला, लेकिन बजट का अभाव कहें या तकनीकी समस्या, जिसकी वजह से वर्ष 2024 से करीब चार हजार करोड़ रुपये की बकायेदारी हो गई है। इसमें सबसे अधिक निर्माण सामग्री का बकाया है।

मनरेगा के तहत वर्ष 2024-25 में कराए गए कार्यों का करीब 2900 करोड़ रुपये बकाया है। जो इस वर्ष भी भुगतान नहीं हो सका। इसमें सबसे अधिक धनराशि 2600 करोड़ के आसपास सिर्फ मैटेरियल यानी ईंट, बालू, सीमेंट, मौरंग, गिट्टी सरिया आदि की है और फर्मों को भुगतान करना है। शेष धनराशि कुशल, अकुशल श्रमिक व निर्माण सामग्री में लगने वाले टैक्स की है। यही नहीं, वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी दिसंबर तक करीब 1238 करोड़ रुपये देना बाकी है। इसमें भी सबसे अधिक निर्माण सामग्री का करीब 1009 करोड़ के आसपास बकाया है और बिना बजट के रोजाना हो रहे कार्यों के कारण बकायेदारी बढ़ती जा रही है। भुगतान न होने की वजह से कार्य प्रभावित हैं। ज्वाइंट कमिश्नर ग्राम्य विकास चंद्रशेखर ने बताया कि भुगतान के लिए नया एसएनए पोर्टल लागू हुआ है। इस पर काम चल रहा है। कुछ तकनीकी समस्या है।

लखनऊ में पिछले वर्ष का 727 लाख रुपये बकाया

अमृत विचार : लखनऊ में भी बड़ी बकायेदारी है। वर्ष 2024-25 का 727 लाख रुपये श्रमिकों और निर्माण सामग्री का भुगतान करना बाकी है। जबकि इस वर्ष 2025-26 का करीब 381 करोड़ रुपये बकाया है। यदि भुगतान न हुआ तो धनराशि बढ़ती जाएगी। 100 दिन रोजगार की बात करें तो 160 श्रमिक परिवार लाभान्वित हुए हैं। 6.15 लाख मानव दिवस के सापेक्ष 3.68 लाख मानव दिवस सृजित हो चुके हैं।

आयुष पीजी काउंसिलिंग में कोई सीट आवंटित नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी की 57 सीटों पर सत्यापन के बाद नहीं मिले पात्र अभ्यर्थी

अमृत विचार : आयुष कॉलेजों में परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आयोजित यूपी आयुष पीजी स्पॉट वैकेंसी काउंसिलिंग में किसी भी अभ्यर्थी को सीट आवंटित नहीं की जा सकी। कुल 57 रिक्त सीटों के लिए काउंसिलिंग प्रक्रिया संपन्न हुई, लेकिन दस्तावेज सत्यापन के बाद कोई भी अभ्यर्थी पात्र नहीं पाया गया।

निदेशक यूनानी एवं आयुष पीजी काउंसिलिंग के नोडल अधिकारी प्रो. जमाल अख्तर ने बताया कि एक दिन के लिए आयोजित इस गई स्पॉट काउंसिलिंग के तहत 54 अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी की गई, बावजूद प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद के निजी कॉलेज में मात्र एक सीट रिक्त थी, जिसके लिए 42 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया। वहीं, होम्योपैथी कॉलेजों में 39 सीटें रिक्त थीं, जिनके लिए केवल एक अभ्यर्थी ने आवेदन किया। इसके अलावा चार निजी यूनानी कॉलेजों में 17 सीटें खाली थीं, जिनके लिए 11 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कर धरोहर राशि जमा की। हालांकि, दस्तावेज सत्यापन के बाद सीट आवंटन की प्रक्रिया में कोई भी अभ्यर्थी अधिकृत नहीं पाया गया, जिसके चलते सभी सीटें रिक्त रह गईं। स्पॉट काउंसिलिंग में सीटें खाली रह जाने से आयुष पीजी पाठ्यक्रमों में इस सत्र में दाखिले को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है।

मंडलायुक्त ने प्रेरणा स्थल का किया निरीक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : रविवार देर शाम मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने पुलिस अधिकारियों के साथ प्रेरणा स्थल का निरीक्षण किया और तैयारियां परखीं। नोडल और सह नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की। व्यवस्थाओं में जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगाई उन्हें उनकी जिम्मेदारी सौंपी। सभी को उनके स्थल जैसे पार्किंग, पंडाल, मंच, प्रवेश द्वार, म्यूजियम आदि जगहों पर भेजा।

पंडाल में कलर कोडिंग से बैठेंगे प्रतिभागी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

प्रेरणा स्थल पर पंडाल को जिलेवार ब्लॉक में बांटा, लगाए साइनेज बोर्ड, बताएंगे रास्ता

अमृत विचार : राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लोकार्पण कार्यक्रम में लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी से आए प्रतिभागी पंडाल में कलर कोडिंग से बैठेंगे। पंडाल को कई ब्लॉक में बांटकर जनपद वार कलर कोडिंग की गई है। इसका परिचय पत्र, स्टीकर, पार्किंग, पंडाल आदि का रंग एक ही रखा गया है।

25 दिसंबर को बसंतकुंज स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल का भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकार्पण करेंगे। इस कार्यक्रम में पांच जिलों से डेढ़ लाख लोग शामिल होकर भव्य और विशाल कार्यक्रम के साक्षी बनेंगे। जनपदों से लोगों को लाने और छोड़ने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। हर एक जनपद की रोडवेज बसें, पार्किंग, कंट्रोल रूम और पंडाल में बैठने की कलर कोडिंग के हिसाब से व्यवस्था की गई है। हर 10 बसों पर सुरक्षा के लिए उपनिरीक्षक और सुपरवाइजर भी तैनात किया गया है।

रविवार को कार्यक्रम की तैयारी जोरों पर रही। सभी पार्किंग स्थलों पर जर्मन हैंगर लगाए गए। जगह-जगह कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने के लिए एक रंग प्रवेश साइनेज बोर्ड लगाए गए। इसमें कहां से मुड़े, यू-टर्न लें आदि के बोर्ड लगाए गए। इसके अतिरिक्त डेढ़ लाख लोगों के बैठने के लिए पंडाल तैयार किया गया।

सड़क हादसे में एक की मौत, दो घायल

तालगांव, सीतापुर: इलाके में मेंहदीपुरवा के निकट डीसीएम ने बाइक को ठोकर मार दी। सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, दो गंभीर हैं। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के लालपुर बाजार निवासी पुजारी पुत्र रमेश किसी काम से घर से निकला था। बाइक सवार के साथ गांव निवासी संजय पुत्र रामसागर भी था। मोटर साइकिल मेंहदीपुरवा के नजदीक पहुंची डीसीएम ने ठोकर मार दी। जिससे पुजारी की मौत हो गई। दूसरा साथी घायल हो गया।

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को जल्द मिलेगा बकाया

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के संचालन को लेकर लंबे समय से चली आ रही वित्तीय अड़चन अब समाप्त होने जा रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने 15वें वित्त आयोग से प्राप्त बजट को जिला स्वास्थ्य समिति के खाते में हस्तांतरित करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में एनएचएम ने स्थानीय निकाय निदेशक को पत्र भेज दिया है।

एनएचएम निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल ने निदेशक अनुज कुमार झा को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि बजट को जिला स्वास्थ्य समिति के खाते में स्थानांतरित किया जाए। बजट खर्च की उपयोग प्रमाण पत्र जिला स्वास्थ्य समिति के माध्यम से स्थानीय निकायों को उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके साथ ही एनएचएम ने आरोग्य मंदिरों के भवन किराए को लेकर नई व्यवस्था भी लागू की है। निर्देश दिए गए हैं कि भवन स्वामी, मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) और संबंधित स्थानीय निकाय के बीच त्रिस्तरीय किराया अनुबंध किया जाएगा। इस अनुबंध का मानक प्रारूप सभी निकायों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों, सीएमओ, परिवार कल्याण महानिदेशक, एनयूएचएम के नोडल अधिकारियों तथा जिला नोडल अधिकारियों तथा मंडलीय और जिला स्वास्थ्य सलाहकारों को भेज दिया गया है। इस निर्णय से न केवल आरोग्य मंदिरों का संचालन सुचारु होगा, बल्कि भवन मालिकों और सेवा प्रदाताओं को भी बड़ी राहत मिलेगी। मालूम हो कि प्रदेश में इस समय 1,013 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हो रहे हैं। पिछले करीब पांच महीनों से आरोग्य मंदिरों के भवनों का किराया और बिजली बिल बकाया है। अब बजट हस्तांतरण के फैसले के बाद भवन मालिकों को जल्द ही भुगतान मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

शादी से नाराज किशोरी ने दी जान, शव लटका मिला

लहरपुर, सीतापुर: इलाके के निबोरी गांव में किशोरी का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। पुलिस ने इसे कब्जे में लेकर जांच शुरू की है। बताते हैं कि किशोरी की शादी तय थी, जिससे वो पिछले कुछ दिनों से नाराज चली आ रही थी। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम निबोरी निवासी गजराज के मुताबिक, उनकी 17 वर्षीय पुत्री अंकिता देवी घर से निकलकर खेत गई थी। इसी के बाद देर तक वो वापस नहीं लौटी, इसी बीच पता चला कि उसका शव गन्ने के खेत में लगे आम के पेड़ में लटका हुआ है। कोतवाली प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि मृतका की शादी फरवरी माह में होनी थी, मृतका शादी की बात से नाराज थी।

नवयुग कन्या महाविद्यालय
राजेन्द्र नगर, लखनऊ
दूरभाष : 0522-2693298/2691022
Website: www.nkmv.org.in E-mail ID: navyugkanyamahavidyalaya@yahoo.in
नैक द्वारा B ++ मूल्यांकित
दिनांक: 17.12.2025

निविदा सूचना

कालेज मैग्जीन के मुद्रण एवं सप्लाई हेतु सील्ड टेण्डर्स आमंत्रित हैं। टेण्डर फार्म कार्यालय में दिनांक 24.12.2025 से उपलब्ध हैं तथा जमा करने की अंतिम तिथि 10.01.2026 अपरान्ह 03.00 बजे तक है। टेण्डर फार्म खुलने की तिथि 16.01.2026 अपरान्ह 12.00 बजे प्राचार्या कक्ष में।

(प्राचार्या)
नवयुग कन्या महाविद्यालय
लखनऊ

अरावली पर्वतमाला बचेगी तो ही एनसीआर बचेगा: अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कहा: अरावली को बचाना कोई विकल्प नहीं, बल्कि एक संकल्प होना चाहिए

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने देशवासियों के नाम जारी संदेश में अरावली पर्वतमाला को बचाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अरावली को बचाना कोई विकल्प नहीं, बल्कि एक संकल्प होना चाहिए, क्योंकि यह दिल्ली और एनसीआर के लिए प्राकृतिक सुरक्षा कवच का काम करती है। चेतावनी दी कि यदि अरावली नहीं बची, तो एनसीआर का भविष्य भी सुरक्षित नहीं रहेगा।

सपा प्रमुख ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में कहा कि अरावली पर्वतमाला वायु प्रदूषण को कम करने, वर्षा जल संरक्षण और जैव विविधता को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है। एनसीआर में शेष बचे वेटलैंड, पक्षी और प्राकृतिक संतुलन अरावली की वजह से ही संभव है। यह पर्वतमाला क्षेत्र के तापमान को नियंत्रित करती है और दिल्ली की सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत का भी अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि अरावली को बचाना, दरअसल दिल्ली के भविष्य को बचाना है, अन्यथा दिल्लीवासी स्मॉग जैसे जानलेवा हालात से कभी बाहर नहीं निकल पाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदूषण का सबसे गंभीर असर बुजुर्गों, बीमारों और बच्चों पर पड़ रहा है। विश्व प्रसिद्ध अस्पताल और मेडिकल सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं। हालात नहीं सुधरे तो दिल्ली उत्तर भारत के प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में अपनी पहचान खो सकती है।

मनरेगा से गांधी नाम हटाने पर सांसद मुखर, लोगों में आक्रोश

सीतापुर, अमृत विचार: महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाए जाने के केंद्र सरकार के फैसले के विरोध में सांसद राकेश राठौर सोमवार को एक दिवसीय उपवास सत्याग्रह करेंगे। इसे लेकर कांग्रेस समेत विभिन्न संगठनों में उबाल है।

सांसद राठौर ने कहा कि महात्मा गांधी का नाम केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों, मजदूरों और वंचित वर्गों के अधिकार, सम्मान और स्वावलंबन का प्रतीक है। मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना से उनका नाम हटाना जनभावनाओं के साथ खिलवाड़ है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। कार्यक्रम की शुरुआत सोमवार दोपहर 12 बजे शहर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से होगी। इसके बाद अंबेडकर पार्क में एक दिवसीय उपवास सत्याग्रह किया जाएगा। सत्याग्रह के उपरांत जिलाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस दौरान सांसद राठौर केंद्र सरकार के फैसले से होने वाले सामाजिक, आर्थिक और संवैधानिक दुष्परिणामों पर विस्तार से अपनी बात रखेंगे।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैने अपना नाम SAMSUL के स्थान पर SAMSUL SIDDIQUI रख लिया है आज से मुझे इसी से जाना व पहचाना जाये। W/0-MAHFOOZ ALAM SIDDIQUI R/0-IN FRONT OF MADARSA, MALAWAN BUJURG, JHUNSI, DIST-PRAYAGRAJ-211019 (U.P.)

सूचना
मैने अपना नाम MOHD ANEES से बदलकर MOHAMAD ANEES KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-YUSUF KHAAN ADD-NEAR MALIK MARRIAGE HAAL , INFRONT JAVED JETHU, LAKHPERAABAG, NAWABGANJ, DIST-BARABANKI-225001(U.P.)

सूचना
सूचना मैने अपना नाम AASHISH से बदलकर ASHISH रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-KRISHNA RAM ADD-H-No-121 EMILIYABELWA DIST-BASTI-272129(U.P.)

बेदलखली सूचना
मैं **राम मिलन चौहान पुत्र स्व0 राम दुलार चौहान निवासी रवनिया विन्दा का तीर परगना बरौसा तहसील जयसिंहपुर पोस्ट सेवतरी थाना जयसिंहपुर जनपद सुलतानपुर** , मेरे पुत्र अजय कुमार चौहान का चाल चलन ठीक नहीं है और वह आये दिन मुझे व मेरे परिवार वालों को हैरान व परेशान बराबर कर रहा है। अजय कुमार व उसकी पत्नी गुड़िया व उसके बच्चों से कोई वास्ता व सरोकार नहीं रह गया है। उपरोक्त सभी को अपनी सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं अब मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम Adil से बदलकर Mohammad Adil रख लिया है। भविष्य में मुझे Mohammad Adil के नाम से जाना व पहचाना जाए। प्रार्थी– Mohammad Adil पुत्र Shamim Ahmad निवासी 416/25 Kaiperganj Raebareli

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैं ASHIQ ALI से अपना नाम ASHIK ALI रख लिया है अब भविष्य में मैं अपने बदले हुए नाम से जाना हुआ पहचाना जाऊं पुत्र BALE निवासी मियागंज कुसफर बाराबंकी का रहने वाला हूं

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं Nihalul Haq Aqbalul Haq पुत्र Iqbalul haq, निवासी, मझौवा तोग शाहपुर, केशव नगर ग्रन्ट, थाना खोड़ारे जिला गोंडा, पिन–271312, उत्तर प्रदेश, मैने अपना नाम बदलकर Nihalul Haque (निहालुल हक) और पिता का नाम Aqbalul Haque (अकबालुल हक) रख लिया हूं। भविष्य में मैं सभी कार्यों, अभिलेखों एवं पासपोर्ट आदि में निहालुल हक Nihalul Haque पुत्र Akbalul Haque के नाम से जाना पहचाना जाए।

सूचना
मैं **सर्वेशचंद् सोनी पुत्र राम सिंधार** बयान करता हूँ कि मेरे छोटे भाई अभिनेष चंद्र मेरे परिवार से अलग रहते हैं। मेरा इनसे कोई सम्बंध नहीं है। ये नशेड़ी प्रवृत्ति को हो गये है। किसी गलत कार्य लेन देन घटना दुर्घटना व इनके द्वारा किये गये वैध या अवैध कार्य करने से मेरा कोई व मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं है। **–सर्वेश चंद्र सोनी पुत्र राम सिंधार, निवासी– ग्राम –तारून, तहसील बीकापुर, जनपद– अयोध्या, मो. – 9795618047**

सेहत से खिलवाड़

सीतापुर के सांडा व लहरपुर क्षेत्र में नियमों को दरकिनार कर धड़ल्ले से चल रहे अस्पताल

मौतों के बाद भी स्वास्थ्य विभाग गंभीर नहीं, खतरे में मरीजों की जान

सांडा में संचालित क्लीनिक। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार: लहरपुर और सांडा इलाके में मौतों के बाद भी सेहत महकमा गंभीर नहीं है। आलम यह कि जिन निजी अस्पतालों पर कार्रवाई होती है उन्हीं में फिर कुछ दिनों के बाद सेहत से खिलवाड़ कर दिया जाता है। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. की सख्ती के बावजूद सेहत महकमे के कई जिम्मेदार तस्वीर सुधारने का प्रयास नहीं कर रहे। सांडा सीएचसी पर डीएम ने फटकार लगाई थी। नजर डालें तो 24 घंटे पहले सांडा चौराहे के निकट चार निजी अस्पताल खुल रहे थे।

जच्चा की मौत, निजी अस्पताल सीज

सांडा, सीतापुर : सांडा में नियमों की अनदेखी कर रहे निजी अस्पताल आयुष्मान हेल्थ क्लीनिक में प्रसव के दौरान महिला की मौत हो गई। खासे हंगामे के बीच तथाकथित दो संचालकों को पुलिस ने हिरासत में लिया। सांडा सीएचसी के नजदीक आयुष्मान हेल्थ क्लीनिक है। इलाके के छोटा पटना निवासी इमरान अंसारी के मुताबिक, वे आशा कार्यकत्री ममता के कहने पर अपनी गर्भवती पत्नी शहरुन बानो (35) को लेकर आयुष्मान हेल्थ क्लीनिक पहुंचा था। आरोप है कि यहां पर लैब टेक्नीशियन अभिषेक मौजूद थे। इन्होंने बिना किसी सर्जन को बुलाए शहरुन का ऑपरेशन कर दिया। इस दौरान अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। मामला बिगड़ने पर अभिषेक और एक अन्य खुद को फंसता देख मौके से रफूचक्कर हो लिए, किसी तरह परिजन शहरुन लेकर चिकित्सीय उपचार को लेकर निकले, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। प्रकरण जिलाधिकारी डॉ. राजा गण पति आर. के संज्ञान में पहुंचा तो जिम्मेदार भागकर मौके पर पहुंचे। इसी के बाद आनन-फानन में आयुष्मान हेल्थ क्लीनिक को सीज किया गया।

सूत्रों की मानें तो इसमें से एक अस्पताल में आशा बहू को लेकर विवाद हुआ था। हंगामे के बाद जांच हुई तो पता चला कि पूरा अस्पताल ही कागजों में था। सीएमओ डॉ. सुरेश कुमार कहते हैं कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

पहले भी हो चुका है सीज: आयुष्मान हेल्थ क्लीनिक इससे पहले भी सीज हो चुकी है। बताते हैं कि तत्कालीन डिप्टी सीएमओ डॉ. राजशेखर ने इसे सीज कर दिया था। उस समय एक बच्चे की मौत हो गई थी। कुछ दिन बंद रहने के बाद अस्पताल आगे से तो बंद था, लेकिन संचालन पीछे से किया जा रहा था।

न्यूज ब्रीफ

युवती लापता, अपहरण की आशंका

टिकैतनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में एक 18 वर्षीया युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनो ने बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है। महिला ने थाना पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री 19 दिसंबर की शाम उस समय घर से चली गई, जब परिवार के अन्य सदस्य घर पर मौजूद नहीं थे। युवती बिना किसी को बताए किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ चली गई। परिजनों ने रिश्तेदारी व आसपास के क्षेत्रों में युवती की काफी तलाश की, लेकिन उसका सुराग नहीं लग सका। बताया गया कि युवती अपने साथ कीपैड मोबाइल फोन भी ले गई है। आशंका है कि उनकी पुत्री को किसी अज्ञात व्यक्ति ने बहला-फुसलाकर भगा लिया है।

मारपीट में बदला लेनदेन का विवाद

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : मुर्गा खरीदने के दौरान लेनदेन को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों में मारपीट हो गई। मारपीट में दो लोग घायल हुए। पुलिस ने एक पक्षीय कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया है। थाना लोनीकटरा के त्रिवेदीगंज निवासी मोईन की दुकान है। रविवार शाम मुर्गा खरीदने कोतवाली हैदरगढ़ के करौंदी निवासी संतोष रावत छोटे भाई अरविंद के साथ पहुंचा। दुकानदार का आरोप है कि शराब के नशे में धुत संतोष व उसका भाई पैसा नहीं दे रहा था। इसी बात पर विवाद के बाद मारपीट होने लगी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने दोनों पक्षों को थाने ले आई।

350 किलो लहन की गयी नष्ट

बाराबंकी, अमृत विचार : रविवार को थाना असंद्रा क्षेत्र के ग्राम बेला टिकुरी, मंझौती, अशरफपुर में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 2 लक्ष्मीचंद्र पाल और चौकी दिलावलपुर थाना असंद्रा की संयुक्त टीम द्वारा दबिश दी गई। 14 स्थानों पर छापेमारी की गयी। लगभग 35 लीटर कच्ची शराब बरामद की गयी। 2 अभियोग पंजीकृत कर आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही किया गया व मौके पर 350 किलो लहन नष्ट की गयी।

घर में घुसकर दबंगों ने किया हमला

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिठौरा में दबंगों द्वारा एक ग्रामीण पर जानलेवा हमला करने के साथ ही घर में घुसकर भी मारपीट की। सामान तोड़ा व बाइक भी क्षतिग्रस्त कर दी। हौसिला सिंह ने पुलिस को बताया कि 16 दिसंबर की सुबह गांव के ही अमित सिंह उर्फ पुष्पेन्द्र सिंह, आजाद सिंह, अतुल सिंह पुत्र कैलाश सिंह, धर्मेन्द्र सिंह व दुर्गेश सिंह मौके पर पहुंचे और गालियां देने लगे। विरोध पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जान बचाने के लिए दोनों ने घरमें मारपीट की।

सांड़ ने किसान को पटक कर मार डाला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। महाराजपुर में गाय दुहते समय पीछे से आए सांड़ ने किसान पर हमला कर दिया। उठाकर कई बार पटका। ग्रामीणों के दौड़ाने पर सांड़ भागा। तत्काल परिजन किसान को अस्पताल ले गए, जहां हालत गंभीर बताकर डॉक्टरों ने हैलट रेफर किया। वहां इलाज के दौरान किसान की मौत हो गई।

महाराजपुर कस्बा निवासी 50 वर्षीय अशोक कुमार खेती-किसानी करते थे। कई साल पहले उनकी पत्नी नीतू की मौत हो चुकी है। परिवार में दो बेटियां अनामिका और अंजली हैं। अशोक कुमार के भतीजे शेष नारायण ने बताया कि शनिवार देर शाम चाचा घर के बाहर गाय दुह रहे थे, तभी सांड़ पीछे आया और उन पर हमला कर दिया। सींग से जमीन पर रगड़ने के बाद उठाकर पटक दिया। चाचा की चीख सुनकर गांव के लोग शोर मचाते हुए मौके पर पहुंचे और लाठी-डंडा व पानी फेंककर सांड़ को किसी तरह भगाया।

सांड़ के जाते ही तत्काल चाचा को समीप के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर बताकर हैलट रेफर कर दिया। परिजन वहां से चाचा को सरसौल सीएचसी ले गए, जहां से हैलट लेकर पहुंचे। वहां वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

भाजपा में अध्यक्ष जी के बाद जयराम जी की...

शैलेश अवस्थी, कानपुर

अमृत विचार। प्रशासनिक दृष्टिकोण से भाजपा ने कानपुर को तीन जिलों में बांट रखा है और इस कारण तीन जिलाध्यक्ष भी बना रखे हैं। लेकिन इसमें खास बात यह है कि जो नेता दक्षिण जिला का अध्यक्ष बना, फिर वह आगे कोई बड़ा ओहदा नहीं पा सका।

- इसे एक अजब संयोग ही कहा जा सकता है कि भाजपा दक्षिण जिला में अभी जितने भी नेता अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठे वे फिर किसी बड़े ओहदे पर नहीं पहुंचे

- उत्तर जिला में जगतवीर सिंह द्रोण, राकेश सोनकर, रविंद्र पाटनी और सुरेंद्र मैथानी को छोड़ दें तो वहां भी यही हाल होने का मुद्दा अक्सर चर्चा में रहता

सन 1980 में भाजपा की स्थापना के बाद कानपुर महानगर के अध्यक्ष बने सोम नारायण शुक्ला फिर गोपाल अवस्थी। 1990 में भाजपा ने प्रशासनिक दृष्टिकोण से दक्षिण जिला बनाया और अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठे राधेश्याम पांडे। वह तीन बार अध्यक्ष बने। उन्हें विधानसभा चुनाव में सरसौल से टिकट भी मिला, लेकिन हार गए। इसके बाद फिर उन्हें कोई बड़ा पद नहीं मिला।

इसके बाद कौशल किशोर दीक्षित, रामदेव शुक्ला, विनोद शुक्ला, अनीता गुप्ता, बीना आर्या और फिर शिवराम सिंह अध्यक्ष बने। इनमें बीना आर्या पार्षद रह चुकी हैं। रामदेव शुक्ला बहुत वरिष्ठ हैं और पार्टी का शायद ही कोई बड़ा नेता हो जो इन्हें न जानता हो। विनोद शुक्ला अभी भी पार्टी के हर आयोजन में आगे रहते हैं। कौशल किशोर दीक्षित भी तीन बार अध्यक्ष बने और इनकी गिनती सौम्य अनुशासित नेताओं में होती है। शिवराम सिंह की यह दूसरी पारी चल रही है। अब इसे संयोग ही कहा जाएगा कि अभी तक इनमें से एमपी और एमएलए तो छोड़िये, किसी को कोई बड़ा ओहदा नहीं मिला है। ऐसे में अक्सर दक्षिण भाजपा अध्यक्ष की कुर्सी को लेकर यह व्यंग चलता रहता है कि अगर यहां अध्यक्ष बने तो भविष्य में बड़े ओहदे की उम्मीद छोड़ दीजिये। यह सच भी है कि इस क्षेत्र के सभी पूर्व अध्यक्ष अभी भी खूब सक्रिय हैं और उन्हें अभी उम्मीद है कि कभी तो उनके दिन बहुरेंगे।

उत्तर के ये अध्यक्ष रहे भाग्यशाली

- उत्तर जिलाध्यक्ष रहे जगतवीर सिंह द्रोण तीन बार सांसद और एक बार मेयर। राकेश सोनकर विधायक, रविंद्र पाटनी महापौर बने और अब सुरेंद्र मैथानी विधायक हैं। गोपाल अवस्थी को भी एक बार बोर्ड के अध्यक्ष का ओहदा मिला था। इसे संयोग ही कहा जा सकता है कि बाकी सभी अध्यक्षों की कुर्सी बड़े ओहदे का आखिरी पड़ाव ही रही। हां, संगठन में पद जरूर मिलते रहे।

सुनील बजाज फिर लौटे व्यापारी राजनीति में

- दीपू पांडे से पहले भाजपा के उत्तर जिलाध्यक्ष रहे सुनील बजाज फिर व्यापार मंडल की राजनीति में लौट आए हैं। वह कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष हैं और इस बार फिर इसी ओहदे के लिए चुनाव मैदान में हैं। उत्तर के अध्यक्ष रह चुके दिनेश रॉय भाजपा कानपुर देहात की राजनीति में सक्रिय हैं तो राकेश सोनकर अब पार्टी कार्यक्रमों में भी कम दिखते हैं। सुरेश गुप्ता और गोपाल अवस्थी अब इस दुनिया नहीं रहे। रविंद्र पाटनी ओहदे के इंतज़ार में हैं।

नवाब-नीलू की 8.65 करोड़ की संपत्ति कुर्क

जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर एसडीएम, तहसीलदार ने पुलिस बल के साथ की कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर एसडीएम व तहसीलदार ने गैंगस्टर मामले में जेल में बंद नवाब सिंह यादव, भाइयों वीरपाल सिंह यादव उर्फ नीलू, सुदर्शन यादव व मां के नाम अलग अलग पांच संपत्तियों को कुर्क कर दिया। इनकी कीमत आठ करोड़ 64 लाख 67 हजार रुपये है।

किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी और गैंगस्टर मामले में जेल में बंद पूर्व सपा नेता व परिवार की ओर से अवैध रूप से धन अर्जित कर बनाई गई संपत्ति पर प्रशासन ने फिर से कार्रवाई की है। रविवार को एसडीएम अविनाश गौतम, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट तहसीलदार अर्पित कुमार ने सीओ सदर अभिषेक प्रताप अजेय व कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह के साथ सबसे पहले मकरंदनगर के गोमती देवी गर्ल्स इंटर कालेज के निकट मेन रोड पर पड़े प्लाट को कुर्क किया। पुलिस मकरंदनगर तिराहे से मुनादी कराते हुए प्लाट तक पहुंची। फिर पुलिस ने दोनों गेटों में ताले लगा कर सील कर दिया। कुतुलूपुर में 1 करोड़ 62 लाख कीमत का प्लाट, शहर के मोहल्ला जैरकिला में 32 लाख कीमत का प्लाट, यूसुफपुर भगवान मोहल्ले में 5 करोड़ 6 लाख 34 हजार रुपये की प्लाट, शहर के मोहल्ला सरायशाह मोहम्मद में 36 लाख 44 हजार रुपये का प्लाट के अलावा शहर के तालावारान मोहल्ले में 3 मंजिला भवन कीमत 1 करोड़ 27 लाख 89 हजार रुपये मालियत में सील किया है।

गोमती देवी गर्ल्स इंटर कालेज के निकट नवाब सिंहव के प्लाट को कुर्क करती पुलिस।

संगठित गिरोह बना कर अर्जित की संपत्ति

कन्नौज, अमृत विचार : कोतवाली प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने मुनादी करते हुए बताया कि नवाब सिंह यादव व नीलू यादव ने संगठित गिरोह बना कर अपराध करते हुए अपने व परिवार के लिये चल अचल संपत्ति बनाई। अभियुक्तगण सामान्य परिवार से हैं। इन्होंने अपराध जगत में पदार्पण कर यकायक संपत्ति अर्जित कर ली। अब इनके पास करोड़ों की संपत्ति है।

अलाव तापती महिला पर गिरा विद्युत पोल, मौत

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिसवारा में रविवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। कटाई के दौरान पेड़ की डाल बिजली के तार पर गिर गई और तार समेत जमीन पर गिरे दो खंभों में से एक अलाव ताप रही महिला के ऊपर जा गिरा, जिससे गंभीर रूप से घायल महिला की मौत हो गई।

सिसवारा गांव निवासी कन्हैया विश्वकर्मा की पत्नी राधिका (45) घर के बाहर अलाव ताप रही थी। इसी दौरान उनका भतीजा गुड्डू नीम के पेड़ की डाल काट रहा था। काटी जा रही डाल अचानक बिजली के तार पर गिर गई, जिससे विद्युत लाइन पर जोर पड़ा और दो बिजली के पोल गिर गए। इनमें से एक पोल सीधे राधिका के ऊपर जा गिरा। हादसे में राधिका गंभीर रूप से घायल हो गई।

परिजनों की सूचना पर मौके पर पहुंची एंबुलेंस उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के परिवार में पति कन्हैया विश्वकर्मा मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, तथा उसके तीन बच्चे हैं। इनमें दो पुत्र और एक पुत्री है।

भाई और भाभी पर जानलेवा हमला

बाराबंकी, अमृत विचार : कानून गोयान में सगे भाई पर हमले के बाद इलाज कराकर लौटे दंपत्ति पर फिर प्राणघातक हमला किया गया। हमलावर भाई को मृत जानकर फरार हो गया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने देवर देवरानी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गुड़िया पत्नी राजाराम ने एसपी से शिकायत करते हुए बताया कि 11 दिसंबर की रात उसकी देवरानी प्रियंका पत्नी राजकुमार ने अकारण उसके पति राजाराम से मारपीट की। गुड़िया ने बीच-बचाव किया। इलाज के बाद जब वे घर लौटे तो रात करीब 11 बजे प्रियंका, उसके पति राजकुमार तथा देवर विकास ने हमला कर दिया।

महायज्ञ में मौजूद श्रद्धालु। ● अमृत विचार

मंत्रोच्चार के बीच श्रीराम महायज्ञ सम्पन्न

बाराबंकी, अमृत विचार : बालाजी समिति के तत्वावधान में आयोजित 9 दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम के द्वितीय दिवस श्रीराम महायज्ञ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक विधि-विधान से अरणी मंथन द्वारा अग्निदेव के प्राकट्य के साथ किया गया। अग्निदेव के प्रकट होते ही समस्त पंडाल भक्तिमय हो उठा। इसके पश्चात समस्त देवी-देवताओं का आवाहन कर उनकी विधिवत स्थापना की गई। पितरों की भी पूजा-अर्चना कर उनका आवाहन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महायज्ञ एवं हवन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथावाचक विजय कौशल महाराज द्वारा श्रीराम कथा का शुभारंभ किया गया। मुख्य जजमान अमित अग्रवाल, राकेश उत्पल, हरजीत गाबा, संजय जैन, पवन गुप्ता एवं राजीव श्रीवास्तव ने सपत्नीक यज्ञ एवं कथा का पुण्य लाभ प्राप्त किया।

20 माह बाद मारपीट के दो प्रकरण दर्ज

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : मारपीट के दो मामलों की रिपोर्ट पुलिस ने बीस माह बाद कोर्ट के आदेश पर दर्ज की है। सुबेहा के ग्राम जमीन हुसैनाबाद की महिला बदला पत्नी रामदीन सोनकर ने कोर्ट में बताया कि 25 मई 2024 की सुबह संतराम, संतोष कुमारी, रोहित एवं गुडिया ने रंजिश को लेकर उससे मारपीट की। भटगवां की फाकरून निशां पत्नी अतीक ने कोर्ट में बताया कि 25 अप्रैल 2024 को उसकी बकरी इमरान के दरवाजे चली गई थी, जिस पर उसके 8 वर्षीय गूंगे बेटे शानू के साथ मारपीट की गई। महिला ने इसका विरोध किया तो इमरान, निसार, किस्मतुल ने उस पर हमला कर दिया।

खेत गए वृद्ध का नाले में मिला शव

रामसनेहीघाट, बाराबंकी

अमृत विचार : दरियाबाद कोतवाली क्षेत्र में शनिवार रात खेत की रखवाली करने गए बुजुर्ग का शव रविवार को नाले में पड़ा मिला। खबर मिलते ही परिजनों में रोना-पिटना मच गया। परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मथुरानगर निवासी बुधराम (65) का शव गांव के पास खेत जाने वाले रास्ते पर स्थित पुलिया के नीचे नाले में मिला। परिजनों के अनुसार, बुधराम खेत की रखवाली करने गए थे। वह प्रतिदिन रात खेत पर ही रुकते थे और सुबह घर लौटते थे। रविवार सुबह जब उनकी पोती प्रियंका खेत पहुंची तो वहां बुधराम नहीं थे। परिजन और ग्रामीण उनकी तलाश में जुट गए। दोपहर करीब दो बजे पौत्र प्रखर और प्रियांशु ने बुधराम का शव नाले में पड़ा देखा। इसके बाद परिजन शव को घर ले आए और अनहोनी की आशंका जताते पुलिस को सूचना दी। कोतवाली प्रभारी मनोज सोनकर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

पुल के नीचे मिला युवक का शव

बाराबंकी, अमृत विचार : सतरिख थाना क्षेत्र के शरीफाबाद गांव में शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक का शव पुल के नीचे संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। शव पत्थरों पर पड़ा देख ग्रामीणों ने तत्काल डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम और सतरिख थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान शरीफाबाद गांव निवासी मनोज पुत्र छंगालाल कश्यप के रूप में हुई है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि युवक की मौत दुर्घटना में हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है।

वाहन की चपेट में आने से बालक की मौत

सूरतगंज, बाराबंकी,

अमृत विचार : मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में रविवार देर शाम लोडिंग वाहन की चपेट में आकर एक बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगंज ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। घटना बल्लोपुर चौराहे की है। यहां आलवेज पेट्रोल पंप के पास जिबराईल का नौ वर्षीय पुत्र सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान हेतमापुर की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार लोडिंग वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिवार वाले उसे निजी वाहन से सीएचसी सूरतगंज ले जा रहे थे, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लोडिंग वाहन को एक नाबालिग चला रहा था। वाहन पर टेंट का सामान लदा था। चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। घटना के बाद दोनों पक्षों में सुलह-समझौता हो गया। कोतवाल आशुतोष मिश्रा ने बताया कि किशोर खेलते समय वाहन से टकराकर घायल हुआ था। पुलिस को घटना ई सूचना नहीं दी गई।

कवियों ने रचनाओं से लूटी वाहवाही

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : बेल चौराहे पर शनिवार की रात कारवां-ए-तहज़ीब ओ-अदब के तत्वावधान में आयोजित पांचवां ऑल इंडिया मुशायरा एवं कवि सम्मेलन देर रात तक चला। शायरों और कवियों ने रचनाएं पेश कर श्रोताओं से जमकर दाद हासिल की। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व ब्लॉक प्रमुख बृजपाल सिंह ज्ञानू ने फीता काटकर किया।

तीन जिलों की जोड़ने वाली सड़क का दो लेन में होगा चौड़ीकरण

हैदरगंज, अयोध्या।

- 53.92 करोड़ भीटी-हैदरगंज-कूरेभार मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव
- 17.17 किलोमीटर लंबी सड़क का होगा चौड़ीकरण

अमृत विचार: तीन जिलों अंबेडकरनगर, अयोध्या और सुल्तानपुर को जोड़ने वाले भीटी-हैदरगंज-कूरेभार अंतरजनपदीय मार्ग को टू-लेन में चौड़ीकरण किया जाएगा। इसके लिए प्राक्कलन तैयार किया गया है। इस17.17 किमी. लंबी सड़क के चौड़ीकरण पर 53.92 करोड़ रूपये खर्च का अनुमान है। यातायात में वृद्धि के चलते टू लेन सड़क बनने के बाद इसका लाभ तीन जिलों के लोगों को मिलेगा।

सड़क के चौड़ीकरण को लेकर अपना दल (एस) के प्रदेश सचिव प्रमोद सिंह ने प्रयास किया। उन्होंने रविवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव और प्रमुख अभियंता से मिलकर सड़क निर्माण के लिए पत्र सौंपा था। प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग ने अयोध्या मंडल के प्रमुख अभियंता से डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) मांगा। इसके बाद अयोध्या जनपद के लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड से सर्वे कराकर आगणन तैयार किया गया। मुख्य अभियंता अयोध्या मंडल ने 18 दिसंबर को पत्रांक 8569 के जरिए भेज दिया। सड़क का बड़ा हिस्सा अयोध्या जिले के गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र में ही पड़ता है। इसीलिए अयोध्या लोक निर्माण विभाग से बनाए जाने की उम्मीद है। कहा कि सड़क के सुदृढ़ीकरण से यातायात व्यवस्था अच्छी होगी। व्यापारियों को अच्छी सड़के बनने से लाभ होगा। अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं, ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

अव्यवस्था | सेंट्रल स्टेशन पर तीसरे दिन आ रही ट्रेनें, कड़ाके की रात स्टेशन पर कट रही

वंदेभारत लेट फिर भी नहीं दिया डिनर, रेलमंत्री से शिकायत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। राजधानी, तेजस जैसी वीआईपी ट्रेनों में भी यात्री भूखे पेट सफर करने को मजबूर हैं। वंदेभारत से दिल्ली से कई घंटे लेट कानपुर आ रही एक छात्रा का आरोप है कि यात्रियों को डिनर नहीं दिया गया जिससे यात्रियों को भूखा रहकर सफर करना पड़ा। छात्रा ने रेलवे अधिकारियों से गुहार लगाई है कि ट्रेनों में यात्रियों का ख्याल रखा जाए और जो वीआईपी ट्रेनें लेट हो रही हैं, उनमें खाना जरूर परोसा जाए।

चारों फ्लाइट फुल रहीं थोड़ा लेट

- कानपुर की चारों फ्लाइट कोहरे में भी कानपुर आई और यात्रियों से फुल रहीं। रविवार को हैदराबाद की फ्लाइट 178 यात्रियों को लेकर कानपुर आई और 213 यात्रियों को लेकर हैदराबाद के लिए उड़ान भरी। बेंगलुरु की फ्लाइट में 172 यात्री आए और 177 यात्री बेंगलुरु के लिए कानपुर से रवाना हुए। दिल्ली की फ्लाइट में 144 यात्री आए और 178 यात्री दिल्ली के लिए उड़ान भरी। मुंबई की फ्लाइट में भी 180 यात्री आए और 185 यात्रियों ने मुंबई के लिए रवाना हुए।

शनिवार को गाड़ी संख्या 22416 वंदेभारत एक्सप्रेस दिल्ली से वाराणसी से शाम 6 बजे रवाना हुई। जल निगम कर्मचारी नेता प्रताप साहनी द्वारा प्रधानमंत्री एवं रेलमंत्री से की गई शिकायत में कहा गया है कि उनकी बेटी कोच नंबर सी 8 सीट नंबर 34 पर कानपुर के लिए यात्रा पर थी। छात्रा का आरोप है कि ये वीआईपी ट्रेन कई घंटे लेट रही और रात 12 बजे कानपुर सेंट्रल स्टेशन पहुंची लेकिन इस ट्रेन में किसी यात्री को डिनर नहीं दिया गया जबकि रेलवे नियमानुसार प्रीमियम ट्रेन में 3 घंटे लेट होने की स्थिति में डिनर देने का प्रावधान है।

उधर कोहरे के चलते सेंट्रल स्टेशन पर स्पेशल ट्रेनें तीसरे दिन आ रही हैं। शनिवार को नई दिल्ली से कानपुर आने वाली शताब्दी रविवार को भोर में कानपुर पहुंची। इसी प्रकार 15558 अमृत भारत एक्सप्रेस 10 घंटे लेट रही। कई स्पेशल ट्रेनें 35 से 40 घंटे तक लेट रहीं। ट्रेनों की लेटलतीफी के चलते सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर का हॉल पूरी तरह फुल रहा जिससे स्टेशन के निकास एवं प्रवेश द्वार से निकलना दूभर हो गया। इसी प्रकार गोविंदपुरी स्टेशन पर हजारों यात्री ट्रेन के इंतजार में रातभर स्टेशन के प्लेटफार्म पर ठंडी हवा के बीच रहने को मजबूर हुए। कानपुर में लगभग 3782 यात्रियों ने अपना टिकट वापस करा दिया।

पार्ट टाइम जॉब के नाम पर लाखों ठगे

बाराबंकी, अमृत विचार : साइबर अपराधियों द्वारा ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। शहर क्षेत्र में पार्ट टाइम जाब व परिचय के नाम पर लाखों रुपये की ठगी कर ली गई। ठगे जाने का एहसास होने पर पीड़ितों ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पहला मामला सत्यप्रेमीनगर निवासी कृष्णाकर द्विवेदी का है। पीड़ित के अनुसार 18 अप्रैल को उनके टेलीग्राम अकाउंट पर पार्ट-टाइम नौकरी से संबंधित एक संदेश आया। इसके बाद ठगों ने कई ट्रांजैक्शन करवा लिए। दूसरा मामला प्रशांत वर्मा से जुड़ा है। पीड़ित के अनुसार 12 नवंबर को उन्हें एक फोन कॉल आया, जिसमें कॉलर ने किसी परिचित की दुर्घटना में मृत्यु होने की बात कही। बाद में व्हाट्सएप पर भेजी गई फोटो पर शक होने पर पीड़ित ने बात करने से इनकार कर दिया। उसी रात उनके बैंक खाते से चार बार में कुल 4 लाख 40 हजार रुपये निकाल लिए गए।

टीम भावना से कार्य करने से मिलती सफलता : चंपत राय

ट्रॉफी के साथ खिलाड़ी व मुख्य अतिथि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय।

अयोध्या, अमृत विचार: डॉ. भीमराव आंबेडकर क्रीड़ा संकुल में आयोजित दो दिवसीय विधायक खेल प्रतियोगिता का समापन रविवार को हुआ। मुख्य अतिथि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को मेडल और कप प्रदान किया।

मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलकूद से मिल-जुलकर काम करने की भावना विकसित होती है। जब हम टीम भावना के साथ कार्य करते हैं, तभी सफलता मिलती है। खेल प्रतियोगिताएं हार-जीत के साथ आत्ममंथन और आगे बेहतर करने की प्रेरणा देती हैं। नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि विधायक खेल प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण व शहरी प्रतिभाओं को मंच देना है।

न्यूज ब्रीफ

वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार गंभीर

कुशीनगर, अमृत विचार : हाटा कोतवाली के पगरा गांव के सामने हाईवे पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों ने बाइक सवार घायल युवक को हाटा सीएचसी पहुंचाया। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखकर डॉक्टर ने गोरखपुर रेफर कर दिया। रविवार की दोपहर हाटा कोतवाली के गांव रामपुर बलुआ श्रीपाल निवासी 17 वर्षीय किशन पाठक बाइक से किसी काम से कसया जा रहे थे कि हाटा कोतवाली के गांव पगरा हाइवे पर पहुंचे कि पीछे से अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। इस घटना में किशन पाठक गंभीर घायल हो गए। मौके राहगीरों ने घायल किशन पाठक को हाटा सीएचसी पहुंचाया। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख कर डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया।

बांसी में प्रेस भवन की मांग ने पकड़ा जोर

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। तहसील क्षेत्र बांसी में पत्रकारों के लिए स्थायी प्रेस भवन की मांग एक बार फिर जोर पकड़ती नजर आई। इसी क्रम में 19 दिसम्बर को पत्रकारों के प्रतिनिधिमण्डल ने उपजिलाधिकारी बांसी को ज्ञापन सौंपकर प्रेस भवन हेतु भूमि आवन्टन एवं भवन निर्माण की मांग उठाई, वहीं 20 दिसम्बर को आदर्श नगरपालिका परिषद बांसी की अध्यक्ष चमन आरा राईनी के प्रतिनिधि एवं पूर्व नगर अध्यक्ष मोहम्मद इद्रीश पटवारी को भी ज्ञापन देकर पत्रकारों की वर्षों पुरानी मांग से अवगत कराया गया। ज्ञापन के माध्यम से पत्रकारों ने अवगत कराया कि प्रेस भवन के अभाव में उन्हें बैठकों, प्रेस वार्ताओं, समाचार संकलन एवं अन्य पत्रकारिता संबंधी गतिविधियों के संचालन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। एक स्थायी प्रेस भवन न होने से न केवल पत्रकारों का कार्य प्रभावित हो रहा है।

दुल्हन के नाबालिग होने मात्र से हिंदू विवाह अमान्य नहीं

हाईकोर्ट ने कहा- विवाह को अमान्य घोषित कराने का अधिकार केवल पति या पत्नी को है, किसी तीसरे पक्ष को नहीं, याचिका खारिज

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हिंदू विवाह अधिनियम के प्रावधानों को स्पष्ट करते हुए कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत संपन्न विवाह को केवल इस आधार पर अमान्य घोषित नहीं किया जा सकता कि विवाह के समय दुल्हन नाबालिग थी। कोर्ट ने कहा कि दुल्हन की आयु से जुड़ा प्रावधान अधिनियम की उन धाराओं में शामिल नहीं है, जिनके उल्लंघन पर विवाह को स्वतः शून्य माना जाता है। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने विधवा के ससुराल वालों की याचिका खारिज कर दी।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने राजधारी और अन्य की प्रथम अपील खारिज करते हुए पारित किया। कोर्ट ने बताया कि अधिनियम की धारा 5(iii) में दूल्हे के लिए 21 वर्ष और दुल्हन के लिए 18 वर्ष की न्यूनतम आयु निर्धारित है। लेकिन धारा 11 में केवल धारा 5 के खंड (i), (iv) और (v) के उल्लंघन पर ही विवाह को अमान्य घोषित करने का प्रावधान है। विधानमंडल ने जानबूझकर धारा 5(iii) को धारा 11 में शामिल नहीं किया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि विवाह को अमान्य घोषित कराने का अधिकार केवल पति या पत्नी को है, न कि किसी तीसरे पक्ष को, जबकि वर्तमान मामले में याची मृतक सैन्य अधिकारी के माता-पिता थे, जिन्हें यह अधिकार प्राप्त नहीं है। मामला एक विधवा और उसके ससुराल वालों के बीच मृतक सैन्य अधिकारी के आश्रितों को मिलने वाले लाभों के अधिकार से जुड़ा है। मृतक की कथित पत्नी ने परिवार न्यायालय, आजमगढ़ में विवाह की घोषणा के लिए आवेदन किया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया था। इसके खिलाफ ससुराल वालों ने यह कहते हुए हाईकोर्ट का रुख किया कि विवाह के समय पत्नी नाबालिग थी, इसलिए विवाह अमान्य है। कोर्ट ने रिकॉर्ड पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर माना कि विवाह के समय पत्नी की आयु 18 वर्ष से लगभग दो माह कम थी, लेकिन यह तथ्य धारा 11 के तहत विवाह को अमान्य ठहराने का आधार नहीं बनाते। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि यह आपत्ति न तो पहले किसी कोर्ट के समक्ष उठाई गई थी और न ही परिवार न्यायालय में दाखिल लिखित बयान में इसका उल्लेख किया गया था।

यूट्यूबर बताकर भरण-पोषण याचिका खारिज करना अनुचित : हाईकोर्ट

- फैमिली कोर्ट बरेली से जुड़ा मामला
- बेंच ने कहा, बिना किसी ठोस मूल्यांकन के निष्कर्ष निकालना कानूनन टिकाऊ नहीं

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पत्नी के भरण-पोषण आवेदन को खारिज करने वाले परिवार न्यायालय, बरेली के आदेश को रद्द करते हुए स्पष्ट किया कि केवल अनुमान के आधार पर भरण पोषण याचिका खारिज नहीं की जा सकती है। बतौर यूट्यूबर 'रील्स' बनाने वाली पत्नी के लिए यह मान लेना कि वह स्वयं अपना भरण-पोषण करने में सक्षम है, विधिसंगत नहीं है। बिना किसी ठोस मूल्यांकन के पत्नी की आय के संबंध में निष्कर्ष निकालना कानून की दृष्टि में टिकाऊ नहीं है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति हरवीर सिंह की एकलपीठ ने फरहा नाज़ की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार करते हुए पारित किया। कोर्ट ने मामले के तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष दिया कि जब तक परिवार न्यायालय पक्षकारों की आय का निर्धारण आयकर रिटर्न, वेतन पर्ची अथवा अन्य विश्वसनीय दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर नहीं करता, तब तक भरण-पोषण याचिका पर निर्णय नहीं दिया जा सकता। वर्तमान मामला बरेली के परिवार न्यायालय से जुड़ा है। जहां पत्नी की भरण-पोषण याचिका इस आधार पर खारिज कर दी गई थी कि वह यूट्यूबर है और स्व-रोजगार में है। कोर्ट में पत्नी की ओर से तर्क दिया गया कि परिवार न्यायालय ने केवल अनुमान के आधार पर यह मान लिया कि 'रील्स' से उसे आय हो रही है, जबकि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि वास्तव में उसकी कितनी कमाई है। यह भी बताया गया कि पति बरेली नगर पालिका में तृतीय श्रेणी का नियमित कर्मचारी है और उसकी आय निश्चित है। वहीं पति की ओर से तर्क दिया गया कि पत्नी योग्य है और स्वयं कमाने में सक्षम है। दोनों पक्षों के तर्कों पर विचार करते हुए कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के रजनेश बनाम नेहा मामले का हवाला देते हुए कहा कि भरण- पोषण तय करने से पहले दोनों पक्षों की आय से संबंधित समुचित सामग्री रिकॉर्ड पर लाई जानी चाहिए थी, जो वर्तमान मामले में निचली अदालत के समक्ष प्रस्तुत नहीं किए गए। कोर्ट ने पुनरीक्षण याचिका स्वीकार करते हुए परिवार न्यायालय का आदेश निरस्त कर दिया और मामले को पुन: उसी कोर्ट को भेजते हुए निर्देश दिया कि आवश्यक दस्तावेज मंगाकर कानून के अनुसार नया आदेश पारित किया जाए।

पुराने विवाद में मारपीट कई घायल, छात्रों का प्रदर्शन

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार: पड़रौना कोतवाली क्षेत्र के बबुईया हरपुर के खाखर में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प के बाद मामला तनावपूर्ण हो गया। शनिवार को हुए इस विवाद में प्रधानाचार्य और एक छात्र सहित कई लोग घायल हो गए। घटना के विरोध में रविवार को स्कूल के छात्रों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया।

पीड़ित परिजनों की तहरीर के अनुसार, यह घटना बद्ध उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय में हुई। शनिवार सुबह करीब 10 बजे खांखर टोला निवासी 12 नामजद और दो अज्ञात ने लाठी-डंडों से लैस होकर विद्यालय में मारपीट की।प्रधानाचार्य छोटेलाल को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें गोरखपुर मेडिकल कॉलेज से पीजीआई रेफर किया गया है। प्रबंधक संदे, छात्र संदीप पासी गांव की सुनीता देवी, मंदेश, अनिल उमेश आदि घायलों हैं। सभी का इलाज जिला अस्पताल रविन्द्रनगर, पडरौना में जारी है। हमले के विरोध में रविवार को बद्ध उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के छात्र सड़कों पर उतर आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत कराया, तहरीर के आधार पर 12 नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

छपरा-झूसी-छपरा माघ मेला आरक्षित विशेष गाड़ी का संचालन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में लगने वाले माघ मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए 05005/05006 छपरा-झूसी-छपरा माघ मेला आरक्षित विशेष गाड़ी का संचालन छपरा से 01, 02, 03, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 21, 22, 23, 30, 31 जनवरी, 01, 13, 14 एवं 15 फरवरी, 2025 को तथा झूसी से 02, 03, 04, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 22, 23, 24, 31 जनवरी, 01, 02, 14, 15 एवं 16 फरवरी, 2025 को किया जायेगा। इस गाड़ी में जेनरेटर सह लगेजयान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. के 01, शयनयान श्रेणी के 06 तथा वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 07 कोचों सहित कुल 15 कोच लगाये जायेंगे। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

श्रीराम मंदिर में स्थापित हुआ कलश

- श्री रामलला के 77वें प्राकट्य उत्सव पर क्रॉसिंग नंबर तीन से निकाली गई यात्रा

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में विराजमान प्रभु श्रीरामलला के तीन दिवसीय 77 वें प्राकट्य महोत्सव रविवार को कलश स्थापना के साथ शुरू हुआ। कड़ी सुरक्षा के बीच श्रीराम जन्मभूमि सेवा समिति के द्वारा राम मंदिर में कलश स्थापना के लिए क्रॉसिंग नंबर तीन से बैंड बाजा के साथ कलश यात्रा निकाल कर जन्मभूमि पथ के रास्ते राम मंदिर परिसर पहुंचे। जहां क्रॉसिंग नंबर एक पर मंत्रोच्चारण के बीच रामलला के अर्चक को सौंपा गया। समिति के मुताबिक राम मंदिर में कलश का पूजन अर्चन कर गर्भगृह में स्थापित किया गया। जहां वेद साहिताओं का पाठ और रामार्चा पाठ वेद पाठी अर्चकों द्वारा संपन्न हुआ।

गर्भगृह में स्थापित हुआ कलश।

समिति के महासचिव अच्युत शंकर शुक्ला ने बताया कि गर्भगृह में कलश स्थापना के बाद तृतीय दिवस पर 23 दिसंबर को पूजित कलश के साथ विशाल शोभा यात्रा निकाली जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि संपर्क मार्ग क्षीरेश्वर नाथ मंदिर से प्रारम्भ होकर श्रीराम जन्मभूमि के चुतर्दिश मार्ग रामकोट की परिक्रमा की जाएगी। जिसमे श्री हनुमानगढ़ी का निशान, श्री राम स्वरूप की झांकी, बैंड बाजा के साथ सांस्कृतिक झांकिया भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहेगी। इस मौके पर इस दौरान समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष महंत धर्मदास, उपाध्यक्ष महंत सत्येंद्र दास वेदांती, महंत जयराम दास, महंत वरुण दास सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पहली बार फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया फूडग्रेन फ्रेट रेक अनंतनाग पहुंची

नई दिल्ली, अमृत विचार। जम्मू और कश्मीर की लॉजिस्टिक्स और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित पहली फूडग्रेन फ्रेट रेक का आज अनंतनाग गुड्स टर्मिनल पर आगमन हुआ है। यह मालगाड़ी, पंजाब के अजीतवाल स्टेशन से चली थी, इसमें 21 BCN वैगनों में लगभग 1,384 टन ज़रूरी अनाज लदा हुआ है। यह लगभग 11:30 बजे अनंतनाग में अपने गंतव्य पर पहुंची। यह यात्रा कश्मीर घाटी में रेल द्वारा सीधे प्रायोजित अनाज परिवहन की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक है।

चेयरमैन के घर से लाखों का माल ले गए चोर

- पति के साथ इलाज के सिलसिले में लखनऊ गईं थी अध्यक्ष डुमरियागंज शाजिया अतीक

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। नगर पंचायत अध्यक्ष डुमरियागंज के घर में ताला तोड़कर चोरों ने लाखों के जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गये। वहीं चोरों की पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। खास बात यह रही कि चोर सीसीटीवी का डीवीआर ले जाने की योजना बनाकर आये थे। लेकिन जल्दबाजी और अंधेरे में चोर डीवीआर की जगह इन्टरनेट राउटर उठा ले गये। इसी गलती के चलते चोरी की पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई। जो अब पुलिस के लिए अहम पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई। घटना डुमरियागंज थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या-15, गांधी नगर की है। नगर पंचायत डुमरियागंज की अध्यक्ष शाजिया अतीक अपने पति अतीकुर्रहमान के साथ इलाज के सिलसिले में लखनऊ गई हुई थीं। घर कई दिनों से बंद था। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने शनिवार देर रात वारदात को अंजाम दिया। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक चोरों ने सबसे पहले मुख्य गेट का ताला तोड़ा और घर के अन्दर दाखिल हुए। इसके बाद वे बेखौफ होकर घर के भीतर घूमते नजर आये। चोरों ने एक-एक कर तीन कमरों के ताले तोड़े और फिर चार अलमारियों के लॉक तोड़कर उन्हें खंगाल डाला। अलमारियों में रखी करीब 2 लाख 50 हजार रुपए नकद और लगभग 13 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात चोर समेट ले गये। चोरों को आशंका थी कि सीसीटीवी में उनकी पहचान कैद हो सकती है। इसी वजह से चोर डीवीआर अपने साथ ले जाने की तैयारी में आये थे। हालांकि अन्धेरे और जल्दबाजी में वे डीवीआर की जगह इन्टरनेट राउटर उठा ले गये। राउटर हटते ही इन्टरनेट कनेक्शन बाधित हो गया। लेकिन डीवीआर सुरक्षित रहा और पूरी वारदात रिकॉर्ड होती रही। सुबह जब पड़ोसियों ने घर का मुख्य गेट और कमरों के ताले टूटे देखे, तो उन्होंने तुरन्त पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची डुमरियागंज पुलिस ने जांच शुरू की। कुछ देर बाद फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और घर के अन्दर व बाहर से साक्ष्य जुटाए। फिंगरप्रिन्ट, फुटप्रिन्ट और अन्य तकनीकी सबूतों के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज की भी गहन जांच की जा रही है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस रात्रि गश्त के दावे तो करती है, लेकिन नगर पंचायत अध्यक्ष के घर इतनी बड़ी चोरी हो जाना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। लोगों का कहना है कि जब जनप्रतिनिधि का घर सुरक्षित नहीं है, तो आम नागरिक खुद को कैसे सुरक्षित महसूस करें।

गरीबों व विकलांगों को वितरित किए कंबल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विधानसभा शोहरतगढ़ के विकास खण्ड नौगढ़ अन्तर्गत थाना क्षेत्र चिल्हियां के शाहा करौंदा चौराहे पर रविवार को गरीब कल्याण संस्था के तत्वावधान में संस्था द्वारा गरीब, लाचार, जरूरतमन्द, असहाय, विकलांगों तथा माता-पिता तुल्य बुजुर्ग पुरुषों व महिलाओं में रमेश चौहान के अध्यक्षता में सैकड़ों गरीबों में निःशुल्क कम्बल वितरण किया गया। जिसके मुख्य अतिथि के रूप में संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल यादव रहे। मंच संचालाक विधानसभा अध्यक्ष गौरव कुमार राजन विशिष्ट अतिथि के रुप उपस्थित रहे।

संडेज ऑन साइकिल का हुआ आयोजन

- फिट इंडिया अभियान के तहत पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ ने कराया आयोजन

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार। फिट इंडिया अभियान को गति प्रदान करने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ नरसा के तत्त्वावधान में रविवार को सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में 'संडेज ऑन साइकिल' का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज का संदेश दिया गया।

साइक्लोथॉन का शुभारम्भ उपाध्यक्ष/नरसा विजय कुमार एवं महासचिव/नरसा पंकज कुमार सिंह की उपस्थिति में एथलेटिक्स कोच विनोद कुमार सिंह से हरी झंडी दिखाकर किया। इस साइक्लोथॉन में लगभग 05 किमी. की दूरी तय की गई, जो रेलवे स्टेडियम से प्रारम्भ होकर मोहद्दीपुर,पैडलेगंज, रामगढ़ताल के किनारे सर्कुलर रोड, आर.के.बी.के., महाप्रबन्धक कार्यालय होते हुये पुनः रेलवे स्टेडियम में पहुंचकर समाप्त हुआ। इस आयोजन में मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर रोशन लाल यादव तथा सहायक क्रीड़ाधिकारी चन्द्र विजय सिंह सहित राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कोच, खिलाड़ी, स्थानीय खिलाड़ी तथा कर्मचारियों ने भाग लिया साथ ही फिटनेस को लेकर एक अच्छा संदेश दिया गया। इस अवसर पर महासचिव/नरसा पंकज कुमार सिंह ने कहा कि फिट इंडिया अभियान को गति प्रदान करने के उद्देश्य से 'संडेज ऑन साइकिल' एक वर्ष पूर्व शुरू किया गया था, इसके एक वर्ष पूर्ण होने पर यह आयोजन किया गया। इस अभियान का आयोजन कर'फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज'' का संदेश देने का कार्य किया गया। श्री सिंह ने कहा कि आज के समय में फिटनेस सबसे बड़ी चुनौती है, जो नियमित रूप से साइकिल चलाकर पाया जा सकता है। नियमित रूप से साइकिल चलाकर हम अपने फिटनेस को बनाये रख सकते हैं। सहायक क्रीड़ाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने इस साइक्लोथॉन में अधिक से अधिक खिलाड़ियों को भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

पिता ने 3 बच्चों को विषाक्त पदार्थ खिलाकर खुद भी किया सेवन, चारों मेडिकल कॉलेज में भर्ती

देवरिया, एजेंसी। देवरिया जिले के भाटपार रानी क्षेत्र में रविवार को एक पिता ने पारिवारिक कलह में अपने तीन बच्चों को जहरीला पदार्थ पिलाने के बाद खुद भी जहरीला पदार्थ पी लिया। चारों को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया है।

पुलिस ने यहां बताया कि भाटपार रानी क्षेत्र के ग्राम भरौली निवासी रानू गोड़ परिवार सहित रहते हैं। रविवार को उसने पारिवारिक कलह के कारण चाय में जहरीला पदार्थ मिलाकर अपने तीनों बच्चों श्याम(4), माधुरी(3) और सुंदर(2) को पिला दिया। इसके बाद उसने खुद भी वही जहरीली चाय पी ली। उन्होंने बताया कि आनन-फानन में चारों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। चारों की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। जहां उनका उपचार जारी है। चारों की हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शराब के नशे में धुत पिता ने ली बेटे की जान

भदोही, एजेंसी। जिले के सुरियावां क्षेत्र में रविवार की अलसुबह शराब के नशे में धुत पिता ने चार वर्षीय बेटे की जान ले ली। पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के गुवाली गांव में शराब के नशे में धुत पिता ने अपने ही मासूम बेटे की जान ले ली। जानकारी के अनुसार रविवार को तड़के गुवाली गांव निवासी रामजी वनवासी शराब के नशे में पत्नी और परिवार से बाद विवाद करने लगा। गुस्से में आकर उसने अपने ही पुत्र विकास (4) को उठाकर जमीन पर पटक दिया। गंभीर चोट लगने से मासूम को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान रविवार की दोपहर में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया।

डीडीसी क्रिकेट क्लब ने कराया टूर्नामेंट

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। तहसील शोहरतगढ़ अन्तर्गत विकास खण्ड बढ़नी के ग्राम पंचायत झरुआ में रविवार को ग्राउण्ड पर झरुआ बनाम हलोरा के बीच मैच खेला गया। जिसमें झरुआ बनाम हलोरा क्रिकेट क्लब टीम ने झरुआ क्रिकेट टीम को 4 रन से जीत हासिल किया। बता दें कि डीडीसी क्रिकेट क्लब धन्धरी कलां द्वारा कराया जा रहा टूर्नामेन्ट में झरुआ क्रिकेट टीम ने 8 ओवरों में 4 रन से जीत हासिल कर 87 रनों का योगदान दिया। जबकि हलोरा क्रिकेट टीम में 8 ओवरों में 83 रन ही बना पायीं।

ठंड में भी नहीं जल रहे पर्याप्त अलाव

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। विगत तीन दिनों से भीषण ठंड के कारण आम जनजीवन जहां अस्त व्यस्त होकर रह गया है वही पशु पक्षियों के लिए भी यह ठंड काफी बेहाल कर रखा है। जनपद मुख्यालय पर तो नगर पालिका द्वारा कहीं भी अलाव जलाने की व्यवस्था न होने के कारण खासकर मजदूरों में काफी आक्रोश व्याप्त है जहां एक तरफ इस भीषण ठंड के कारण उनके सामने रोजी-रोटी का प्रश्न खड़ा हो गया है वही रैन बसेरे का व्यवस्था न होने के कारण आम जन जीवन बेहाल नजर आ रहा है। सुबह से ही लोग घरों में ठंड के कारण कैद हो गए हैं और सड़क पूरी तरह से सुनीं दिखाई दे रही हैं। इस भीषण ठंड में स्कूल में आने जाने वाले बच्चों के लिए भी भारी कठिनाई हो रही है जहां सड़कों पर अलग- अलग स्थानो पर अलाव जलाना चाहिए वहां कागजों में अलाव जल रहे हैं । मौके पर ना तो स्टेशन ना मुख्य चौराहा और ना ही रोडवेज एवं सार्वजनिक स्थानों पर भी अलाव नहीं जल रहे हैं। कुल मिलाकर इस भीषण ठंड ने आम जनजीवन को अस्त्र-ग्रस्त कर रखा है साथ ही मजदूरों के सामने रोजी-रोटी का प्रश्न भी खड़ा हो गया है।

ठंड को देखते हुए एसडीएम व तहसीलदार ने भ्रमण कर अलाव जलने का लिया जायजा

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। बढ़ती कड़ाके की ठण्ड और शीतलहर को देखते हुए उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ विवेकानन्द मिश्रा व तहसीलदार प्रकाश सिंह द्वारा तहसील शोहरतगढ़ के आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़.सहित तमाम चौराहों पर अलाव जलनें का निरीक्षण किया। बता दें कि शुक्रवार रात एसडीएम विवेकानन्द मिश्रा ने नगर पंचायत शोहरतगढ़.तिरंगा तिराहा व तहसीलदार प्रकाश सिंह ने ढेबरुआ तिराहे, तुलसियापर चौराहे सहित तहसील क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रैन बसेरों की व्यवस्थाओं को परखा और प्रमुख चौराहों पर जल रहे अलाव की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये कि रैन बसेरों में साफ-सुथरे बिस्तर, गद्दे और कम्बलों की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे। ठण्ड से बचाव के लिए कमरों में उचित प्रबन्ध हों। साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जायें ताकि बाहर से आने वाले लोगों को कोई असुविधा न हो। रैन बसेरों के बाद अधिकारियों ने तहसील के मुख्य चौराहों और सार्वजनिक स्थानों का भ्रमण किया। उन्होंने देखा कि ठण्ड से राहत के लिए किन-किन स्थानों पर नगर पंचायत द्वारा अलाव जलवायें गये हैं।

खेलकूद

राष्ट्रीय विद्यालयीय अंडर-17 खो-खो प्रतियोगिता : अर्जुन अवार्डी सारिका व गोसाईंगंज विधायक अभय सिंह ने खिलाड़ियों का बढ़ाया मनोबल

उप्र, उड़ीसा, आन्ध्र, मणिपुर, हिमाचल व पश्चिम बंगाल ने जीते मैच

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: राष्ट्रीय विद्यालयीय अंडर-17 खो-खो प्रतियोगिता के बालक व बालिका वर्ग में रविवार को लीग मुकाबले खेले गए। डॉ. आंबेडकर राज्य विद्यालयीय क्रीड़ा संस्थान स्टेडियम व जीआईसी मैदान पर हो रहे प्रतियोगिता के लीग मैचों में उप्र, उड़ीसा, आन्ध्र, मणिपुर, हिमाचल व पश्चिम बंगाल टीमों ने जीत दर्ज कर पूल में अपनी स्थित मजबूत कर ली है। प्रतियोगिता के दूसरे दिन रविवार को मुख्य अतिथि गोसाईंगंज विधायक अभय सिंह व अर्जुन अवार्ड से विभूषित अंतरराष्ट्रीय खो-खो खिलाड़ी सारिका काले ने प्रतियोगिता की प्रतिभागी टीमों से परिचय प्राप्त कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता में हुए बालक वर्ग के लीग मुकाबलों में उड़ीसा ने हिमाचल प्रदेश को 12-8 से, उत्तर प्रदेश ने मध्य प्रदेश को 14-9 से, पश्चिम बंगाल ने जम्मू-कश्मीर को 16-5 से, दिल्ली ने मध्य प्रदेश को 21-11 से, पंजाब ने केवीएस को 15-10 से, राजस्थान ने एनवीएस को 15-10 से पराजित किया। बिहार ने त्रिपुरा को 9-8 से, हिमाचल ने सीबीएसई को 17-0 से, गुजरात ने आंध्र प्रदेश को 10-6 से, हिमाचल ने बिहार को 12-5 से, उड़ीसा ने त्रिपुरा को 20-5 से, मणिपुर ने झारखंड को 12-10 से, आंध्र प्रदेश ने विद्याभारती को 6-7 से, छत्तीसगढ़ ने झारखंड को 17-14 से, मणिपुर ने पुड्डुचेरी को 12-11 से, तमिलनाडु ने हरियाणा को 16-15 से, केरल ने सीआइएससीई को 10-7 से, बिहार ने सीबीएसई को 8-2 से गुजरात ने राजस्थान को 15-8 से पराजित कर पूल में अपनी स्थित मजबूत की।

खो-खो प्रतियोगिता के बालक लीग मुकाबले में टीम को चेज करता खिलाड़ी।

बालिका वर्ग के मुकाबलों में उत्तर प्रदेश ने अरुणाचल प्रदेश को 14-2 से, मणिपुर ने असम को 8-6 से, उड़ीसा ने दादर नगर हवेली को 22-0 से, हरियाणा ने अरुणाचल प्रदेश को 13-5 से, महाराष्ट्र ने राजस्थान को 13-8 से, उड़ीसा ने सीआईएससीई को 16-2 से, उत्तराखंड ने चंडीगढ़ को 9-6 से, गुजरात ने पुड्डुचेरी को 5-8 से, केरल ने आंध्र प्रदेश को 5-2 से, सीबीएसई ने त्रिपुरा को 10-6 से, बिहार ने मध्य प्रदेश को 11-7 से, हिमाचल प्रदेश ने तेलंगाना को 7-6 से, नवोदय विद्यालय संगठन ने दादर नगर हवेली को 22-0 से पश्चिम बंगाल ने विद्याभारती को 13-9 से पराजित कर अपने पूल में स्थित मजबूत किया।

इस मौके पर प्रतियोगिता आयोजन सचिव संयुक्त शिक्षा निदेशक योगेन्द्र कुमार सिंह, मंडलीय क्रीड़ा सचिव धर्मेन्द्र सिंह, जिला सचिव अभिषेक सिंह, बिजेन्द्र सिंह सहित शिक्षक, खिलाड़ी, प्रशिक्षक, ऑफीसियल आदि मौजूद रहे।

अयोध्या में मिली अधजली लाश बाराबंकी के तारिक की निकली

पटरंगा, अयोध्या

अमृत विचार : पटरंगा थाना क्षेत्र के मुरादाबाद गांव के बाहर मिले अधजले अज्ञात शव की पहचान हो गई है। हत्या कर फेंका गया शव बाराबंकी की टिकैतनगर के खजुरी गांव के रहने वाले निशक्त मो. तारिक(25) का निकला। शव की पहचान होने के बाद पटरंगा पुलिस हत्या आरोपियों की धर पकड़ के लिए मृतक के फोन की कॉल डिटेल एवं स्थानीय सीसीटीवी फुटेज की मदद से जगह-जगह पटरंगा छापा मार रही है।

पटरंगा थाना क्षेत्र के मुरादाबाद गांव के समीप शनिवार सुबह एक अधजला शव मिला था। एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी, सीओ रुदौली आशीष निगम ने जांच की लेकिन पहचान न होने से तफ्तीश आगे नहीं बढ़ पाई। काफी मशक्कत के बाद शनिवार देर शाम को मृतक की पहचान हुई। मौके पर मृतक का जला मोबाइल फोन, कृत्रिम पैर, घड़ी, मफलर और तीन लाइटर मिले थे। परिजनों का कहना है कि बेटे का किसी से कोई झगड़ा नहीं था। कुछ दिन पहले ही उसके पैर का ऑपरेशन हुआ था। जिसमें एक पैर आधा कट गया था। बताया कि शुक्रवार रात को लगभग 12 बजे बाइक से कुछ अज्ञात लोग आए और तारिक को साथ लेकर चले गए। हम लोगों ने सोचा कि कोई जानने पहचानने वाले होंगे और किसी काम से लेकर गए होंगे।

न्यूज ब्रीफ

यात्री से मारपीट मामले में पायलट को नोटिस

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक्सप्रेस शुक्रवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर उसके एक कैप्टन द्वारा एक यात्री पर कथित रूप से हमला किए जाने की घटना की जांच के लिए अगले सप्ताह एक बाहरी समिति का गठन करेगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। घटना के समय उक्त कैप्टन ड्यूटी पर नहीं थे। सूत्रों ने बताया कि घटना के तुरंत बाद टाटा समूह की इस एयरलाइन ने पायलट को निलंबित कर दिया और उनसे स्पष्टीकरण मांगते हुए एक कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। पायलट श्रमिक श्रेणी में आते हैं, इसलिए यह कार्यवाही श्रम कानूनों के तहत की जा रही है।

ईरानी महिला के चुराए 1600 अमेरिकी डॉलर

नई दिल्ली। ईरानी महिला के पर्स से 1600 अमेरिकी डॉलर चुराने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने एक निजी बस में सहायक के तौर पर तैनात व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास से चोरी की रकम बरामद कर ली गयी है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि महिला अपना पर्स आईएसबीटी कश्मीरी गेट पर एक निजी बस में भूल गई थी। पुलिस ने बताया कि घटना 15 दिसंबर की है।

तेंदुए के हमले में पांच वर्षीय बच्चे की मौत

अमरेली। गुजरात के अमरेली जिले में रविवार सुबह एक तेंदुए ने एक खेती मजदूर के पांच वर्षीय बेटे पर हमला कर उसे मार डाला। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि धारी कस्बे के गोपालग्राम गांव में बच्चे पर हमला करने वाले तेंदुए को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। सहायक वन संरक्षक प्रताप चंदू ने बताया कि सुबह करीब नौ बजे एक बच्चा अपनी मां के पीछे-पीछे चल रहा था कि तभी खेत में छिपकर बैठे तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया और उसे घसीटते हुए ले गया।

यात्री से दुर्व्यवहार में कैब चालक गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम में एक कैब चालक को वाहन में एक महिला यात्री के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद गुरुग्राम पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के वाहन को भी जब्त कर लिया है।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने को इन स्पेस ने की पहल, विद्यार्थियों को मिलेगा व्यावहारिक प्रशिक्षण और प्रत्यक्ष अनुभव

देश के सात शिक्षण संस्थानों में स्थापित की जाएंगी अंतरिक्ष प्रयोगशाला

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के संवर्धक भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) ने देशभर के सात शैक्षणिक संस्थानों में अंतरिक्ष प्रयोगशाला स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है।

इन-स्पेस के अनुसार, अंतरिक्ष प्रयोगशाला अपनी तरह की पहली पहल है, जिसका उद्देश्य भारतीय शैक्षणिक संस्थानों में अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रयोगशालाएं स्थापित करना है ताकि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से जुड़े पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण और प्रत्यक्ष अनुभव मिल सके।

● देश में अंतरिक्ष प्रयोगशाला की स्थापना की पहली बार पहल

इन-स्पेस ने भारत के चुनिंदा शैक्षणिक संस्थानों में अंतरिक्ष प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए प्रस्ताव आमंत्रण (आरएफपी) जारी किया है। देश के कई उच्च शिक्षण संस्थानों में पहले ही अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू किए जा चुके हैं और ऐसी प्रयोगशालाएं छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के साथ-साथ देश में उभर रहे निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करने में मदद करेंगी।

इन-स्पेस के संवर्धन निदेशालय के निदेशक विनोद कुमार ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सार्थक सहयोग को बढ़ावा देना और भारत के अग्रणी वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था बनने के दीर्घकालिक लक्ष्य का समर्थन करना है।

योजना के तहत देश के सात अलग-अलग क्षेत्रों से चरणबद्ध तरीके से अधिकतम सात शैक्षणिक संस्थानों का चयन किया जाएगा। इन-स्पेस परियोजना की कुल लागत का अधिकतम 75 प्रतिशत तक वित्तीय सहयोग देगा, जिसकी सीमा प्रति संस्थान पांच करोड़ रुपये होगी। यह राशि परियोजना के विभिन्न चरणों और लक्ष्यों से जुड़ी प्रगति के आधार पर जारी की जाएगी। इन-स्पेस द्वारा जारी आरएफपी के अनुसार, कम से कम पांच वर्ष पुराने, राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में 200 के भीतर रैंक वाले और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से संबंधित पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थान इस योजना के तहत आवेदन करने के पात्र होंगे।

दिगांतारा करेगा अंतरिक्ष से मिसाइलों की निगरानी

नई दिल्ली। अंतरिक्ष क्षेत्र में सक्रिय भारतीय स्टार्टअप कंपनी दिगांतारा ने उपग्रहों के जरिए मिसाइलों का पता लगाने और उनकी निगरानी करने के क्षेत्र में कदम रखा है। अंतरिक्ष मलबे और अंतरिक्ष यातायात की निगरानी वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभरी है। कंपनियां उच्च गति वाले इंटरनेट और पृथ्वी अवलोकन अनुप्रयोगों के लिए पृथ्वी की निचली कक्षा में अधिक उपग्रहों का प्रक्षेपण कर रही हैं। दिगांतारा इंडस्ट्रीज के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनिरुद्ध शर्मा ने कहा कि हम अंतरिक्ष में तेजी से गतिमान वस्तुओं पर नजर रख रहे थे। इसी अनुभव और सीख का उपयोग हम मिसाइलों का पता लगाने और अंतरिक्ष से उनकी निगरानी के लिए करने वाले हैं।

जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास को बढ़ावा देंगी

निदेशक ने कहा कि छात्रों, शोधकर्ताओं और उद्योग के लिए साझा कार्यस्थल उपलब्ध कराकर ये प्रयोगशालाएं अनुप्रयुक्त अनुसंधान, प्रारंभिक चरण के नवाचार और उद्योग की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास को बढ़ावा देंगी। इन संस्थानों से प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाओं के लिए उद्योग जगत के सहयोग को भी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में लगभग आठ अरब अमेरिकी डॉलर की भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के 2033 तक बढ़कर 44 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। इस तेज वृद्धि को बनाए रखने के लिए बड़े पैमाने पर प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता होगी।

सार्वजनिक उपक्रमों, बैंकों के कर्मचारी बने सूक्ष्म पर्यवेक्षक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल ने केंद्रीय सरकारी एजेंसियों और राष्ट्रीयकृत बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ उच्च स्तरीय समन्वय बैठक की, ताकि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की सुनवाई के दौरान सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की तैनाती की जा सके। सीईओ कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी चर्चा के दौरान उपस्थित थे।

अधिकारियों के अनुसार, सभी 16 प्रतिभागी एजेंसियों एवं बैंकों ने इस अभ्यास के लिए अपने अधिकारियों को भेजने की इच्छा व्यक्त की है। एजेंसियों से रविवार तक मनोनीत अधिकारियों के नाम जमा करने की अपेक्षा है, जिसके बाद सोमवार को नियुक्ति पत्र जारी होंगे। चयनित अधिकारियों को बुधवार को प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होना होगा। चुनाव आयोग राज्य में 3,500 सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की तैनाती करेगा।

पड़ोसी देशों से हथियार लेने की फिराक में था पीएफआई

एनआईए की अदालत में 20 आरोपियों के खिलाफ हुई सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने दिल्ली की अदालत को बताया कि पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पड़ोसी देशों से हथियार खरीदने और अपने सदस्यों को हथियार प्रशिक्षण देने की कोशिश कर रहा था। एजेंसी के एक विशेष लोक अभियोजक ने यह जानकारी दी। ये दलीलें एनआईए के विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा के समक्ष पेश की गईं।

शर्मा पीएफआई के 20 आरोपी नेताओं के खिलाफ आरोपों पर दलीलें सुन रहे थे। मीडियाकर्मियों को बंद कमरे में हुई अदालती कार्यवाही को कवर करने की अनुमति नहीं थी। एनआईए के विशेष लोक अभियोजक राहुल त्यागी ने अदालत के बाहर पत्रकारों से कहा कि उन्होंने अदालत के समक्ष यह तर्क दिया कि पीएफआई नेता पड़ोसी देशों से हथियार खरीदने और अपने सदस्यों को हथियार प्रशिक्षण देने की कोशिश कर रहे थे।

● एनआईए ने कहा- पीएफआई अपने सदस्यों को देना चाहता था हथियारों का प्रशिक्षण

पीएफआई नेताओं पर लगे आरोपों पर त्यागी ने कहा कि वे अपने कार्यकर्ताओं को आईएसआईएस से रणनीति सीखने के लिए सीरिया भेज रहे थे ताकि इन्हें भारत में लागू किया जा सके। उन्होंने विशेष दस्ते बनाये थे जो भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) नेताओं की सूची तैयार रखते थे और उन पर नजर रखते थे।

अभियोजक ने आरोप लगाया कि इस समूह का गठन युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के मकसद से किया गया था। त्यागी ने कहा कि पीएफआई और उसके नेतृत्व के खिलाफ मामला यह है कि उन्होंने भारत में खिलाफत स्थापित करने और शरिया कानून लागू करने के उद्देश्य से मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के लिए संगठन का गठन किया। अभियोजक ने कहा कि वे शिविर आयोजित कर रहे थे, उन्हें हथियार चलाने का प्रशिक्षण दे रहे थे, उन्हें कट्टरपंथी बना रहे थे और भारत के खिलाफ जिहाद छेड़ने के लिए उन्हें प्रशिक्षित कर रहे थे, जिसके लिए वे धन इकट्ठा कर रहे थे। अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए 23 दिसंबर की तारीख तय की है।

असम : ट्रेन से मरने वाले हाथियों की संख्या हुई 8

नगांव। असम के होजाई जिले में ट्रेन से मरने वाले हाथियों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि हाथी के गंभीर रूप से घायल बच्चे की रविवार को मौत होने से इस हादसे में मरने वाले हाथियों की संख्या आठ हो गई है। असम में होजाई जिले के चांगजुराई गांव में शनिवार तड़के हाथियों के झुंड के सैरांग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से सात हाथी मारे गए थे और एक घायल हो गया था।

नगांव उपमंडल के वन रेंजर शमीम अख्तर ने कहा कि इस दुर्घटना में हाथी के घायल हुए बच्चे की काजीरंगा स्थित वन्यजीव पुनर्वास एवं संरक्षण केंद्र में इलाज के दौरान आज सुबह मौत हो गई। हादसे में मौके पर मारे गए सातों हाथियों के शवों को पोस्टमॉर्टम के बाद शनिवार को दुर्घटनास्थल के पास ही दफना दिया गया। वहीं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने रविवार को कहा कि केंद्र ने असम में ट्रेन से सात हाथियों की मौत के मामले में रिपोर्ट मांगी है। यादव ने कहा कि सभी राज्यों को रेल पटरियों के किनारे हाथियों की आवाजाही पर नजर रखने को कहा गया है।

खराब मौसम के कारण श्रीनगर हवाई अड्डे पर 11 उड़ानें रद्द

श्रीनगर, एजेंसी

कश्मीर घाटी के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश के कारण रविवार को श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 11 उड़ानें रद्द कर दी गईं। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के एक अधिकारी ने बताया कि खराब मौसम के कारण आज श्रीनगर हवाई अड्डे पर 11 उड़ानों को रद्द करना पड़ा।

इसके अलावा जम्मू और दिल्ली हवाई अड्डों पर खराब मौसम की स्थिति के कारण श्रीनगर आने वाली दो अन्य उड़ानें भी रद्द रहीं। अधिकारी के अनुसार, घाटी के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में मध्यम बारिश की वजह से यह स्थिति पैदा हुई है। उन्होंने बताया कि चार उड़ानें रवानगी के लिए श्रीनगर हवाई अड्डे के एप्रन (विमान खड़े करने की जगह) पर इंतजार कर रही थीं, जबकि दो उड़ानें दिन में बाद में पहुंचने वाली थीं। विमानपत्तन प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि हवाई अड्डे पर उड़ानों का पुनः संचालन पूरी तरह से मौसम में सुधार पर निर्भर करेगा।

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में बर्फबारी के बाद सड़क पर रेंगते चले वाहन।

दिल्ली में हालत गंभीर, एक्यूआई 377 के पार

नई दिल्ली। दिल्ली में रविवार सुबह वायु गुणवत्ता अत्यंत खराब श्रेणी में रही और समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 377 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार, शहर के 40 केंद्रों में से 16 ने गंभीर, जबकि शेष ने बहुत खराब बताया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि हल्के कोहरे से दृश्यता बढ़कर 600 मीटर हो गई लेकिन पूर्व-दक्षिणपूर्वी दिशा से सात किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के कारण फिर से 350 मीटर तक गिर गई। मौसम विभाग के मुताबिक, सफदरजंग में देर रात डेढ़ बजे से ढाई बजे के बीच मध्यम कोहरे से दृश्यता सबसे कम 200 मीटर तक गिर गई। सुबह साढ़े पांच बजे तक यह धीरे-धीरे बढ़कर 500 मीटर तक पहुंच गई। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री अधिक 9 .4 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि अधिकतम तापमान 18 .1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ट्रंप, अडाणी के लिए जल्दबाजी में पारित हुआ शांति विधेयक : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने शांति विधेयक को लेकर रविवार को मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इसे संसद में न केवल ट्रंप, बल्कि अडाणी के लिए जल्दबाजी में पारित कराया गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया है कि निजी कंपनियों को इस क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति मिलने के बाद अडाणी समूह परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में कदम रखने की योजना बना रहा है।

शुक्रवार को संपन्न हुए संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान दोनों सदनों द्वारा भारत के रूपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025 को मंजूरी दी गई। रमेश ने दावा किया कि शांति विधेयक को संसद में न केवल ट्रंप (द रिएक्टर यूज मैनेजमेंट प्रोग्राम) के लिए, बल्कि अडाणी (एक्सेलेरेटेड डेमेजिंग अधिनियम फोर न्यूक्लियर इंडिया) के लिए जल्दबाजी में पारित कराया गया। कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एक वार्षिक रक्षा नीति विधेयक पर हस्ताक्षर किए जाने का हवाला देते हुए शनिवार को दावा किया था कि शांति विधेयक का मकसद मोदी और ट्रंप के बीच शांति बहाल करना था।

● कांग्रेस ने विधेयक को लेकर मोदी सरकार पर साधा निशाना

संघ सांख्यिकी संस्थानों पर कर रहा कब्जा : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय सांख्यिकी संस्थान को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा धीरे-धीरे संस्थागत रूप से अपने कब्जे में लिया जा रहा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने जोर देकर कहा कि संस्थानों का संचालन किसी विचारधारा द्वारा नहीं, बल्कि ज्ञान और विज्ञान द्वारा किया जाएगा। राहुल गांधी ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान संसद भवन परिसर में स्थित अपने कार्यालय में, भारतीय सांख्यिकी संस्थान के छात्रों के साथ हुई हालिया बातचीत का एक वीडियो अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट किया। गांधी ने वीडियो के साथ किए अपने पोस्ट में कहा कि मैंने जन संसद में भारतीय सांख्यिकी संस्थान के छात्रों से मुलाकात की।

उधमपुर में घर से भोजन लेकर भागे आतंकी, तलाश जारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में एक घर से आतंकियों के भोजन लेकर पास के जंगल में भागने के बाद सुरक्षा बलों ने तलाश अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि पुलिस और अर्द्धसैनिक बल, मजालता क्षेत्र के चोरे मोटू गांव और उससे सटे वन क्षेत्रों में संयुक्त तलाश अभियान चला रहे हैं।

उन्होंने बताया कि यह इलाका उस स्थान से पांच किलोमीटर पश्चिम में है, जहां पहले हुई एक मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई थी। शनिवार देर शाम खुफिया सूचना मिली थी कि दो अज्ञात आतंकवादी चोरे मोटू गांव में शाम करीब साढ़े छह बजे मंगतू राम के घर पहुंचे और भोजन लेकर चले गए। सूचना मिलते ही पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों को मौके पर भेजा गया, लेकिन आतंकवादी तब तक भाग चुके थे।

महिला श्रमिकों के लिए क्रेच खोले श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

संसदीय समिति ने केवल मध्य प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेशों दादरा एवं नगर हवेली और दमन-दीव में ही महिला निर्माण श्रमिकों के लिए 'क्रेच' (शिशु सदन) सुविधाएं उपलब्ध होने का जिक्र करते हुए श्रम मंत्रालय से अनुशंसा की कि वह महिलाओं के लिए 'क्रेच' खोलने के क्रम में गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की सेवाएं लेने पर विचार करे।

असंगठित क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षण शीर्षक वाली संसद में पेश की गई रिपोर्ट में महिला सशक्तीकरण से जुड़ी संसदीय समिति ने यह अनुशंसा भी की है कि क्रेच की कार्य समयावधि को महिलाओं के कामकाजी समय (आठ घंटे) के अनुरूप बढ़ाया जाए, ताकि काम के साथ-साथ बच्चों की देखभाल भी हो सके। संसदीय समिति की अध्यक्ष भाजपा की सांसद डी. पुरंदेश्वरी हैं। रिपोर्ट में यह अनुशंसा की गई है कि असंगठित क्षेत्र में बच्चों की देखभाल और माताओं की मदद के लिए कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधि की एक निश्चित धनराशि निर्धारित की जाए।

● असंगठित क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षण शीर्षक वाली रिपोर्ट संसद में समिति ने की पेश

रिपोर्ट के अनुसार, भवन एवं अन्य निर्माण कर्मचारी (रोजगार नियमन एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 199 के तहत महिला निर्माण श्रमिकों के लिए समग्र कल्याण उपायों का प्रावधान किया गया है। इन उपायों में महिला निर्माण श्रमिकों के लिए स्वच्छ, सुलभ और अलग-अलग शौचालय, कैंटीन, क्रेच और विश्राम स्थल जैसी सुविधाएं शामिल हैं। समिति ने कहा कि केवल मध्य प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेशों दादरा एवं नगर हवेली और दमन-दीव ने ही यह जानकारी दी है कि वहां महिला निर्माण श्रमिकों के लिए 'क्रेच' सुविधाएं उपलब्ध हैं, ऐसे में श्रम मंत्रालय से यह अनुशंसा की जाती है कि वह महिलाओं के लिए 'क्रेच' खोलने के सिलसिले में गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की सेवाएं लेने पर विचार करे।

ट्रेन संचालन में चालक दल की कमी बड़ा मुद्दा : समिति

नई दिल्ली। संसदीय समिति ने आगाह किया कि यदि रेलवे के पूरी तरह से विद्युतकृत समर्पित माल ढुलाई गलियारों की योजना में चालक दल की कमी जैसी संचालन संबंधी समस्याएं समय पर हल नहीं की गईं, तो माल ढुलाई क्षमता को बढ़ाने का इसका लक्ष्य पूरा नहीं हो सकेगा और योजना को अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। समिति की यह टिप्पणी रेल मंत्रालय के यह स्वीकार करने के बाद आई है कि समर्पित माल ढुलाई गलियारा निगम (डीएफसीसीआईएल) के सामने ट्रेन संचालन में सबसे बड़ी चुनौती चालक दल की उपलब्धता है। मंत्रालय ने समिति को दी गई जानकारी में एक जून 2025 तक भारतीय रेलवे में ट्रेन संचालन से जुड़े विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों की संख्या के बारे में विवरण प्रस्तुत किया। मंत्रालय के अनुसार, लोको पायलटों के लिए स्वीकृत पदों की संख्या 1,42,814 है, जबकि फिलहाल केवल 1,07,928 पदों पर कर्मचारी कार्यरत हैं। इसी प्रकार, मालगाड़ी प्रबंधकों (गार्ड्स) के लिए 22,082 स्वीकृत पदों में से केवल 12,345 पदों पर कर्मचारी कार्यरत हैं। स्टेशन मास्टर और स्टेशन अधीक्षक समेत सभी श्रेणियों के लिए कुल स्वीकृत पदों की संख्या 2,06,495 है, जबकि कार्यरत कर्मचारियों की संख्या 1,59,219 है।

अध्ययन | सौ साल पुरानी कोडाइकोनाल वेधशाला में एकत्रित हैं दैनिक सौर प्रेक्षणों से संबंधित आंकड़े

सूर्य के रहस्यों को सुलझाने में सहायक होगी वेधशाला

चेन्नई, एजेंसी

सौ साल पुरानी कोडाइकनाल सौर वेधशाला में वर्षों से एकत्रित दैनिक सौर प्रेक्षणों से सूर्य की चुंबकीय गतिविधि में अक्षांशों के अनुसार होने वाले परिवर्तनों के बारे में नई जानकारी मिली है।

इस खोज से अंतरिक्ष-मौसम पूर्वानुमान और जलवायु मॉडल में भी मदद मिल सकती है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अधीन स्वायत्त निकाय भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए) के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में सूर्य के प्रकाश की कैल्शियम-के रेखा में कैप्चर किए गए 11 वर्षों (2015-2025) के स्पेक्ट्रोस्कोपिक डेटा का विश्लेषण किया गया। यह स्पेक्ट्रल सिग्नेचर सूर्य के क्रोमोस्फीयर में बहुत ऊपर बनता है और चुंबकीय गतिविधि के संवेदनशील मार्कर के रूप में कार्य करता है। शोध के लेखकों में शामिल अपूर्व श्रीनिवास ने बताया कि सूर्य पर किए गए सभी अध्ययन अंततः अंतरिक्ष मौसम को समझने के लिए आवश्यक हैं, जिसका पृथ्वी पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसलिए, जितना अधिक हम समझेंगे, संभावित व्यवधानों और आपदाओं के लिए हम उतनी ही बेहतर तैयारी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि हाल में निरंतर अवलोकन के 125 वर्ष पूरे करने वाली कोडाइकनाल सौर वेधशाला में दुनिया का सबसे वृहद सौर डेटासेट उपलब्ध है। श्रीनिवास के अनुसार, शोध टीम ने इस समृद्ध संग्रह का इस्तेमाल यह पता लगाने के लिए किया कि सूर्य की चुंबकीय तीव्रता अक्षांशों में कैसे बदलती है - जिससे उच्च गतिविधि के लगातार क्षेत्र सामने आए, जो सूर्य के 11-वर्षीय सनस्पॉट शिखर चक्र के अनुरूप हैं।

● सूर्य की चुंबकीय गतिविधि में होने वाले बदलावों की जानकारी मिली

वेधशाला में आंकड़ों की निरंतरता दुर्लभ

टीम ने पाया कि अधिकांश चुंबकीय गतिविधि 40 डिग्री उत्तरी और दक्षिणी अक्षांश के बीच केंद्रित होती है, जिसमें 15 डिग्री से 20 डिग्री के आसपास स्पष्ट शिखर होते हैं, जो उन क्षेत्रों से मेल खाते हैं, जहां सूर्य के धब्बे सबसे अधिक बार होते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि आंकड़ों की ऐसी निरंतरता दुर्लभ है और इससे वैश्विक सौर अनुसंधान में भारत के वैज्ञानिक समुदाय को असाधारण बढ़त मिलती है। 1899 में स्थापित कोडाइकनाल सौर वेधशाला सूर्य के बदलते स्वरूप को प्रतिदिन दर्ज करती है और दुनिया के सबसे लंबे और सुसंगत सौर अभिलेखों में से एक को संरक्षित करती है।

चुंबकीय रूप से सक्रिय तारा है सूर्य

अध्ययन के प्रमुख लेखक केपी राजू ने कहा, सूर्य आग का स्थिर गोला नहीं है, बल्कि चुंबकीय रूप से सक्रिय तारा है, जो गतिविधि के व्यापक चक्रों का अनुसरण करता है। आईआईए के पूर्व प्रोफेसर ने कहा, सूर्य को अक्षांशीय पट्टियों में विभाजित करके और प्रत्येक से आने वाले एकीकृत प्रकाश का विश्लेषण करके, हम उन पैटर्न को उजागर कर सकते हैं, जो सूर्य के धब्बों जैसी अलग-अलग विशेषताओं का अध्ययन करते समय अदृश्य होते हैं।

ले. कर्नल दीपक ने दो लोगों के साथ रची आपराधिक साजिश : सीबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

तीन लाख रुपये रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार रक्षा मंत्रालय के लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक शर्मा ने दुबई स्थित लॉजिस्टिक्स कंपनी के खेप को संयुक्त अरब अमीरात भेजने के वास्ते विदेश मंत्रालय से मंजूरी दिलवाने को कंपनी के दो कर्मियों के साथ साजिश रची थी। सीबीआई ने प्राथमिकी में यह जानकारी दी है।

सीबीआई के अनुसार शर्मा के परिसर की तलाशी के बाद रविवार को दस्तावेजों का विवरण सार्वजनिक किया गया। तलाशी में शर्मा के परिसर से 2.36 करोड़ रुपये नकद मिले। शर्मा रक्षा मंत्रालय के संवेदनशील रक्षा उत्पादन विभाग में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और निर्यात के उपनियोजन अधिकारी थे। सीबीआई ने रिश्वत में शर्मा के कार्यालय की तलाशी भी ली थी।

● तलाशी के बाद विवरण केंद्रीय जांच एजेंसी ने किया सार्वजनिक

● तलाशी के दौरान शर्मा के परिसर से मिले 2.36 करोड़ रुपये नकद

सीबीआई ने दावा किया है कि उसे जानकारी मिली थी कि रक्षा मंत्रालय के अधिकारी शर्मा रक्षा उत्पादों के निर्माण, निर्यात आदि से जुड़ी विभिन्न निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ आपराधिक साजिश रचकर 'लगातार भ्रष्ट और अवैध गतिविधियों में लिप्त' रहते हैं। सीबीआई ऐसी सूचनाएं मिलने मिलने के बाद दुबई स्थित लॉजिस्टिक्स कंपनी 'डीपी वर्ल्ड' पर नजर रखने लगी। 'डीपी वर्ल्ड' संयुक्त अरब अमीरात स्थित एक वैश्विक कंपनी मानी जाती है। कंपनी ने इस संबंध में प्रतिक्रिया के लिए ई-मेल भेजे जाने पर कोई जवाब नहीं दिया। सीबीआई के मुताबिक दो व्यक्ति नियमित रूप से शर्मा के संपर्क में थे, जिनकी पत्नी कर्नल काजल बाली राजस्थान के श्री गंगानगर में 16वें इन्फैंट्री डिवीजन आयुध इकाई की कमांडिंग अधिकारी हैं और इस मामले में सह-आरोपी हैं। पहला व्यक्ति राजीव यादव है जिसकी सार्वजनिक प्रोफ़ाइल के अनुसार वह कंपनी में निदेशक है। दूसरा व्यक्ति रवजीत सिंह है जो कंपनी के भारत संचालन की देखभाल कर रहा है। दोनों बेंगलुरु में रहते हैं।

इस देश में जो जिसके लिए प्रतिबद्ध है, वही उसे नष्ट कर रहा है।

हरिशंकर परसाई, साहित्यकार

समयोचित हस्तक्षेप

उत्तर प्रदेश में सड़क दुर्घटनाएं एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय संकट बन चुकी हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सड़क सुरक्षा पर दिखाई गई सख्ती न केवल सामयिक है, बल्कि अत्यंत आवश्यक भी। एक जनवरी से 31 जनवरी तक प्रदेशव्यापी 'सड़क सुरक्षा माह' आयोजित करने का निर्णय इस बात का संकेत है कि सरकार अब इस समस्या को केवल यातायात उल्लंघन नहीं, बल्कि जीवन-सुरक्षा और व्यवहार परिवर्तन के मुद्दे के बतौर देख रही है। वर्ष 2025 में नवंबर तक प्रदेश में 46,223 सड़क दुर्घटनाएं और 24,776 मौतें हुईं, ये आंकड़े बताते हैं कि समस्या कितनी विकराल है। इसके लिए वर्ष व्यापी अभियान की आवश्यकता है। फिलहाल महीने भर का अभियान भी व्यापक स्तर पर चलकर लक्ष्य की प्राप्ति करेगा तथा औपचारिकता से आगे बढ़कर वास्तविक बदलाव लाने में सफल होगा, इसकी उम्मीद है।

सरकार ने सड़क दुर्घटना के जिन कारकों की बात की है, उसमें सड़क की दुर्दशा में सुधार, चालकों की स्थिति, प्रशिक्षण, यात्रियों का व्यवहार, वाहन फिटनेस और दुर्घटना के बाद की व्यवस्था को भी जोड़ना उचित रहेगा। ये सभी दुर्घटनाओं की श्रृंखला में निर्णायक कड़ियां हैं। इनका समेकित दृष्टिकोण ही, यथोचित परिणाम देगा। दुर्घटनाओं पर ब्रेक लगाने के लिए 4-ई मॉडल-शिक्षा, प्रवर्तन, इंजीनियरिंग और इमरजेंसी केयर पर फोकस बिल्कुल सही दिशा है। शिक्षा के बिना व्यवहार परिवर्तन संभव नहीं। केवल नियम बताना पर्याप्त नहीं; यह समझाना जरूरी है कि हेलमेट, सीट बेल्ट, गति सीमा और लेन ड्राइविंग का पालन सीधे व्यक्ति के जीवन, उसके परिवार और समाज की सुरक्षा से जुड़ा है। स्कूलों, कॉलेजों, परिवहन केंद्रों और ग्राम सभाओं में निरंतर जागरूकता अभियान इसीलिए महत्वपूर्ण हैं। अव्यवस्थित पार्किंग, सड़क किनारे स्टैंड, डग्गामार वाहन, कतारबद्ध खड़े ट्रक और स्टंटबाजी पर सख्त कार्रवाई अपरिहार्य है। केवल चालान समाधान नहीं। आदतन नियम तोड़ने वालों के ड्राइविंग लाइसेंस जब्त करना, वाहन सीज करना और ओवरस्पीडिंग व लेन उल्लंघन पर कठोर दंड ही निवारक प्रभाव डाल सकता है। एक्सप्रेसवे पर पेट्रोलिंग बढ़ाने, क्रेन और एंबुलेंस की संख्या बढ़ाने के निर्देशों से दुर्घटना के बाद का समय घटेगा, इमरजेंसी केयर में गोल्डन आवर की महत्ता निर्विवाद है। 108 और एएलएस एंबुलेंस का रिस्पांस टाइम घटाना, निजी ट्रॉमा सेंटरों को नेटवर्क से जोड़ना और जिला स्तर पर ट्रॉमा सुविधाएं मजबूत करना जान बचाने में निर्णायक होंगी।

इंजीनियरिंग सुधार भी बहुत जरूरी हैं। ब्लैक स्पॉट और क्रिटिकल प्वाइंट की पहचान कर समयबद्ध सुधार, खराब साइनेज, अव्यवस्थित कट, अंधे मोड़ और अवैज्ञानिक स्पीड ब्रेकर दुर्घटनाओं के बड़े कारण हैं। केवल टेबल-टॉप स्पीड ब्रेकर बनाना पर्याप्त नहीं; सड़कें गड्ढामुक्त, समतल और वैज्ञानिक डिजाइन वाली हों। नियमित रोड सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य किया जाना चाहिए, ताकि जोखिम पहले ही पकड़े जा सकें। पब्लिक एड्रेस सिस्टम का व्यापक उपयोग कर यह संदेश देना कि सड़क सुरक्षा 'किसी और' की नहीं, बल्कि व्यक्तिगत जिम्मेदारी है, जनभागीदारी बढ़ा सकता है।

प्रसंगवश

पगड़ी का टुकड़ा फाड़ते ही पत्नी से रिश्ता हुआ खत्म

हाल ही में राजस्थान में भील जनजाति के 'छेड़ा फाड़ना प्रथा' के कुछ मामले सामने आए हैं। भील समाज की छेड़ा फाड़ना परंपरा तलाक की वह प्रक्रिया है, जो सामाजिक मान्यता रखती है। भील जनजाति मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के कई हिस्सों में फैली हुई है। राजस्थान में उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिलों में भील समुदाय की बड़ी आबादी निवास करती है, जिनमें बांसवाड़ा सबसे प्रमुख है। इस समाज की जीवन शैली, रीति-रिवाज और पारिवारिक ढांचा आज भी काफी हद तक परंपरागत है।

विवाह, संबंध और अलगाव इन सभी के लिए समाज ने अपने नियम बनाए हैं। छेड़ा फाड़ना इसी सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा है,

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

जिसे विवाह विच्छेद की स्वीकृत प्रक्रिया माना जाता है। जब किसी भील पुरुष को यह लगता है कि वह अब अपनी पत्नी के साथ नहीं रह सकता, तब वह अकेले निर्णय नहीं लेता। वह अपने समाज के पंचों और ग्राम मुखिया गमेती को बुलाकर पंचायत बैठाता है। यह पंचायत खुले तौर पर होती है, जहां समाज के लोग साक्षी बनते हैं। पंचायत के सामने पति अपनी पगड़ी या कभी-कभी नई साड़ी के पल्लू का एक चौड़ा टुकड़ा फाड़ता है। उस कपड़े में कुछ रुपये बांधकर वह पत्नी को थमा देता है। यही क्षण इस रिश्ते के औपचारिक अंत की घोषणा माना जाता है। यह सिर्फ कपड़ा फाड़ना नहीं, बल्कि वर्षों के वैवाहिक संबंध को सार्वजनिक रूप से समाप्त करने का प्रतीक है।

इसके बाद पत्नी उस फटे कपड़े को लेकर अपने मायके जाती है और अपने पिता के घर की छत पर उसे एक महीने तक लटकाए रखती है। यह समाज के लिए स्पष्ट संकेत होता है कि अब उसका अपने पति से कोई संबंध नहीं रहा और वह पुनर्विवाह के लिए स्वतंत्र है। इस प्रक्रिया के पूरा होते ही विवाह विच्छेद मान्य हो जाता है। न कोई कागजी कार्रवाई, न कोई अदालती लड़ाई और न ही वर्षों तक चलने वाली कानूनी प्रक्रिया। सब कुछ समाज के सामने, समाज के निर्णय से और समाज की स्वीकृति के साथ संपन्न हो जाता है। ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए अदालतों तक पहुंचना, वकीलों की फीस देना और वर्षों तक मुकदमे झेलना संभव नहीं होता। ऐसे में छेड़ा फाड़ना इस जाति को आसान समाधान प्रदान करता है। छेड़ा फाड़ना प्रथा पूरी होने के बाद महिला को पुनर्विवाह का अधिकार तुरंत मिल जाता है। मुख्यधारा के समाज में तलाक के बाद महिला को सामाजिक दृष्टि से संदेह और तिरस्कार का सामना करना पड़ता है, लेकिन भील समाज में फटा कपड़ा ही यह घोषणा कर देता है कि महिला स्वतंत्र है और नया जीवन शुरू कर सकती है।

हर परंपरा की तरह इस प्रथा के स्याह पक्ष भी है। तलाक की पहल लगभग हमेशा पुरुष की ओर से होती है। पंचायत में निर्णय लेने वाले अधिकांश पुरुष बुजुर्ग होते हैं, जिससे महिला की बात कमजोर पड़ जाती है। अकसर तलाक महिला की इच्छा के विरुद्ध भी होता है, लेकिन सामाजिक दबाव के कारण वह विरोध नहीं कर पाती। सार्वजनिक रूप से पगड़ी फाड़कर त्याग की घोषणा करना महिला के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाता है और मानसिक पीड़ा भी देता है। आधुनिक कानून, जहां तलाक के मामलों में महिला को भरण-पोषण, संपत्ति में हिस्सा और बच्चों की जिम्मेदारी जैसे अधिकार देता है, वहीं छेड़ा फाड़ना प्रथा में इन पहलुओं का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। तलाक के बाद महिला आर्थिक रूप से असुरक्षित हो जाती है, खासकर तब जब उसके पास आजीविका का साधन न हो। इस दृष्टि से यह प्रथा स्त्री अधिकारों के खिलाफ है।

नार्को टेस्ट का अधिकार, न्याय और नैतिकता

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनैच्छिक नार्को-विश्लेषण परीक्षणों को पुनः असंवैधानिक करार देना भारतीय लोकतंत्र में संविधान की सर्वोच्चता की एक महत्वपूर्ण पुनः घोषणा है। यह निर्णय केवल आपराधिक जांच की किसी एक तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राज्य की दंडात्मक शक्ति, व्यक्ति की गरिमा और न्याय व्यवस्था की नैतिक दिशा पर गहरा प्रश्न उठाता है। आधुनिक आपराधिक न्याय व्यवस्था का मूल सिद्धांत यह है कि अपराध नियंत्रण के नाम पर भी नागरिकों के मौलिक अधिकारों से समझौता नहीं किया जा सकता।

नार्को टेस्ट एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें आरोपी या संदिग्ध को विशेष रासायनिक दवाएं देकर उसकी चेतन अवस्था को कमजोर किया जाता है, ताकि वह बिना प्रतिरोध के प्रश्नों के उत्तर दे सके। इसे अक्सर 'सत्य निकालने' की तकनीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, किंतु सत्य तक पहुंचने का कोई भी मार्ग यदि असंवैधानिक, अमानवीय और अवैज्ञानिक है, तो वह न्याय का मार्ग नहीं हो सकता। भारतीय संविधान ने राज्य और नागरिक के संबंधों को संतुलित करने के लिए स्पष्ट सीमाएं तय की हैं, जिनका उल्लंघन किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

संविधान का अनुच्छेद 20(3) आत्म-अभिशंसा से संरक्षण का अधिकार प्रदान करता है। इसका आशय यह है कि किसी भी व्यक्ति को स्वयं के विरुद्ध साक्ष्य देने के लिए विवश नहीं किया जा सकता। अनैच्छिक नार्को टेस्ट इस अधिकार का सीधा उल्लंघन है, क्योंकि इसमें व्यक्ति की इच्छा के विरुद्ध उससे जानकारी उगलवाने का प्रयास किया जाता है। सेल्वी बनाम कर्नाटक राज्य (2010) के ऐतिहासिक निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि नार्को टेस्ट, ब्रेन मैपिंग और पॉलीग्राफ जैसी तकनीकें यदि बिना सहमति के कराई जाती हैं, तो वे असंवैधानिक हैं। यह निर्णय केवल विधिक व्याख्या नहीं, बल्कि संवैधानिक नैतिकता की रक्षा का घोषणापत्र है।

> सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनैच्छिक नार्को-विश्लेषण परीक्षणों को पुनः असंवैधानिक करार देना भारतीय लोकतंत्र में संविधान की सर्वोच्चता की एक महत्वपूर्ण पुनः घोषणा है।

अनुच्छेद 21, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है, नार्को टेस्ट के संदर्भ में और भी व्यापक अर्थ ग्रहण करता है। जीवन का अधिकार केवल शारीरिक अस्तित्व तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें गरिमा, मानसिक स्वायत्तता और निजता भी सम्मिलित हैं। किसी व्यक्ति के शरीर में रासायनिक पदार्थ डालकर उसकी चेतना पर नियंत्रण करना, उसकी शारीरिक और मानसिक स्वतंत्रता का गंभीर अतिक्रमण है। सर्वोच्च न्यायालय ने समय-समय पर अनुच्छेद 21 की व्याख्या करते हुए कहा है कि राज्य की प्रत्येक कार्रवाई 'न्यायसंगत, उचित और तर्कसंगत' होनी चाहिए। नार्को टेस्ट इस कसौटी पर खरा नहीं उतरता।

न्यायिक प्रक्रिया के दृष्टिकोण से भी नार्को टेस्ट अनेक प्रश्न खड़े करता है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत वही साक्ष्य स्वीकार्य होते हैं, जो स्वेच्छा से और विश्वसनीय तरीके से प्राप्त किए गए हों। नार्को टेस्ट के दौरान दिए गए कथन न तो पूर्णतः स्वैच्छिक होते हैं और न ही वैज्ञानिक रूप से विश्वसनीय। दवाओं के प्रभाव में व्यक्ति की स्मृति, कल्पना और बाहरी सुझाव आपस में घुल-मिल जाते हैं। ऐसी स्थिति में प्राप्त जानकारी को सत्य मान लेना न्यायिक त्रुटि को आमंत्रित करना है। इसी कारण सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसे परीक्षणों के परिणामों को साक्ष्य के रूप में स्वीकार करने से इंकार किया है।

एक और गंभीर संवैधानिक समस्या 'सहमति' की अवधारणा से जुड़ी है। समर्थक यह तर्क देते हैं कि यदि आरोपी सहमति दे, तो नार्को टेस्ट कराया जा सकता है। किंतु हिरासत की स्थिति में दी गई सहमति, कितनी स्वतंत्र और स्वैच्छिक होती है, यह एक जटिल प्रश्न है। पुलिस हिरासत में शक्ति का असंतुलन स्वाभाविक होता है। भय, दबाव और भविष्य की अनिश्चितता के बीच दी गई सहमति को वास्तविक सहमति नहीं कहा जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय ने भी माना है कि हिरासत में प्राप्त सहमति की विश्वसनीयता संदिग्ध होती है।

संवैधानिक पहलुओं के साथ-साथ नार्को टेस्ट गहरे नैतिक प्रश्न भी उठाता है। मानव गरिमा आधुनिक मानवाधिकार विमर्श का केंद्रीय तत्व है। किसी व्यक्ति को उसकी चेतन अवस्था से वंचित कर, रासायनिक रूप से नियंत्रित कर उससे जानकारी प्राप्त करना उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाता है। यह दृष्टिकोण व्यक्ति को एक 'साधन' में बदल देता है, जबकि संविधान व्यक्ति को 'लक्ष्य' मानता है। दार्शनिक दृष्टि से भी यह प्रक्रिया मानव को उसकी इच्छा और विवेक से अलग कर देती है, जो किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकती।

वैज्ञानिक दृष्टि से नार्को टेस्ट की विश्वसनीयता पर भी गंभीर प्रश्न चिह्न हैं। यह धारणा कि दवाओं के प्रभाव में व्यक्ति केवल सत्य ही बोलेगा, एक मिथक है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार ऐसी दवाएं व्यक्ति की निर्णय क्षमता को कमजोर कर देती हैं, जिससे वह काल्पनिक घटनाओं को भी वास्तविक समझकर बयान कर सकता है। कई बार पूछताछ करने वाले के प्रश्नों का प्रभाव उत्तरों को दिशा देता है, जिससे 'सत्य' नहीं बल्कि जांचकर्ता की अपेक्षा सामने आती है। इस प्रकार नार्को टेस्ट सत्य की खोज के बजाय भ्रम की सृष्टि कर सकता है।

चिकित्सीय नैतिकता के संदर्भ में भी नार्को टेस्ट गंभीर चिंता का विषय है। चिकित्सा पेशा 'हानि न पहुंचाने' के सिद्धांत पर आधारित है। जब कोई चिकित्सक बिना किसी उपचारात्मक उद्देश्य के, केवल जांच के लिए, किसी व्यक्ति को दवाएं देता है, तो वह इस सिद्धांत का उल्लंघन करता है। इसके अतिरिक्त, नार्को टेस्ट के दौरान स्वास्थ्य जोखिम भी मौजूद रहते हैं, विशेषकर यदि व्यक्ति पहले से किसी शारीरिक या मानसिक रोग से ग्रस्त हो। ऐसे में चिकित्सकों की भूमिका और जिम्मेदारी पर भी प्रश्न उठते हैं।

आमने सामने

अरावली कोई मामूली पहाड़ नहीं, बल्कि प्रकृति की बनाई हुई 'ग्रीन वॉल' है। यह थार रेगिस्तान की रेत और गर्म हवाओं को दिल्ली, हरियाणा और यूपी के उपजाऊ मैदानों की ओर बढ़ने से रोकती हैं। ये पहाड़ियां और यहां के जंगल एनसीआर के शहरों के लिए 'फेफड़ों' का काम करती हैं।

-अशोक गहलोत
पूर्व सीएम, राजस्थान

अरावली को नुकसान पहुंचाने का काम कांग्रेस शासन में हुआ, जबकि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार इसके संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। गहलोत ने 'सेव अरावली' की डीपी तो लगाई, लेकिन राहुल गांधी, प्रदेश अध्यक्ष सहित कांग्रेस के बड़े नेताओं ने साथ नहीं दिया।

-राजेंद्र सिंह राठौड़
बीजेपी नेता

इंडिया में एआई: चमकती स्क्रीनें, छूटती जिंदगियां

सत्य प्रकाश नायक
एक्टिविस्ट

एआई आज सिर्फ़ एक तकनीक नहीं रहा। वह हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में इस तरह घुल चुका है कि अक्सर हमें एहसास भी नहीं होता कि हमारे कितने फैसले अब एल्गोरिदम की सलाह से प्रभावित हो रहे हैं। सुबह का अलार्म कब बजे, रास्ते में कौन-सा गाना बजे, मोबाइल खोलते ही कौन-सा वीडियो हमें रोक ले, यह सब किसी न किसी रूप में एआई दिशा देने लगा है। दफ़्तरों में रिपोर्ट लिखने से लेकर रिज़्यूमे छांटने तक और शिक्षा में यह तय करने से लेकर कि किस विद्यार्थी को कौन-सा कंटेंट 'उपयुक्त' माना जाए, एआई अब सोचने की प्रक्रिया के बीच आ चुका है।

इसी तेज़ रफ्तार के बीच एक असहज सवाल उभरता है- क्या भारत का हर नागरिक इस एआई-दुनिया में बराबरी से शामिल है? या फिर हम एक ऐसे देश की ओर बढ़ रहे हैं, जहां तकनीक कुछ हाथों में शक्ति बन रही है और बहुत-से लोग केवल उसके परिणाम झेलने वाले दर्शक बनते जा रहे हैं?

आज का भारत एक गहरा विरोधाभास उजागर करता है। एक तरफ़ शहरों में लोग कुछ सेकंड में एआई से प्रेज़ेंटेशन, रिपोर्ट और कोड तैयार कर रहे हैं। दूसरी तरफ़ ग्रामीण इलाक़ों में लोग अब भी स्थिर इंटरनेट सिग्नल पाने के लिए जगह बदल-बदलकर कोशिश कर रहे हैं।

इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (IAMAI) और कंटार की इंडिया इंटरनेट रिपोर्ट-2024 बताती है कि जहां शहरी भारत में इंटरनेट पहुंच लगभग 72% तक है, वहीं ग्रामीण भारत में यह 38–40% के बीच सिमटी हुई है। यह आंकड़ा केवल कनेक्टिविटी की कमी नहीं दर्शाता, बल्कि यह संकेत करता है कि देश की एक बड़ी आबादी डिजिटल भविष्य की तैयारी से ही बाहर रह जा रही है। जब सरकारें, संस्थान और बाज़ार शिक्षा, रोज़गार, स्वास्थ्य और कल्याण सेवाओं में एआई को तेज़ी से शामिल कर रहे हैं, तब यह डिजिटल अंतर केवल सुविधा का सवाल नहीं रहता। यह धीरे-धीरे अवसर, क्षमता और निर्णय लेने की शक्ति के अंतर में बदलने लगता है।

> क्या भारत का हर नागरिक एआई-दुनिया में बराबरी से शामिल है? या फिर हम एक ऐसे देश की ओर बढ़ रहे हैं, जहां तकनीक कुछ हाथों में शक्ति बन रही है, और बहुत से लोग केवल दर्शक बनते जा रहे हैं?

पहुंच से आगे की असमानता डिजिटल पहुंच को केवल 'नेटवर्क है या नहीं' के रूप में देखना पर्याप्त नहीं है। कई परिवारों में डिजिटल उपकरण और इंटरनेट साझा होते हैं। डेटा की लागत, उपकरण की गुणवत्ता, डिजिटल साक्षरता, भाषा की समझ और साइबर सुरक्षा का ज्ञान- ये सभी मिलकर यह तय करते हैं कि कोई व्यक्ति एआई जैसी तकनीकों से कितना और कैसे जुड़ पाएगा। इसका अर्थ यह है कि एआई का लाभ केवल इंटरनेट होने से नहीं, बल्कि उसे समझने और नियंत्रित ढंग से उपयोग करने की वास्तविक क्षमता से तय होता है। जहां यह क्षमता सीमित है, वहां एआई सुविधा से अधिक दबाव और निर्भरता भी पैदा कर सकता है।

समाज से आता पक्षपात एआई की एक गहरी और अक्सर अनदेखी समस्या यह है कि वह वही सीखता है, जो समाज पहले से करता आया है। यदि समाज में किसी समूह के प्रति असमानता या पक्षपात मौजूद है, तो वही पैटर्न डेटा के ज़रिए एआई प्रणालियों में भी पहुंच जाते हैं। कुछ अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों में यह सामने आया है कि चेहरे पहचानने वाली तकनीकों में कुछ वर्गों के लिए सटीकता अधिक रही, जबकि अन्य के लिए गलतियां कहीं ज़्यादा पाई गईं। इससे यह स्पष्ट होता है कि तकनीक अपने-आप निष्पक्ष नहीं होती। वह उसी सामाजिक संरचना की छाया होती है, जिसमें उसे प्रशिक्षित किया गया है।

भारत जैसे विविध समाज में यह चुनौती और जटिल हो जाती है। यहां जाति, भाषा, क्षेत्र, पेशा और सामाजिक हैसियत डिजिटल दुनिया में समान रूप से दर्ज नहीं होतीं। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मज़दूर, प्रवासी समुदाय और हाशिए पर खड़े समूह अक्सर डेटा में अदृश्य रह जाते हैं। नतीजतन, एआई आधारित प्रणालियां उनके जीवन और ज़रूरतों को समझने में कम सक्षम होती हैं। निगरानी बनाम सेवा एआई को अक्सर सेवा और सुविधा के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन यह सवाल भी उतना ही ज़रूरी है कि वह किस हद तक निगरानी का औज़ार बनता जा रहा है। कल्याण योजनाओं, पहचान प्रणालियों और मूल्यांकन प्रक्रियाओं में एआई का इस्तेमाल कई बार उन समुदायों पर अधिक सख्ती से लागू होता है, जिनके पास अपील करने की ताक़त कम होती है। इस असमान शक्ति-संबंध को नज़रअंदाज़ करना तकनीक की सामाजिक भूमिका को अधूरा समझना होगा।

तकनीक का चिंताजनक चेहरा इसी संदर्भ में 'मॉर्फ' और 'डीपफेक' जैसे शब्द केवल तकनीकी शब्द नहीं रह जाते, बल्कि सामाजिक चिंता बन जाते हैं। मॉर्फिंग में तस्वीरों को इस तरह बदला जाता है कि उनका अर्थ ही बदल जाए, जबकि डीपफेक एआई की मदद से नकली वीडियो या आवाज़ तैयार करता है। भारत जैसे समाज में, जहां व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और पारिवारिक सम्मान गहराई से जुड़े होते हैं, ऐसी डिजिटल छेड़छाड़ के प्रभाव केवल ऑनलाइन नहीं रहते। वे मानसिक, सामाजिक और कानूनी संकट का रूप ले सकते हैं। एआई ने इस चुनौती को इसलिए और गंभीर बना दिया है, क्योंकि अब नकली और असली के बीच अंतर करना आम लोगों के लिए आसान नहीं रहा।

सोशल फोरम

प्यार के लिए एक शहंशाह ने छोड़ दिया तख्तो-ताज

मुहब्बत के लिए एक शहंशाह ने तख़्त छोड़ दिया। वो भी तलाक़शुदा प्रेमिका के लिए, उस जमाने में जब ये समाज में अकल्पनीय और अक्षम्य दोनों था। शहंशाह थे किंग एडवर्ड आठवें। 20 जनवरी 1936 से 10 दिसंबर 1936 तक यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन, उत्तरी आयरलैंड और भारत के शहंशाह, साथ-साथ दुनिया भर में फैले तमाम और ब्रिटिश डोमिनियन्स के भी। किंग जॉर्ज पांचवे के सबसे बड़े बेटे एडवर्ड। उनका महल, जिसे एडवर्ड द फोर्ट कहते थे, में उनके साथियों का जमावड़ा लगा रहता। सब पढ़े लिखे, ज़हीन, शानदार।

एक थीं वॉलिस सिंपसन- अमेरिकी नौसेना के एक पायलट अर्ल डब्लू स्पेंसर की तलाक़शुदा। वो घूमने इंग्लैंड आईं और उन्हें एर्नेस्ट ए सिंपसन से प्रेम हो गया। शादी भी कर ली और उन्हीं के साथ मिलीं एडवर्ड से। दोस्ती हुई। गहरी हुई। धीरे-धीरे प्यार हो गया। 1934 तक इतना गहरा कि पिता किंग जॉर्ज से बात करने की सोची पर अचानक पिता का देहांत हो गया और इनकी ताजपोशी।

समर अनार्य
ब्लॉगर

प्रेम चलता रहा और सामने भी आया। पर दो बार की तलाक़शुदा महिला से ब्याह के सवाल पर चर्च ऑफ इंग्लैंड, जिसके मुखिया वे ख़ुद थे, क्योंकि इंग्लैंड का राजा ही पदेन होता था, भी ख़िलाफ़ था, पार्लियामेंट भी और यहां तक कि राजपरिवार भी। आश्चर्य कि इकलौता आदमी जो साथ था वह थे चर्चिल और तमाम मामलों में एकदम खड़ूस! उन्होंने एडवर्ड को समझाया कि 'मोरगैनेटिक मैरिज' कर लें- अर्थात वह शादी जो क़ानूनी तो है, पर उसमें न तो पत्नी को शाही पद मिलते हैं न संतानों को कोई अधिकार।

ख़ैर, तब तक बात खुल गई थी और फिर एडवर्ड ने स्वेच्छा से राजपाट त्याग दिया, संतानों के लिए किसी हक़ के दावे के साथ। शाम को राष्ट्र के नाम संदेश में कहा, 'मेरे लिए राजा के भारी उत्तरदायित्व और कर्तव्य का निर्वहन जैसा मैं करना चाहता हूं, वह जिस स्त्री से मैं प्यार करता हूं, उसकी मदद और साथ के बिना असंभव है'।

प्रेम के लिए राजपाट छोड़ देने वाले इकलौते अंग्रेज़ शहंशाह को सलाम। महा कवि निराला ने प्रेम के लिए इस त्याग पर एक कविता भी लिखी थी।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

पासपोर्ट की गिरती साख सच्चाई या साजिश

भारतीय पासपोर्ट की गिरती साख? सच्चाई है या फिर हवा-हवाई और साजिशपूर्ण अफवाह है, जो भारत विरोधी विश्व शक्तियां समय-समय पर फैलाती रहती हैं और प्रत्यारोपित करती रहती हैं। आमतौर पर अवधारणा यह है कि जिस देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती हैं, निवेश की संभावनाएं ज्यादा होती हैं, राजनीतिक स्थिरता होती है, रोजगार की संभावनाएं मजबूत होती हैं और जिनकी सामरिक शक्ति विश्व स्तर की होती है, जिनकी कूटनीति तेज और प्रहारक होती है, उनकी दुनिया में साख ज्यादा होती है। ऐसे देशों द्वारा जारी पासपोर्ट बहुत ज्यादा विश्वसनीय और सम्मानित होते हैं। भारत के पासपोर्ट की कसौटी पर विशेषताएं क्या-क्या हैं?

आचार्य श्रीहरि
लेखक

भारत की आबादी दुनिया की सबसे बडी आबादी है। चीन को परास्त कर भारत की आबादी 140 करोड़ से अधिक हो गई है और भारत की यह आबादी कोई बूढ़ी नहीं बल्कि जवान है। कहने का अर्थ यह है कि भारत की आबादी मेहनत और विकास की सहयोगी होने की पात्रता रखती है। भारत की आबादी, बोझ किसी भी स्थिति में नहीं है। भारत दुनिया के निवेशकों के लिए पसंदीदा जगह बनी हुई है, चीन से परेशान निवेशक भारत की ओर देख रहे हैं। भारत में विदेशी निवेशकों की धमक को रोकने के लिए डोनाल्ड ट्रंप जैसे विदेशी शासक सकिय हैं, फिर भी दुनिया के निवेशकों के लिए भारत पहली पसंद बन रहा है।

भारत की अर्थव्यवस्था कमजोर नहीं है और न ही अस्थिर है, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर है और गतिमान है। समृद्ध है और रोजगारपरक है। सूचना क्रांति का हब और आधुनिक शिक्षा की अद्वितीय समृद्धि भी भारत के पास है। दुनिया भर के आईटी क्षेत्र की समृद्धि भारतीय सूचना क्रांति के वीरों पर निर्भर है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एक्स, फेसबुक सहित सभी नामी-गिरामी कंपनियों में भारत के सूचना और प्रबंधकीय क्षेत्र के वीरों का वर्चस्त और नियंत्रण भी उल्लेखनीय है। टाटा, अडानी और अंबानी जैसी भारतीय कंपनियां यूरोप और अमेरिका में अपनी सक्रियता और दखल खोज रही हैं।

फिर भी भारतीय पासपोर्ट को कमजोर और कम विश्वसनीय बताने वाले लोग कौन हैं? और इनकी नीयत और साजिश क्या है? हेनले पासपोर्ट इंडेक्स नामक संस्थान दुनिया के देशों के पासपोर्ट की प्रशंसा और विश्वसनीयता पर नजर रखती है और इस संबंध में प्रति वर्ष रिपोर्ट जारी करती है और तिमाही रैंकिंग भी देती है। वर्तमान में भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग 85 है। दुनिया के 199 देशों में भारतीय पासपोर्ट का स्थान 85 है। यानी कि भारत से 109 देशों का पासपोर्ट अधिक मान्यता, विश्वसनीयता और प्रशंसा रखता है। भारत की पासपोर्ट रैंकिंग पिछले साल की तुलना में इस वर्ष पांच स्थान नीचे गया है।

पिछले साल दुनिया में भारतीय पासपोर्ट की वरीयता स्थान 80 था। एशिया भू-भाग में भी भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग चिंताजनक है। जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसे देश टॉप पर बैठे हुए हैं। सिंगापुर के लोगों को इस साल दुनिया के 199 देशों में से 193 देशों में बिना वीजा के जाने की अनुमति मिली, दक्षिण कोरिया के लोगों को 190 देशों और जापान के लोगों को 189 देशों में बिना वीजा जाने की अनुमति रही है। जापान, के टॉप पर रहने की बात तो समझ आती है, क्योंकि ये बड़े देश हैं और अपनी खूबियों के लिए विख्यात हैं, पर दक्षिण कोरिया और सिंगापुर की आंतरिक समृद्धि भारत को पछाड़ने वाली भी नहीं कही जा सकती है। सबसे बडी बात यह है कि श्रीलंका और भूटान जैसे दक्षिण एशियाई देश इस मामले में भारत से आगे कैसे हो सकते हैं?

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

शान : जो शोले न बन सकी

बड़े सितारों और भारी बजट के साथ बनी फिल्म 'शान' 12 दिसंबर 1980 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म उस दौर की सबसे चर्चित परियोजनाओं में से एक थी, क्योंकि इसके निर्देशक रमेश सिप्पी थे, जिन्होंने इससे पहले हिंदी सिनेमा को कालजयी फिल्म 'शोले' दी थी। शोले की ऐतिहासिक सफलता के बाद लगभग तीन वर्षों की मेहनत से 'शान' को तैयार किया गया और इससे दर्शकों व फिल्म इंडस्ट्री को काफी उम्मीदें थीं। 'शान' अपने समय की सबसे महंगी फिल्मों में शामिल थी। इसका बजट लगभग 6 करोड़ रुपये था, जो उस दौर में किसी भी हिंदी फिल्म के लिए असाधारण माना जाता था। खास बात यह थी कि यह बजट शोले के मुकाबले लगभग दोगुना था। भव्य सेट, शानदार लोकेशन, बड़े सितारों की मौजूदगी और तकनीकी भव्यता के कारण इसे एक भव्य सिनेमाई अनुभव बनाने की पूरी कोशिश की गई।

दीपक नौगाई
लेखक, हल्द्वानी

फिल्म को कल्ट क्लासिक का टैग

शान फिल्म के निर्माता को उम्मीद थी कि यह फिल्म शोले की तरह सुपरहिट साबित होगी, लेकिन बड़े नाम, बड़े बजट और भव्य सेट से सजी यह फिल्म अपना जलवा न दिखा सकी। नेगेटिव रिव्यूज के चलते फिल्म दर्शकों के समकक्ष सफलता न प्राप्त कर सकी। हालांकि बाद में फिल्म को कल्ट क्लासिक का टैग मिला और टेलीविजन में बहुत देखी गई। भले ही शान बॉक्स ऑफिस पर कमाल न दिखा सकी हो, पर यह फिल्म के खलनायक 'शाकाल' के किरदार के लिए ज्यादा याद की जाती है। गंजे शाकाल की क्रूर अदाकारी आज भी लोगों के जेहन में है।

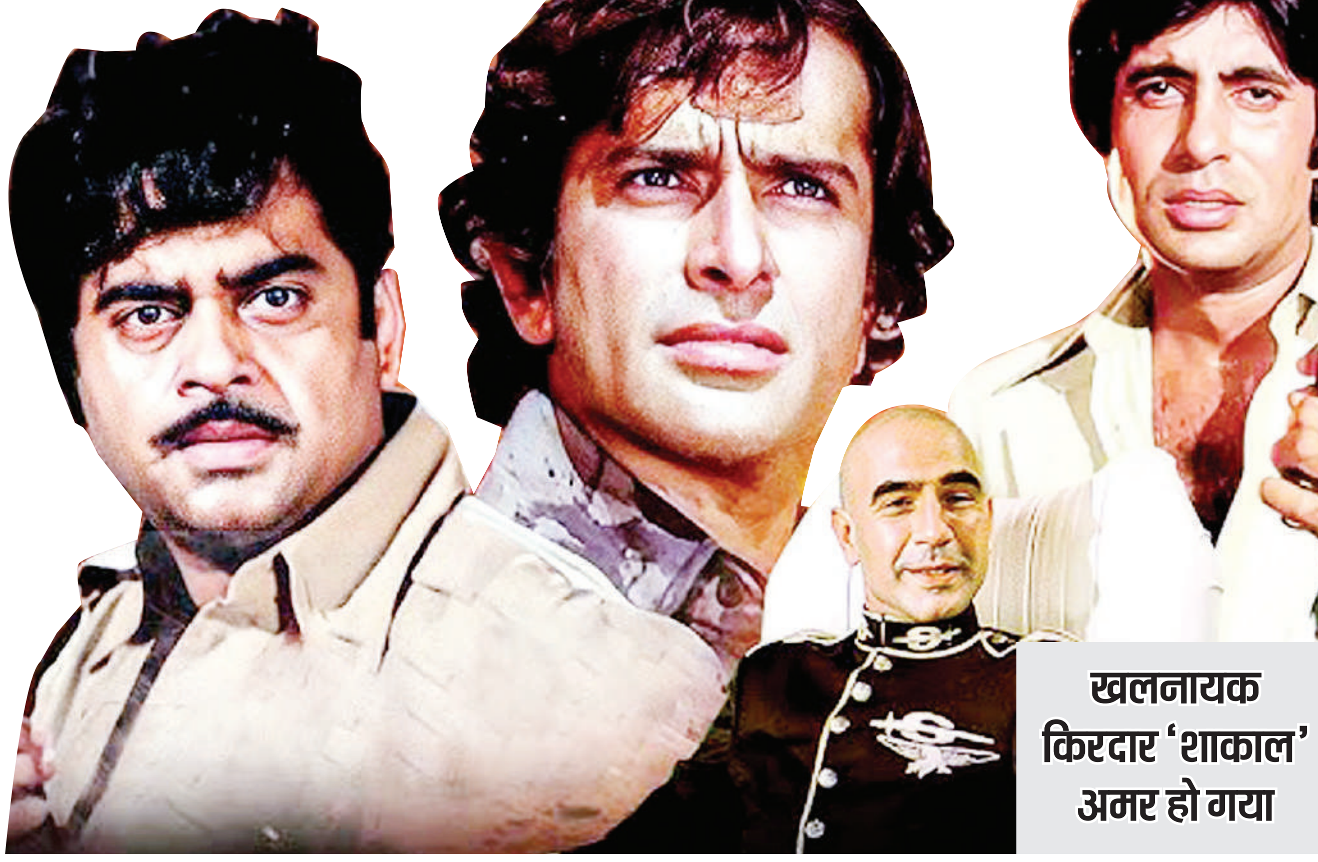

फिल्म में थे बड़े सितारे

रमेश सिप्पी निर्देशित इस फिल्म के लेखक भी शोले के सलीम खान और जावेद अख्तर थे। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, शत्रुघ्न सिन्हा, सुनील दत्त, शशि कपूर, राखी गुलजार, परवीन बॉबी, बिंदिया गोस्वामी, जॉनी लीवर, मजहर खान आदि ने काम किया था। विलेन की भूमिका नए कलाकार कुलभूषण खरबंदा ने निभाई थी और उन्हें भी शोले के गब्बर की तरह पापुलैरिटी मिली। शाकाल की भूमिका के लिए रमेश सिप्पी पहले संजीव कुमार को लेना चाहते थे, लेकिन उनके पास डेट्स की कमी थी, क्योंकि वह अन्य फिल्मों में व्यस्त थे। गौरतलब है कि शोले के गब्बर सिंह के किरदार के लिए भी पहली पसंद संजीव कुमार ही थे। संजीव कुमार से डेट्स नहीं मिली तो नए कलाकार कुलभूषण खरबंदा को खलनायक के रूप में लेने का निर्णय लिया गया। वे धर्मेंद्र और हेमा मालिनी को भी इस फिल्म में लेना चाहते थे, लेकिन उन दोनों के पास भी समय नहीं था , इसलिए उनकी जगह शशि कपूर और बिंदिया गोस्वामी को लिया गया।

खलनायक किरदार 'शाकाल' अमर हो गया

इस फिल्म को बनाने में निर्माता ने काफी खर्च किया था यानी शोले की कमाई इस फिल्म को बनाने में लगाई गई। समुद्र के बीच में एक द्वीप पर भव्य आधुनिक सेट बनाकर फिल्म की अधिकांश शूटिंग की गई थी। भले ही यह फिल्म न चली हो, लेकिन आरडी बर्मन के संगीत से सजी इस फिल्म का गाना 'यम्मा यम्मा', जिसे आरडी बर्मन और मोहम्मद रफी ने गाया था, बहुत हिट हुआ था। इस फिल्म को बने 46 साल हो गए हैं, लेकिन जब भी बॉलीवुड सिनेमा के खलनायकों की बात होती है, तो उसमें शाकाल का नाम भी जरूर शामिल होता है।

राजकुमार हिरानी की फिल्म में होंगे फोर ईडियट्स!

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। उनकी निजी जिंदगी हो या फिर प्रोफेशनल फ्रंट, हर गतिविधि पर फैंस और मीडिया की पैनी नजर बनी हुई है। पिछले कुछ समय से उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर लगातार खबरें सामने आ रही हैं, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। आमिर खान को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उनके प्रशंसक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं और अब ऐसा लग रहा है कि यह इंतजार जल्द खत्म हो सकता है।

इसी बीच आमिर खान की सुपरहिट और यादगार फिल्म '3 इडियट्स' के सीक्वल को लेकर एक बड़ी और दिलचस्प जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल पर अब आधिकारिक रूप से काम शुरू हो चुका है। एक अंदरूनी सूत्र ने पुष्टि की है कि फिल्म की स्क्रिप्ट लगभग पूरी हो चुकी है और फिलहाल इसे '4 इडियट्स' नाम के एक टेम्परेरी वर्किंग टाइटल के तहत विकसित किया जा रहा है। हालांकि मेकर्स बाद में इस टाइटल को बदल भी सकते हैं। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होगी और इसका निर्देशन एक बार फिर राजकुमार हिरानी करेंगे, जिनकी जोड़ी आमिर खान के साथ पहले भी कई बार सफल साबित हो चुकी है। मेकर्स इस बार कहानी को वहीं से आगे बढ़ाने की तैयारी में हैं, जहां पहले पार्ट का अंत हुआ था। हालांकि यह फिल्म सिर्फ एक साधारण सीक्वल नहीं होगी। दर्शकों को कुछ नए और ताजा एलिमेंट्स देखने को मिलेंगे, जो कहानी को और ज्यादा रोचक बनाएंगे। सबसे अहम बदलाव होगा एक नए मुख्य किरदार यानी 'चौथे इडियट' की एंट्री। इस किरदार के लिए किसी बड़े और लोकप्रिय सुपरस्टार को कास्ट करने की योजना बनाई जा रही है, जिसे लेकर फिल्म प्रेमियों के बीच काफी चर्चा और उत्सुकता है। फिल्म की ओरिजिनल स्टारकास्ट आमिर खान, आर. माधवन, शरमन जोशी और करीना कपूर खान के भी सीक्वल में नजर आने की पूरी संभावना जताई जा रही है। अगर ऐसा होता है, तो यह दर्शकों के लिए किसी बड़ी सौगात से कम नहीं होगा।

गौरतलब है कि साल 2009 में रिलीज़ हुई '3 इडियट्स' न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर ऐतिहासिक सफलता साबित हुई थी, बल्कि इसने भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर एक नई बहस को भी जन्म दिया था। यह फिल्म 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी और उसने बॉलीवुड में नए मानक स्थापित किए। ऐसे में इसके सीक्वल से भी दर्शकों की उम्मीदें स्वाभाविक रूप से काफी ऊंची हैं।

जिंदगी का सफर

'जॉनी' राजकुमार

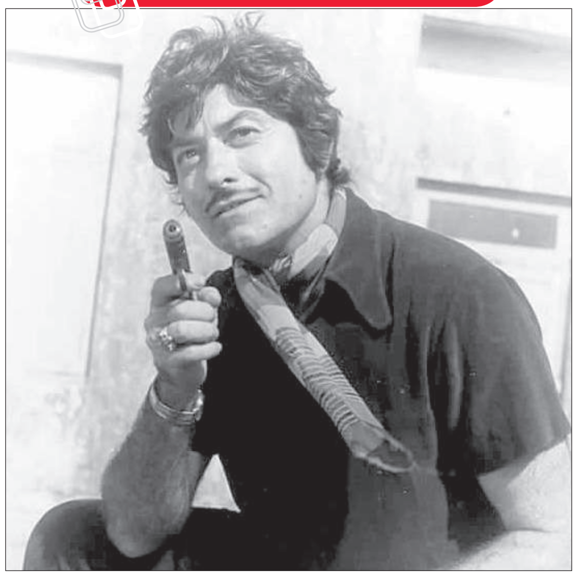

भारतीय सिनेमा के इतिहास में कई महान अभिनेता हुए, लेकिन 'जॉनी' संवाद के साथ दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले राजकुमार (कुलभूषण पंडित) जैसा व्यक्तित्व शायद ही किसी का रहा हो। 8 अक्टूबर 1926 को बलूचिस्तान (अब पाकिस्तान में) में जन्मे राजकुमार अपनी कड़क आवाज, अनूठे अंदाज और बेबाक व्यक्तित्व के लिए आज भी याद किए जाते हैं। राजकुमार को बॉलीवुड का 'स्टाइल आइकन' माना जाता था। उनके संवाद बोलने का तरीका इतना प्रभावशाली था कि सिनेमाघरों में उनके मुंह खोलते ही तालियां बजने लगती थीं। 'जॉनी, हम तुम्हें मारेंगे और जरूर मारेंगे, लेकिन वह बंदूक भी हमारी होगी, गोली भी हमारी होगी और वक्त भी हमारा होगा' जैसे संवाद आज भी लोगों की जुबान पर हैं। 'वक्त', 'पाकीजा', 'हीर रांझा', 'सौदागर' और 'तिरंगा' जैसी फिल्मों ने उन्हें अभिनय के शिखर पर पहुंचाया।

फिल्मी दुनिया की चकाचौंध में आने से पहले राजकुमार मुंबई पुलिस में सब-इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थे। उनके व्यक्तित्व में जो अनुशासन और रौब दिखता था, उसकी जड़ें उनके पुलिसिया जीवन में थीं। 1952 में फिल्म 'रंगीली' से उन्होंने अभिनय की शुरुआत की, लेकिन सफलता का स्वाद उन्हें 1957 की ऐतिहासिक फिल्म 'मदर इंडिया' से मिला। इस फिल्म में उन्होंने नरगिस के पति 'शामू' का छोटा, लेकिन अत्यंत प्रभावशाली किरदार निभाया, जिसने उन्हें रातों-रात चर्चा में ला दिया।

राजकुमार की सबसे बड़ी पहचान उनकी संवाद अदायगी (डायलॉग डिलीवरी) थी। वे जब भी कोई संवाद बोलते, तो ऐसा लगता मानो शब्द सीधे दर्शकों के दिल पर प्रहार कर रहे हों। उनकी फिल्म 'वक्त' (1965) का डायलॉग- 'चिनॉय सेठ, जिनके घर शीशे के होते हैं, वो दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंका करते' आज भी भारतीय सिनेमा के सबसे लोकप्रिय संवादों में से एक है। इसके बाद 'पाकीजा', 'हीर रांझा', 'सौदागर' और 'तिरंगा' जैसी फिल्मों ने उन्हें एक 'लेजेंड' का दर्जा दिलाया। फिल्म 'सौदागर' में जब वे एक लंबे अरसे के बाद दिलीप कुमार के सामने आए, तो दोनों महानायकों के बीच का मुकाबला देखने लायक था। राजकुमार अपनी बेबाकी और स्पष्टवादिता के लिए मशहूर थे। वे किसी फिल्म को साइन करने से पहले पटकथा को बहुत बारीकी से परखते थे और यदि उन्हें कुछ पसंद न आता, तो वे बड़े से बड़े निर्देशक को मना करने में संकोच नहीं करते थे। उनका पहनावा अक्सर पाइप हाथ में लिए, रंगीन कोट और विशेष प्रकार के जूतों के साथ उन्हें भीड़ से अलग दिखाता था।

इंडस्ट्री में उनके कई किस्से मशहूर हैं, जैसे किसी बड़े कलाकार के सूट की तुलना पर्दे के कपड़े से कर देना या अपनी शर्तों पर शूटिंग करना। उनके भीतर एक ऐसा आत्मविश्वास था कि वे कभी किसी से प्रभावित नहीं हुए, बल्कि लोग उनसे प्रभावित होते थे। श्रीधर की फिल्म दिल एक मंदिर में राजकुमार ने कैंसर रोगी की भूमिका निभाई, जिसके लिए उन्हें दिल एक मंदिर और वक्त दोनों फिल्मों के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। राजकुमार का फिल्मी करियर चार दशकों तक चला, जिसमें उन्होंने लगभग 70 फिल्मों में काम किया। 1990 के दशक में वे गले के कैंसर (Throat Cancer) से पीड़ित हो गए। दुखद बात यह थी कि जिस आवाज के दम पर उन्होंने दुनिया जीती थी, उसी गले में समस्या पैदा हो गई। 3 जुलाई 1996 को इस महान कलाकार ने दुनिया को अलविदा कह दिया। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार उनका अंतिम संस्कार बहुत ही निजी तरीके से किया गया, क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि उनकी मृत्यु का तमाशा बने।

मॉडल आफ द वीक

नामः कंचन गुप्ता
टाउनः कानपुर
एजुकेशनः बीकॉम
अचीवमेंटः विशिष्ट उद्यमी सम्मान
ड्रीमः मॉडलिंग, एक्टिंग

टाइटन के घड़ी की बिक्री 1 अरब डॉलर के होगी पार

नई दिल्ली। घड़ी और आभूषण निर्माता टाइटन ने घड़ी व्यवसाय को लेकर उम्मीद जताई कि दो वर्षों में इसकी बिक्री एक अरब डॉलर होगी। कंपनी ने कहा कि प्रीमियम उत्पादों को प्रोत्साहन, खुदरा नेटवर्क के विस्तार और अंतर्राष्ट्रीय कारोबार के बल पर यह लक्ष्य हासिल करने की तैयारी है। घड़ी प्रभाग के सीईओ कुरुविल्ला मार्कोस ने बताया कि पिछले चार-पांच वर्षों में कंपनी ने 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। आगे की वृद्धि के लिए कंपनी प्रीमियम खंड पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

बिजनेस ब्रीफ

एनएचपीसी जल्द शुरू करेगी दूसरी इकाई

नई दिल्ली। बिजली कंपनी एनएचपीसी मंगलवार को 2,000 मेगावाट क्षमता वाली सुबनसिरी निचली जलविद्युत परियोजना की दूसरी इकाई का वाणिज्यिक संचालन शुरू करेगी। इसकी लागत 27,000 करोड़ है। एनएचपीसी अरुणाचल और असम की सीमा पर उत्तरी लखीमपुर के पास आठ गुणा 250 मेगावाट क्षमता वाली इस परियोजना का निर्माण कर रही है। यह भारत में अब तक की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना है और यह एक रन-ऑफ-रिवर परियोजना है। यानी नदी के प्राकृतिक प्रवाह को बदले बिना पानी सीधे टरबाइन से होकर गुजरता है और बिजली पैदा होती है।

जेम नीलामी से 2200 करोड़ की संपत्तियां बिकीं

नई दिल्ली। सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक बाजार मंच (जेम) के वायदा नीलामी माड्यूल से 2021 से 2025 के बीच 2,200 करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी संपत्तियों का निपटान किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार जेम के वायदा नीलामी से 13,000 से अधिक नीलामियां आयोजित हुईं, जिनमें 23,000 से अधिक बोलीदाताओं ने भाग लिया। जेम के माध्यम से मंत्रालय, विभाग और सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाएं वस्तुओं और सेवाओं की खरीद करती हैं। यह अपने वायदा नीलामी माड्यूल के माध्यम से सरकारी संपत्तियों के निपटान को सुगम बनाने के लिए नीलामी कराता है।

आईनॉक्स ने वाइब्रेंट का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। आईनॉक्स क्लीन एनर्जी लिमिटेड ने ऑस्ट्रेलिया की मैक्वेरी कॉर्पोरेट होल्डिंग्स और अन्य शेयरधारकों के साथ वाइब्रेंट एनर्जी के अधिग्रहण के लिए अंतिम समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। वाइब्रेंट एनर्जी की कुल स्थापित क्षमता 1,337 मेगावाट है। नोएडा स्थित आईनॉक्सजीएफएल समूह की इस कंपनी ने लेनदेन की राशि सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन उद्योग सूत्रों के अनुसार यह सौदा 5,000 करोड़ में हुआ है। वाइब्रेंट एनर्जी भारत में एक विविध नवीकरणीय ऊर्जा स्वतंत्र बिजली उत्पादक (आरई आईपीपी) है। आईनॉक्स ने बताया कि उसने मैक्वेरी और अन्य शेयरधारकों के साथ वाइब्रेंट एनर्जी की 1,337 मेगावाट की परियोजनाओं के अधिग्रहण के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

कमिंस को डेटा सेंटर में दिख रहा अवसर

मुंबई। विद्युत समाधान प्रदाता कंपनी कमिंस इंडिया ने कहा है कि उसे भारत में डेटा सेंटर व्यवसाय में अच्छा अवसर दिखाई दे रहा है। यह क्षेत्र कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते उपयोग और डेटा स्थानीयकरण (डेटा को देश में ही संग्रहित रखने) से तेजी से बढ़ रहा है। कमिंस इंडिया इंधन इंजन और जनरेटर जैसे उत्पादन के उपकरणों को डिजाइन, निर्माण, वितरण और सेवा प्रदान करने वाले कारोबार से जुड़ी है।

श्याम धानी ने जुटाए 10.9 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। मसाले बनाने वाली कंपनी श्याम धानी ने अपनी शुरुआती शेयर बिक्री से पहले एंकर निवेशकों से 10.9 करोड़ रुपये जुटाए हैं। श्याम धानी ने रविवार को बताया कि कंपनी ने सात संस्थाओं को 15.60 लाख इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं, जिनमें स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया, राजस्थान ग्लोबल सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, सेंट कैपिटल फंड एंड एसबी ऑपर्च्युनिटी फंड शामिल हैं और हर शेयर का निवेशक मूल्य 70 रुपये तय किया गया है।

डॉलर और व्यापक आंकड़े बदलेंगे बाजार की चाल

विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों पर भी होगी घरेलू निवेशकों की नजर

- छुट्टियों के कारण छोटे सप्ताह में बाजार सीमित दायरे में कर सकता है कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां, डॉलर की चाल और वैश्विक व्यापक आर्थिक आंकड़ों से इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताते हुए कहा कि छुट्टियों के कारण छोटे सप्ताह में शेयर बाजार सीमित दायरे में कारोबार कर सकते हैं।

विशेषज्ञ ने कहा कि क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के कारण कई वैश्विक बाजारों में सुस्त गतिविधि देखने को मिल सकती है। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को क्रिसमस के अवसर पर बंद रहेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह साल के अंत के त्योहारी दौर से कारोबार सीमित रह सकता है। घरेलू स्तर पर बाजार अवसंरचना क्षेत्र के आंकड़ों के साथ ही बैंक ऋण वृद्धि, जमा वृद्धि और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े आंकड़ों पर नजर रखेंगे। मुद्रा की चाल और कच्चे तेल की कीमतें भी अहम कारक बनी रहेंगी। वैश्विक स्तर पर प्रमुख बाजारों, विशेषकर अमेरिका के प्रदर्शन पर नजर रहेगी।

एनरिच मनी के सीईओ पोनमुदी आर ने कहा कि मजबूत घरेलू नकदी गहरे नकारात्मक जोखिमों से बचाव का काम कर रही है, वहीं अगर विदेशी निवेशकों की वापसी होती है तो बाजार में तेजी का अगला दौर देखा जा सकता है। अपेक्षा से कम अमेरिकी महंगाई के बाद बाजार की धारणा सकारात्मक हुई है, और यह माहौल भारत सहित उभरते बाजारों के लिए अनुकूल रहा है।

एफपीआई ने बाजार से निकाले 23,377 करोड़ रुपये

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने बीते सप्ताह भारतीय पूंजी बाजार से 23,377 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। सीडीएसएल के मुताबिक एफपीआई ने 14,185 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची है। डेट में भी वे शुद्ध रूप से बिकवाल रहे हैं। वहीं, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड इनस्ट्रूमेंट्स में उन्होंने लिवाली की। डेट से उन्होंने कुल 9,682 करोड़ रुपये निकाले। वहीं म्यूचुअल फंड में उन्होंने 77 करोड़ रुपये और 420 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। दो महीने के अंतराल के बाद एफपीआई दिसंबर में शुद्ध रूप से बिकवाल रहने की तरफ बढ़ रहे हैं। उन्होंने जितनी पूंजी लगाई है उससे ज्यादा निकाली है। इससे पहले नवंबर में उन्होंने 4,114 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 35,246 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। इस कैलेंडर वर्ष में एफपीआई ने कुल 68,628 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। इस दौरान इक्विटी से उन्होंने 1,51,677 करोड़ रुपये निकाले हैं। वहीं, डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड इनस्ट्रूमेंट्स में उनका निवेश सकारात्मक रहा है।

शीर्ष 6 मूल्यवान कंपनियों की पूंजी 75,257 करोड़ रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में छह का संयुक्त बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह 75,256.97 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टीसीएस और इन्फोसिस को अधिक लाभ हुआ। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस और लार्सन एंड टुब्रो लाभ में रहे। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही।

ऊर्जा खपत में 2047 तक कोयले का हिस्सा घटकर 30-35% होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

- भविष्य में वृद्धि के लिए जीवाश्म ईंधन का जिम्मेदारी से और संतुलित उपयोग बेहद जरूरी

विशेषज्ञों ने देश की ऊर्जा खपत में कोयले की हिस्सेदारी 2047 तक घटकर 30-35 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। उनका कहना है कि भविष्य में वृद्धि के लिए जीवाश्म ईंधन का जिम्मेदारी से और संतुलित उपयोग बेहद जरूरी है।

इस समय भारत के बिजली उत्पादन में कोयले की हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने एक अरब टन से अधिक कोयला उत्पादन किया, जबकि कुल बिजली उत्पादन में कोयला आधारित बिजली का योगदान 72 प्रतिशत रहा। कोल इंडिया लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक पीएम प्रसाद ने कहा कि आने वाले तीन से चार दशकों में प्राथमिकता उत्सर्जन को कम करने और जहां संभव हो, बेहतर और स्वच्छ तकनीकों को अपनाने की होनी चाहिए। 2047 तक कोयले की हिस्सेदारी मौजूदा स्तर से घटकर 30-35% रह जाएगी। इसे देखते हुए जब तक कोयले का उपयोग होता रहेगा, तब तक इसका जिम्मेदारी से और पर्यावरण अनुकूल तरीके से इस्तेमाल करना जरूरी है। प्रसाद वर्तमान में टिकाऊ कोयले के लिए वैश्विक गठबंधन फ्यूचरकोल की भारत इकाई के चेयरमैन हैं। कोल इंडिया लिमिटेड और गेनवेल इंजीनियरिंग के सहयोग से शुरू की गई फ्यूचरकोल की भारत इकाई टिकाऊ कोयले को बढ़ावा दे रही है।

प्रमुख खनिजों की खोज के लिए बजट दे सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- संसदीय समिति ने सरकारी कंपनी आईआरईएल इंडिया का किया बजटीय समर्थन

वैश्विक स्तर पर दुर्लभ पृथ्वी तत्वों की बढ़ती मांग के बीच एक संसदीय समिति ने सरकार से कहा है कि वह महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और खनन को प्राथमिकता देने के लिए सरकारी कंपनी आईआरईएल इंडिया को बजटीय समर्थन बढ़ाए। परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत आने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आईआरईएल इंडिया देश की एकमात्र कंपनी है, जो दुर्लभ पृथ्वी अयस्कों के खनन और उन्हें परिष्कृत करने का काम करती है।

कोयला, खान और इस्पात संबंधी स्थायी समिति ने अपनी ताजा रिपोर्ट में सरकार से इस क्षेत्र में घरेलू उपलब्धता, पहचान, खोज और आर्थिक व्यवहार्यता के लिए रणनीति तैयार करने को भी कहा है, ताकि देश की आयात पर निर्भरता कम की जा सके। दुर्लभ पृथ्वी खनिज सामान्य रूप से धात्विक तत्वों का एक समूह होते हैं, जिन्हें निकालना और प्रसंस्करण करना कठिन और महंगा होता है। इनका उपयोग पवन ऊर्जा टरबाइन, हाइब्रिड कार बैटरियां, इलेक्ट्रिक मोटर, सौर ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में किया जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार को आईआरईएल जैसी मौजूदा संस्थाओं को लक्षित बजटीय आवंटन के माध्यम से मजबूत करने पर विचार करना चाहिए, ताकि दुर्लभ पृथ्वी तत्वों की खोज और खनन को प्राथमिकता दी जा सके। समिति ने सुझाव दिया कि खान मंत्रालय को दुर्लभ पृथ्वी खनिज क्षेत्र में तकनीकी जानकारी और खनिज प्रसंस्करण क्षमताओं के हस्तांतरण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर भी विचार करना चाहिए।

बायोगैस क्षेत्र में 5,000 करोड़ के निवेश की उम्मीद : आईबीए

नई दिल्ली। भारतीय बायोगैस एसोसिएशन (आईबीए) ने कहा कि निवेशकों और हितधारकों की मजबूत रुचि से 2026-27 में बायोगैस क्षेत्र में 5,000 करोड़ से अधिक का निवेश होने की उम्मीद है। उद्योग निकाय ने कहा कि अब तक 100 से अधिक कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र शुरू हो चुके हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार 94 सीबीजी संयंत्रों ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 31,400 टन से अधिक सीबीजी की बिक्री की। इससे वृद्धि और बाजार में स्वीकार्यता का ठोस प्रमाण मिलता है। वहीं, छोटे पैमाने के पारंपरिक बायोगैस उपक्रमों में दक्षता सुधार और क्षमता उपयोग की पर्याप्त गुंजाइश है। आईबीए को सीबीजी सुविधाओं के बड़े पैमाने पर चालू होने, कच्चे माल की प्रभावी आपूर्ति और बायोगैस को तेजी से अपनाने के लिए समन्वित नीति ढांचे की उम्मीद है।

सर्किट लिमिट : शेयर बाजार पर नियंत्रण की व्यवस्था

सर्किट लिमिट शेयर बाजार की एक अहम व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य अचानक होने वाले तेज उतार–चढ़ाव से निवेशकों को बचाना और बाजार में स्थिरता बनाए रखना है। जब किसी शेयर या पूरे बाजार में तय सीमा से अधिक तेजी या गिरावट आती है, तो सर्किट लिमिट लागू हो जाती है और ट्रेडिंग अस्थायी रूप से रोक दी जाती है। समय–समय पर सर्किट लिमिट में बदलाव किए जाते हैं ताकि बाजार की बदलती परिस्थितियों, निवेशकों की संख्या और तकनीकी विकास के अनुरूप नियमों को प्रभावी बनाया जा सके। सर्किट लिमिट बदलाव का सीधा असर निवेशकों की रणनीति, बाजार की तरलता और जोखिम प्रबंधन पर पड़ता है, इसलिए इस विषय को समझना हर निवेशक के लिए जरूरी है।

खरीद–फरोख्त पर रोक

शेयर बाजार में सर्किट लिमिट का मतलब उस अधिकतम सीमा से है, जिसके भीतर किसी शेयर या सूचकांक की कीमत एक दिन में ऊपर या नीचे जा सकती है। यदि कीमत इस सीमा को छू लेती है, तो उस शेयर में आगे की ट्रेडिंग रोक दी जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य घबराहट में होने वाली खरीद–फरोख्त को नियंत्रित करना और निवेशकों को सोचने का समय देना है।

पुराने नियमों में बदलाव

सर्किट लिमिट बदलाव बाजार नियामक संस्थाओं द्वारा किया जाता है। जब बाजार में भागीदारी बढ़ती है, नई तकनीक आती है या अस्थिरता ज्यादा होती है, तब पुराने नियम पर्याप्त नहीं रह जाते। ऐसे में सर्किट लिमिट की प्रतिशत, समय या दायरे में बदलाव जरूरी होता है। उदाहरण के लिए कुछ शेयरों में पहले 5% की सर्किट लिमिट थी, जिसे बाद में 10 या 20% तक बढ़ाया गया, ताकि ट्रेडिंग लचीली हो सके।

जोखिम प्रबंधन

सर्किट लिमिट में बदलाव का सबसे बड़ा प्रभाव निवेशकों की रणनीति पर पड़ता है। कम सर्किट लिमिट होने पर शेयर जल्दी फंस सकता है, जिससे निवेशक चाहकर भी खरीद या बिक्री नहीं कर पाते। वहीं अधिक सर्किट लिमिट होने से कीमतें तेजी से ऊपर–नीचे जा सकती हैं, जिससे जोखिम भी बढ़ता है। इसलिए निवेशकों को ऐसे बदलावों के बाद अपने जोखिम प्रबंधन पर खास ध्यान देना चाहिए।

मूवमेंट की संभावना

बाजार के नजरिए से देखा जाए तो सर्किट लिमिट बदलाव से तरलता प्रभावित होती है। ज्यादा लचीली सर्किट लिमिट से ट्रेडिंग वॉल्यूम बढ़ सकता है, क्योंकि निवेशकों को कीमतों में ज्यादा मूवमेंट की संभावना दिखती है। दूसरी ओर, बहुत सख्त सर्किट लिमिट बाजार को सुस्त बना सकती है। संतुलन बनाना यहां सबसे अहम होता है।

बदलाव को समझना जरूरी

छोटे निवेशकों के लिए सर्किट लिमिट बदलाव को समझना जरूरी है। कई बार अफवाहों या अचानक खबरों के कारण शेयर तेजी से सर्किट में पहुंच जाते हैं। ऐसे में बिना जानकारी के निवेश करना नुकसानदेह हो सकता है। बेहतर है कि निवेशक कंपनी के मूलभूत आंकड़ों, बाजार की स्थिति और सर्किट लिमिट नियमों को ध्यान में रखकर फैसला लें।

भारत ने 50 गीगावॉट नवीकरणीय क्षमता जोड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दो लाख करोड़ का निवेश कर पेरिस समझौते के तहत तय 2030 की समयसीमा से पांच साल पहले हासिल किया लक्ष्य

2025 में प्रमुख वैश्विक शक्तियों ने नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर कम किया, जबकि इस दौरान भारत ने एक बड़ा मुकाम हासिल किया। भारत की स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से आने लगा है। उसने यह लक्ष्य पेरिस समझौते के तहत तय 2030 की समयसीमा से पांच साल पहले हासिल कर लिया।

दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता अब करीब 510 गीगावॉट हो गई है, जिसमें 247 गीगावॉट जीवाश्म ईंधन आधारित और 262 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से है। गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों में 254 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा से है। भारत ने 2025 में लगभग 50 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ी, जिसके लिए करीब दो लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया। इससे देश की कुल गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता लगभग 262 गीगावॉट तक पहुंच गई।

सरकार को उम्मीद है कि 2026 में भी इसी रफ्तार से क्षमता जोड़ी जाएगी। हालांकि भूमि अधिग्रहण, मार्ग अधिकार और बिजली खरीद समझौतों (पीपीए) पर हस्ताक्षर में देरी जैसी चुनौतियां नई परियोजनाओं को सीमित कर रही हैं, जिससे लक्ष्य को हासिल करने में कुछ बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। लेकिन सरकार को उम्मीद है कि वह 2026 तक इसे हासिल कर लेगी।

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में 2025 में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें जनवरी से नवंबर के बीच करीब 45 गीगावॉट नवीकरणीय क्षमता जोड़ी गई। इसमें लगभग 35 गीगावॉट सौर ऊर्जा का योगदान रहा। दिसंबर के अंत तक हम करीब 48–50 गीगावॉट पर पहुंच जाएंगे।

2026 में भी गति बनी रहने की उम्मीद

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री जोशी ने कहा कि भविष्य उज्ज्वल है और नवीकरणीय ऊर्जा से सभी संयंत्र संचालित होंगे। 2026 में भी यह गति बनी रहने की उम्मीद है। उद्योग के अनुमान के मुताबिक प्रति मेगावॉट निवेश आवश्यकता लगभग चार करोड़ रुपये है। इस तरह 50 गीगावॉट क्षमता जोड़ने के लिए दो लाख करोड़ का निवेश किया गया। प्रीमियर एनर्जीज के मुख्य व्यवसाय अधिकारी विनय रुस्तगी ने कहा कि 2025 नवीकरणीय ऊर्जा के लिए बेहद सक्रिय साल रहा है। नई परियोजनाओं को चालू करने की रफ्तार पिछले साल की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ी, जिसमें प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना और प्रधानमंत्री कुसुम योजना से बड़ा प्रोत्साहन मिला।

व्यवसायिक प्रक्रियाओं का संचालन 2026 तक करेगी स्वायत्त एआई : विप्रो सीटीओ

नई दिल्ली, एजेंसी

- संध्या अरुण बोलीं- कंपनियां अब छोटे प्रयोगों से निकलकर संगठन में एआई के प्रयोग पर दे रहीं ध्यान

विप्रो की मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी संध्या अरुण ने कहा कि 2026 तक वैश्विक प्रौद्योगिकी में बड़ा बदलाव आएगा। अरुण के अनुसार कंपनियां अब अलग-अलग कृत्रिम मेधा (एआई) प्रयोगों से आगे बढ़कर स्वायत्त एआई के युग में प्रवेश करेंगी, जिसमें स्वतंत्र एआई एजेंट जटिल व्यावसायिक प्रक्रियाओं का संचालन करेंगे।

अरुण ने बताया कि 2025 में सृजनात्मक एआई का आधार तैयार हुआ, लेकिन 2026 में इसका मुख्य ध्यान बड़े पैमाने पर व्यवसायिक कार्यों में एआई के उपयोग पर होगा। कंपनियां अब छोटे प्रयोगों से निकलकर पूरे संगठन में एआई के प्रयोग पर ध्यान दे रही हैं। एआई 2026 तक एजेंट आईटी, मानव संसाधन, वित्त, विपणन और आपूर्ति श्रृंखला जैसे कार्यों को संभालेंगे। अरुण ने कहा कि एआई के अधिक स्वायत्त होने से मानव कर्मचारियों की भूमिका बदल जाएगी। अब उनका काम केवल कार्य निष्पादन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वे एआई के संचालन और समन्वय की भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि उद्योग-विशेष एआई मॉडल सामान्य प्रयोजन मॉडल से अधिक सटीक और कम खर्चीले होंगे। प्रोग्राम योग्य मुद्रा और क्वांटम प्रौद्योगिकी भी भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

अरुण ने चेतावनी दी कि एआई-प्रधान दुनिया में कंपनियों की सफलता कार्यबल की तत्परता पर निर्भर करेगी। लगातार प्रशिक्षण, मानव-मशीन सहयोग और नई क्षमताओं का प्रयोग करने वाले कर्मचारी सबसे अधिक सफल होंगे। जो कंपनियां अपने कर्मचारियों में निवेश करेंगी, नवाचार में नियंत्रण लागू करेंगी और अपने संचालन को एआई के अनुसार बदलेंगी, वे भविष्य में सबसे सफल होंगी।

2026-27 में होगा आवास ऋण बही 10 लाख करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी

- 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में बढ़ रही एसबीआई

देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का आवास ऋण पोर्टफोलियो मजबूत मांग और कम ब्याज दर व्यवस्था के कारण अगले वित्त वर्ष में 10 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर सकता है। एसबीआई के चेयरमैन सीएस सेट्टी ने कहा कि इस वक्त बैंक की आवास ऋण बही नौ लाख करोड़ रुपये से अधिक है। यह बैंक की सबसे बड़ी एकल व्यावसायिक इकाई है और कुल परिसंपत्तियों का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ एसबीआई अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 10 लाख करोड़ रुपये के आवास ऋण पोर्टफोलियो के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में बढ़ रहा है। एसबीआई का आवास ऋण पोर्टफोलियो पिछले महीने नौ लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में बैंक की आवास ऋण बही 8.31 लाख करोड़ रुपये की थी। इस दौरान सालाना आधार पर 14.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

एसबीआई ने पिछले कई वर्षों के दौरान स्थिर तरीके से अपना आवास ऋण पोर्टफोलियो तैयार किया है। यह आंकड़ा मार्च 2011 में एक लाख करोड़ रुपये से बढ़कर नवंबर 2025 में नौ लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा। इसके अलावा बैंक लगातार सक्रिय निगरानी के कारण इस खंड में गैर निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) को एक प्रतिशत से कम रखने में सफल रहा है।

एसएमसी का मकसद नियामकीय अनिश्चितता को खत्म करना : सेबी

नई दिल्ली। प्रतिभूति बाजार संहिता (एसएमसी) विधेयक पूंजी बाजार नियामक सेबी की प्रवर्तन सीमा को तय करता है और निरीक्षण तथा जांच पर आठ साल की वैधानिक सीमा लगाता है। इसका मकसद बाजार भागीदारों पर रहने वाले नियामकीय दबाव को रोकना है। समयसीमा उन मामलों पर लागू नहीं होगी, जिनका प्रतिभूति बाजार पर प्रभाव है।

समय सीमा तय करने के अलावा यह विधेयक समयबद्ध प्रवर्तन ढांचा भी पेश करता है। इसके तहत सेबी को 180 दिनों के भीतर जांच पूरी करनी होगी। साथ ही निवेशक संरक्षण को मजबूत करते हुए लोकपाल आधारित शिकायत निवारण तंत्र की शुरुआत की गई है। पिछले सप्ताह लोकसभा में पेश किए गए विधेयक के अनुसार सेबी को वार्षिक अधिशेष का 25 प्रतिशत खर्चों के लिए एक रिजर्व कोष में रखना होगा।

जिंक बाजार

ऊंचे दाम होने से सरसों में लिवाली कमजोर, कारोबारी धारणा हुई प्रभावित

सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल व पाम-पामोलीन में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

- बड़ी मिलों के दामों में उतार-चढ़ाव पैदा करने से छोटी मिलों का कामकाज प्रभावित

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में ऊंचे भाव के कारण मांग प्रभावित रहने की वजह से सरसों तेल-तिलहन तथा लागत से कम दाम पर बिकवाली होने से सोयाबीन तेल तथा सर्दी में मांग प्रभावित रहने से कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम में गिरावट रही। दूसरी ओर, सर्दी में सोयाबीन के डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन तथा अच्छी गुणवत्ता वाले मूंगफली की मांग बढ़ने से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में सुधार दर्ज हुआ।

बाजार सूत्रों ने कहा कि ऊंचे दाम होने के कारण सरसों में लिवाली कमजोर है। इससे कारोबारी धारणा भी प्रभावित हुई है। सरसों की बड़ी मिलें दामों में उतार-चढ़ाव पैदा करने में लगी हैं जिससे तेल की छोटी मिलों का कामकाज प्रभावित हो रहा है। सरकार को सरसों की आगामी फसल की खरीद करने के मकसद से अपने पहले के स्टॉक को खाली करने की ओर ध्यान देना होगा। सूत्रों ने कहा कि कमजोर हाजिर दाम होने की वजह से किसान बाजार में आवक कम ला रहे हैं। दूसरा, सर्दियों में सोयाबीन डीओसी की मांग सामान्य तौर पर बढ़ जाती है। इन वजहों से समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तिलहन के दामों में सुधार आया उन्होंने कहा कि दूसरी ओर, आयातकों द्वारा निरंतर लागत से कम दाम पर बिकवाली करने से सामान्य कारोबारी धारणा प्रभावित रहने के कारण बीते सप्ताह सोयाबीन तेल के दाम में गिरावट रही। वैसे सोयाबीन के हाजिर दाम एमएसपी से लगभग 14-15 प्रतिशत नीचे हैं और हल्के तेलों (साफ्ट आयल) में यह सबसे सस्ता है।

घाटे के कारोबार के लंबे सिलसिले के कारण दिसंबर में सोयाबीन तेल का आयात कम हुआ है और आने वाले महीनों में यह और कम होने की संभावना है। यह एक अजीब बिडंबना है कि जिस देश में खाद्यतेलों की लगभग 60 प्रतिशत की कमी हो, वहां आयातकों को काफी लंबे समय तक लागत से नीचे दाम पर खाद्यतेल बेचना पड़े। इस पहेली को सुलझाने में ही खाद्यतेल-तिलहन कारोबार का बेहतर भविष्य का रास्ता प्रशस्त हो सकता है।

सर्दी में मांग बढ़ने से मूंगफली तेल-तिलहन में सुधार

सूत्रों ने कहा कि मूंगफली का हाजिर दाम एमएसपी से 15-16 प्रतिशत नीचे है। लेकिन अच्छी गुणवत्ता के मूंगफली की सर्दी में मांग बढ़ने से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में सुधार है। उन्होंने कहा कि पाम-पामोलीन तेल के मामले में सट्टेबाज बाजार में सक्रिय हैं। इससे पहले ये सट्टेबाज बाजार में पाम-पामोलीन का दाम ऊंचा बोल रहे थे। सर्दी में पाम पामोलीन की मांग वैसे भी कमजोर रहती है। मांग प्रभावित रहने से बीते सप्ताह पाम-पामोलीन के दाम में गिरावट आई। सुस्त कामकाज के बीच बिनौलातेल के दाम स्थिर बने रहे। सूत्रों ने कहा कि समीक्षकों को पाम-पामोलीन में तेजी की संभावना व्यक्त करते पाया जाता था। लेकिन हकीकत में पाम-पामोलीन के दाम टूट रहे हैं। जब तथ्य अनुमान के उलट हों तो इन समीक्षकों का मौन संदेह पैदा करता है कि इनके हित कहां जुड़े हैं। बीते सप्ताह सरसों दाना 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,925-7,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 25 रुपये की गिरावट के साथ 14,475 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 2,430-2,530 रुपये और 2,430-2,575 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

जिनेवा स्थित भारत के स्थायी मिशन में की गई दो करोड़ रुपये की हेराफेरी

- सीबीआई ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर शुरू की जांच

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जिनेवा स्थित भारत के स्थायी मिशन में तैनात एक पूर्व लेखा अधिकारी द्वारा दो लाख स्विस फ्रैंक (लगभग दो करोड़ रुपये) से अधिक की धोखाधड़ी की जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि उसने इस राशि का इस्तेमाल अपने क्रिप्टो-जुआ कारोबार को वित्तपोषित करने के लिए किया।

अधिकारियों ने बताया कि मोहित ने 17 दिसंबर, 2024 को जिनेवा

स्थित स्थायी मिशन में सहायक अनुभाग अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला था और उन्हें यूनियन बैंक ऑफ स्विट्जरलैंड में भुगतान निर्देशों को व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जहां मिशन के खाते में राशि अमेरिकी डॉलर और स्विस फ्रैंक में जमा की जाती है। उन्होंने बताया कि यह विसंगति सीएचएफ खाते में पाई गई। मिशन ने स्विस वेंडर को उनके चालानों के आधार पर सीएचएफ में भुगतान किया, जिन पर वेंडर के बैंक और चालान विवरण को कोडित करने वाले पूर्व-मुद्रित क्यूआर कोड थे। अधिकारियों के मुताबिक क्यूआर कोड की भौतिक प्रति, डीडीओ तुषार लकरा द्वारा हस्ताक्षरित भुगतान निर्देश पर्चियां, आवश्यक भुगतान करने के लिए यूबीएस को जमा की जाती हैं। उन्होंने बताया कि एक ही बैंक भुगतान निर्देश पर्ची के अंतर्गत कई क्यूआर कोड संकलित करना एक सामान्य प्रक्रिया थी और मोहित को क्यूआर कोड और भुगतान निर्देश पर्चियों को स्वयं यूबीएस ले जाने का कार्य सौंपा गया था।

व्हाट्सएप पर भी हैकर्स की निगाह

मोबाइल फोन पर व्हाट्सएप का इस्तेमाल कर रहे उपभोक्ताओं को अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है। आपके व्हाट्सएप पर हैकर्स की निगाह है जो जरा सी लापरवाही पर आपके एप को हैक कर आपकी निजी वीडियो, फोटो और चैट आदि को चुराकर सार्वजनिक कर सकते हैं। उनका आपराधिक दुरुपयोग कर आपको ब्लैकमेल भी कर सकते हैं। इस संकट की ओर भारतीय साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-आईएन ने आगाह किया है। एजेंसी का कहना है कि आपके व्हाट्सएप में एक डिवाइस लिंकिंग फीचर है जिसकी खामियों का बेजा इस्तेमाल कर हैकर्स आपकी व्यक्तिगत जानकारी हासिल कर सकते हैं। एजेंसी का कहना है कि उक्त खामी का फायदा उठाकर हैकर्स किसी भी व्हाट्सएप अकाउंट पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर सकते हैं। ऐसे में इस ओर बहुत सतर्कता बरतने की जरूरत है।

यूजर्स बरतें सावधानी

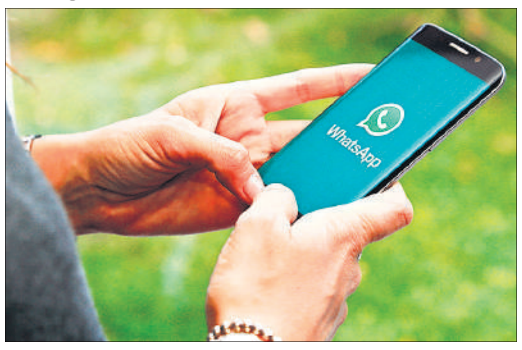

व्हाट्सएप को ऐसे रखें सुरक्षित

- अपने मोबाइल को दो-फैक्टर ऑथेंटिकेशन सक्षम करें, यह आपके अकाउंट को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा अपने फोन के पिन नंबर को सुरक्षित रखें और उसे किसी के साथ साझा न करें। फिशिंग लिंक और अज्ञात नंबरों से सावधान रहें। अपने डिवाइस को अपडेट रखें और मालवेयर स्कैन करें। व्हाट्सएप को आधिकारिक वेबसाइट से ही डाउनलोड करें। अज्ञात डिवाइस से लॉगिन न करें और अपने अकाउंट को सुरक्षित रखें। अपने मोबाइल के पासवर्ड को नियमित रूप से बदलते रहें।

इस तरह से हो सकती है हैकिंग

- फिशिंग अटैक : हैकर्स आपको एक फिशिंग लिंक भेज सकते हैं जो आपके व्हाट्सएप अकाउंट की जानकारी चोरी कर सकता है।
- एसएमएस हैकिंग : हैकर्स आपके फोन नंबर को हैक करके व्हाट्सएप का वेरिफिकेशन कोड प्राप्त कर सकते हैं।
- मालवेयर : हैकर्स आपके डिवाइस में मालवेयर इंस्टॉल कर सकते हैं जो आपके व्हाट्सएप अकाउंट की जानकारी चोरी कर सकता है।

क्या है डिवाइस लिंकिंग

- व्हाट्सएप का डिवाइस लिंकिंग फीचर आपको अपने व्हाट्सएप अकाउंट को एक से अधिक डिवाइस में इस्तेमाल करने की अनुमति देता है। इसके माध्यम से आप अपने फोन के अलावा टैबलेट, डेस्कटॉप या दूसरे फोन में भी व्हाट्सएप चला सकते हैं। इस फीचर से आप अपने अकाउंट को एक प्राइमरी डिवाइस (फोन) से लिंक कर सकते हैं और फिर अन्य डिवाइस में व्हाट्सएप वेब या डेस्कटॉप एप के जरिए लॉगिन कर सकते हैं। जब आप किसी नए डिवाइस में लॉगिन करते हैं, तो आपको क्यूआर कोड स्कैन करना होता है जो आपके प्राइमरी फोन पर दिखाई देता है।

घोस्ट पेयरिंग

- डिवाइस लिंकिंग के माध्यम से किए जाने वाले हैकिंग को घोस्ट पेयरिंग भी कहते हैं। पेयरिंग के लिए प्रमाणीकरण की आवश्यकता होती है लेकिन दुर्भावनापूर्ण तत्व प्रमाणीकरण के बिना ही पेयरिंग कोड का उपयोग करके व्हाट्सएप अकाउंट कर ले रहे हैं। इसके लिए वे व्हाट्सएप की डिवाइस लिंकिंग सुविधा का ही फायदा उठा रहे हैं। इसमें साइबर अपराधी को पासवर्ड या सिम स्वैप की भी जरूरत नहीं पड़ती है।

वर्ल्ड ब्रीफ

श्रीलंकाई रेडियो सेवा के पूरे हुए 100 वर्ष

कोलंबो। हिंदी फिल्म संगीत को बिनाका गीतमाला जैसे अनूठे साप्ताहिक कार्यक्रम के जरिये लोकप्रिय बनाने वाली श्रीलंका की रेडियो सेवा ने इस हफ्ते अपने सौ वर्ष पूरे कर लिए। श्रीलंका की यह रेडियो सेवा पूरे भारत में कभी रेडियो सीलोन के नाम से लोकप्रिय थी। श्रीलंका की रेडियो सेवा आधिकारिक तौर पर 16 दिसंबर, 1925 को शुरू की गई थी। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, यह एशिया का पहला व्यावसायिक शॉर्ट-वेव स्टेशन था। श्रीलंका ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन ने कहा कि राष्ट्रीय रेडियो के पास एशिया में रिकॉर्ड किए गए गानों का सबसे बड़ा संग्रह है।

तुर्किए में सड़क हादसे में पांच मरे, एक घायल

इस्तांबुल। तुर्किए के पश्चिमी प्रांत कैनाक्कले में रविवार तड़के पुलिस की रूकने की चेतावनी को नजरअंदाज कर वाहन गलत दिशा में ले जाने के मामले में सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गयी और एक अन्य घायल हो गया। यह दुर्घटना लैपसेकी जिले और कैनाक्कले शहर के केंद्र को जोड़ने वाले एक राजमार्ग पर हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक ड्राइवर ने रुकने के पुलिस आदेश का पालन नहीं किया और भागने की कोशिश की। पुलिस ने उसका पीछा किया।

जापान के अमोरी प्रांत में 5.5 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो। उत्तरी जापान के अमोरी प्रान्त के तट पर रविवार को 5.5 की तीव्रता वाला भूकंप आया। जापान मौसम एजेंसी के अनुसार भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 10:29 बजे अमोरी के प्रशांत तट पर 50 किमी की गहराई में आया। भूकंपीय पैमाने पर इसकी तीव्रता 4 मापी गई। भूकंप का केंद्र 40.7 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 142.3 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। इसे लेकर सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

वेस्ट बैंक में 19 यहूदी बस्तियों को मंजूरी

तेल अवीव। इजराइल के धुर दक्षिणपंथी वित्त मंत्री ने बताया कि उनके देश के मंत्रिमंडल ने रविवार को कब्जे वाले वेस्ट बैंक में 19 नयी बस्तियों की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्री बेत्जालेल स्मोट्रिच के अनुसार, इन बस्तियों में दो ऐसी बस्तियां भी शामिल हैं जिन्हें 2005 की सैन्य वापसी योजना के दौरान खाली कराया गया था। स्मोट्रिच वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं।

उच्चायोग की सुरक्षा में चूक नहीं दुष्प्रचार न करे बांग्लादेशी मीडिया

विदेश मंत्रालय ने कहा-भारत विदेशी मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध

- बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों पर जताई कड़ी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग की सुरक्षा के बारे में बांग्लादेशी मीडिया में किए जा रहे दुष्प्रचार पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि उच्चायोग की सुरक्षा की स्थिति खराब करने की कोई कोशिश नहीं की गई है और लोगों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के सामने शनिवार को हुए प्रदर्शन के बारे में मीडिया के सवालों के जवाब में रविवार को कहा कि भारत वियना कन्वेंशन के अनुसार अपने क्षेत्र में विदेशी मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी मीडिया इस बारे में दुष्प्रचार कर लोगों को गुमराह कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि हमने इस घटना पर बांग्लादेशी मीडिया के कुछ हिस्सों में गुमराह करने वाला दुष्प्रचार देखा है। सच यह है कि 20 दिसंबर को नई दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमीशन के सामने लगभग 20-25 युवा इकट्ठा हुए और उहोंने मैमनसिंह में दीपू चंद्र दास की भयानक हत्या के विरोध में नारे लगाए, साथ ही बांग्लादेश में सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की भी मांग की। किसी भी समय बाड़ तोड़ने या सुरक्षा की स्थिति खराब करने की कोई कोशिश नहीं की गई। मौके पर मौजूद पुलिस ने कुछ ही मिनटों में ग्रुप को तितर-बितर कर दिया। इन घटनाओं के विजुअल सबूत सभी के देखने के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। भारत वियना कन्वेंशन के अनुसार अपने क्षेत्र में विदेशी मिशनों/पोस्टों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश में बदलती स्थिति पर कड़ी नज़र रखे हुए है। उन्होंने कहा कि हमारे अधिकारी बांग्लादेशी अधिकारियों के संपर्क में हैं और हमने अल्पसंख्यकों पर हमलों पर कड़ी चिंता जताई है। हमने यह भी आग्रह किया है कि दास की बर्बर हत्या के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। कुछ लोगों ने शनिवार रात बांग्लादेश उच्चायोग के सामने प्रदर्शन किया और वहां की अंतरिम सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

बंगबंधु हॉस्टल का नाम उस्मान हादी किया गया

ढाका। ढाका विश्वविद्यालय के बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान छात्रावास का नाम बदलकर शरीफ उस्मान हादी के नाम पर रख दिया गया है। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, छात्रावास (हॉल) में रहने वाले छात्रों के संगठन हॉल यूनियन ने शनिवार को मुख्य द्वार पर लगी नामपट्टिका को हटाकर उसकी जगह शहीद शरीफ उस्मान हादी हॉल की नई नामपट्टिका लगा दी। उन्हें 12 दिसंबर को ढाका के बिजयनगर इलाके में एक चुनावी अभियान के दौरान नकाबपोश बंदूकधारियों ने सिर में गोली मार दी थी। सिंगापुर में इलाज के दौरान गुरुवार को उनका निधन हो गया। उनकी मृत्यु के बाद पूरे बांग्लादेश में हमले और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। छात्रों ने छात्रावास की मुख्य इमारत पर बने बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के भित्तिचित्र पर पेंट कर दिया। हॉल काउंसिल के उपाध्यक्ष मुस्लिमुर रहमान ने कहा कि हमने छात्रों के फैसले के आधार पर नाम बदला है।

हिंदू युवक की हत्या मामले में दो और गिरफ्तार, अब तक 12 पकड़े गए

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश में एक हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर की गई हत्या के मामले में रविवार को दो और व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। डेली स्टार समाचारपत्र ने पुलिस और रैपिड एक्शन बटालियन के सूत्रों के हवाले से बताया कि हालिया गिरफ्तारियों के साथ ही, हत्या में संलिप्तता के आरोप में अब तक 12 लोगों को पकड़ा गया है। कारखाने में श्रमिक के तौर पर कार्यरत दास को गुरुवार को पहले एक भीड़ ने ईशनिंदा के आरोपों में पीटकर मार डाला था और उसके शव को मैमेनसिंह में आग लगा दी थी। पीड़ित के भाई अपू चंद्र दास ने शुक्रवार को भालुका पुलिस थाने में 140-150 अज्ञात लोगों के खिलाफ एक मामला दर्ज कराया। आरोप है कि दास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखा था जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची थी। हालांकि, मैमेनसिंह में आरएबी-14 के कंपनी कमांडर मोहम्मद शम्सुज्जमान ने शनिवार को बताया कि ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे यह संकेत मिले कि दास ने सोशल मीडिया पर ऐसा कुछ पोस्ट किया था जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची हो। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय लोग या कपड़ा कारखाने के अन्य कर्मचारी भी ऐसी किसी गतिविधि की ओर इशारा नहीं कर सके। शम्सुज्जमान ने कहा कि अब हर कोई कह रहा है कि निजी रूप से उसे ऐसा कुछ कहते हुए नहीं सुना।

बाइक पर निकले सेंटा...

क्रिसमस की खुशियां देशभर में शुरू हो गई हैं। लोग अपने-अपने तरीके से खुशी का इजहार कर रहे हैं। रविवार को बेंगलुरु में एक रैली में लोग सेंटा क्लाज की पोशाक पहन बाइक पर निकले और प्रभु यीशु का संदेश दिया।

700 अरब डॉलर से ज्यादा हुई एलन मस्क की संपत्ति

वॉशिंगटन। अमेरिका के उद्योगपति एलन मस्क 700 अरब डॉलर से ज्यादा की सम्पति वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए है। फोर्ब्स मैगज़ीन ने यह जानकारी दी है। डेलावेयर शीर्ष अदालत के मस्क के 2018 टेस्ला स्टॉक विकल्प पैकेज को अमान्य करने वाले निचली अदालत के फैसले को पलटने के बाद मस्क की दौलत बढ़ गई, जिसकी अब कीमत 139 अरब डॉलर है। फोर्ब्स ने कहा कि मस्क की कुल सम्पति 749 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। जो पहले 600 अरब अमरीकी डॉलर से ज्यादा थी।

दक्षिण अफ्रीका के पब में गोलीबारी में नौ की मौत

- बेकर्सडेल कस्बे में हुई घटना में 10 लोग घायल

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के एक पब में शनिवार देर रात बंदूकधारियों के एक समूह द्वारा की गई गोलीबारी में नौ लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य लोग घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शनिवार देर रात एक बजे से ठीक पहले बेकर्सडेल कस्बे में हुई, जो जोहानिसबर्ग से 46 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। दक्षिण अफ्रीका में तीन सप्ताह में गोलीबारी की यह दूसरी घटना है। पुलिस के अनुसार, एक सफेद मिनी-बस और एक सिल्वर रंग की कार में सवार लगभग 12 अज्ञात संदिग्धों ने बेकर्सडेल के टैम्बो इलाके में स्थित क्वानोक्सोलो पब में ग्राहकों पर गोलियां चलाईं। इस घटना में नौ लोगों की मौत हो गई और 10 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। बंदूकधारियों ने सड़कों पर कुछ लोगों को निशाना बना अंधाधुंध गोलीबारी की। प्रांतीय पुलिस आयुक्त फ्रेड केकाना ने बताया कि मृतकों में से एक ऑनलाइन कार-हाइलिंग सेवा का चालक था, जो पब के बाहर खड़ा था।

इमरान ने किया देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान

- तोशखाना केस में खान दंपती को मिली है 17-17 वर्ष की सजा

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने भ्रष्टाचार के एक मामले में उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 17 साल कैद की सजा सुनाए जाने के बाद अपने समर्थकों से देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के लिए तैयार रहने का आग्रह किया।

तोशाखाना 2 भ्रष्टाचार मामले में खान और उनकी पत्नी बुशरा को शनिवार को एक अदालत ने 17-17 साल जेल की सजा सुनाई। तिहत्तर वर्षीय खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। अप्रैल 2022 में सत्ता से बाहर होने के बाद से उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए हैं। खान के एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान के अनुसार, सैन्य शैली में आए मुकदमे के फैसले के बाद खान ने अपने समर्थकों से विरोध प्रदर्शन करने का आग्रह किया। यह पता नहीं चल पाया है कि खान के सोशल मीडिया हैंडल तक पहुंच न होने के चलते बातचीत को उनके खाते पर किसने पोस्ट किया।

अमेरिकी सेनाओं ने तेल टैंकर रोका

वाशिंगटन। अमेरिकी सेनाओं ने शनिवार को वेनेजुएला के तट के पास एक तेल टैंकर को रोक लिया। इस प्रकार की कार्रवाई दो सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार की गई है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर दबाव बढ़ाने के लिए तेल टैंकरों को जब्त किए जाने का हाल में संकल्प लिया था। ट्रंप ने वेनेजुएला में आने-जाने वाले सभी प्रतिबंधित तेल टैंकर को रोकने की घोषणा की थी। अमेरिकी सेनाओं ने 10 दिसंबर को भी वेनेजुएला के तट के पास एक तेल टैंकर को जब्त किया था।

अमेरिकी वेबसाइट से 16 एप्स्टीन फाइलें गायब

- गायब फाइलों में राष्ट्रपति ट्रंप व उनकी पत्नी की तस्वीरें भी थीं

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी विधि विभाग की वेबसाइट के उस विभाग से कम से कम 16 फाइलें गायब हो गई हैं, जहाँ फाइनेंसर जेफरी एप्स्टीन के मामले से संबंधित दस्तावेज प्रकाशित किए गए थे।

अमेरिकी विधि विभाग ने शनिवार को कांग्रेस में डेमोक्रेटिक पार्टी और कई रिपब्लिकन सांसदों के समर्थन से पारित एक कानून के तहत एप्स्टीन मामले की कुछ सामग्री जारी की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एप्स्टीन के साथ संबंध होने का संदेह है, हालांकि अभी तक कोई विशिष्ट सबूत पेश नहीं किया गया है कि अमेरिकी नेता बच्चों के यौन शोषण में शामिल थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, गायब फाइलों में नग्न महिलाओं की पेंटिंग की तस्वीरें शामिल थीं। साथ ही एक ऐसी तस्वीर भी गायब है जिसमें एक ड्रेसर और दराजों पर रखी तस्वीरों की एक श्रृंखला दिखाई गई थी, जिसमें एप्स्टीन, मेलानिया ट्रंप और एपस्टीन की लंबे समय तक सहयोगी रही घिसलेन मैक्सवेल के साथ ट्रंप की एक तस्वीर भी शामिल थी। जुलाई 2019 की शुरुआत में न्यूयॉर्क शहर की एक मैनहट्टन अदालत ने एप्स्टीन को हिरासत में रखने का आदेश दिया था। उसी वर्ष जुलाई के अंत में एप्स्टीन जेल की एक सेल में बेहोशी की हालत में पाया गया था, बाद में उसकी मौत हो गयी थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप।

सेक्स ट्रैफिकिंग का अरोपी था एप्स्टीन

एप्स्टीन पर 2019 में संयुक्त राज्य अमेरिका में सेक्स ट्रैफिकिंग और अपराध करने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था, जिसमें उसे 40 वर्षों से अधिक की जेल का सामना करना पड़ सकता था। अभियोजकों के अनुसार 2002 और 2005 के बीच एपस्टीन ने दर्जनों नाबालिग लड़कियों के साथ यौन संबंध बनाए, जिन्हें उसने न्यूयॉर्क और फ्लोरिडा में अपने आवासों पर बुलाया था। वह उन्हें नकद भुगतान करता था और फिर कुछ पीड़ितों को और लड़कियों को लाने के लिए रिक्रूटर्स के रूप में नियुक्त करता।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 दिसंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 10.51 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

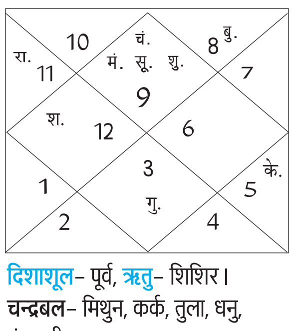

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराषाढ़ा 23 दिसंबर 05.32 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष – आज व्यवसाय में धन कमाने के नए अवसर प्राप्त होंगे। शत्रुओं के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ने वाली है। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। संतान को लेकर थोड़े चिंतित रहेंगे।

वृष – आज अपनी प्रतिभा को निखारने का प्रयास करेंगे। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। प्रेम संबंधों में कड़वाहट बढ़ सकती है। संपत्ति को लेकर परेशानियों का सामना कर पड़ सकता है। छोटी-छोटी बातों पर क्रोध न करें।

मिथुन – आज बेरोजगार लोग जॉब को लेकर थोड़े चिंता में रहेंगे। सोशल मीडिया पर आप काफी सक्रिय रहेंगे। राजनीतिक बहसबाजी के कारण आपके नजदीकी संबंध खराब हो सकते हैं। यात्रा के दौरान असुविधा होने की संभावना बन रही है।

कर्क – आज व्यापारिक डील के लिए समय बहुत अच्छा है। आपकी तार्किक क्षमता में वृद्धि होगी। बुद्धिमान लोगों का सानिध्य प्राप्त होगा। दूसरे शहरों की यात्रा कर सकते हैं। नजदीकी मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार की जरूरतों का ध्यान रखें।

सिंह – आज आप मौसमी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। बोलते समय अपने शब्दों में नियंत्रण रखें। वैवाहिक जीवन काफी अच्छा रहेगा। संपत्ति से जुड़े मामलों के लिए दिन शुभ रहेगा। भोजन में शुद्धता और पौष्टिकता का ध्यान अवश्य रखें।

कन्या – आज कारोबार में नया प्रयोग करने के लिए दिन शानदार है। विवादित मामलों के सुलझने के योग बन रहे हैं। सुख-सुविधाओं में आप काफी धन खर्च कर सकते हैं। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है।

तुला – आज नजदीकी लोग आपकी भावनाओं को ठेस पहुंचा सकते हैं। छोटी-छोटी बातों को लेकर थोड़ा परेशान होना पड़ेगा। आर्थिक स्थिति को लेकर थोड़ा तनाव रहेगा, लेकिन आपको गलत मार्गों का चयन करने से बचना चाहिए।

वृश्चिक – आज आपके व्यवहार से सभी लोग प्रसन्न रहेंगे। आयात-निर्यात संबंधी व्यवसाय से बड़ा लाभ अर्जित कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। जोड़ों में दर्द और गठिया से पीड़ित जातकों के स्वास्थ्य में सुधार आएगा।

धनु – आज मध्यस्थता के जरिए अनेक समस्याओं का समाधान कर लेंगे। आपकी बौद्धिकता दूसरों की समस्याओं का समाधान करने में मदद करेगी। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। व्यावसायिक अनुबंधों के लिए दिन बेहद शुभ है।

मकर – आज धार्मिक कार्यों में आप काफी रुचि लेंगे। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को लेकर काफी सावधान रहेंगे। आपकी अधूरी इच्छाओं को पूरा करने का अवसर प्राप्त होगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव हो सकता है। दूसरों के साथ अपनी तुलना न करें।

कुंभ – आज अधिक सोच-विचार करने के कारण तनाव में आ सकते हैं। मार्केटिंग से जुड़े कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। यदि आपका वजन बढ़ा हुआ है तो योग्य चिकित्सक या न्यूट्रीशन विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य लें।

मीन – आज काम को आगे बढ़ाने को लेकर बेहतरीन अवसर मिलेंगे। अविवाहितों को विवाह प्रस्ताव मिल सकते हैं। रुका हुआ काम पूरा होने से आपका मन शांत रहेगा। समय से पहले महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण कर लेने से मन उत्साहित होगा।

सुडोकू-9

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			4			5	3	
4			8					1
9	2		1		6			4
		2	3			9		
	8	7				3	4	
		1			2	6		
8			9		5		2	3
1					8			7
	3	6			4			

सुडोकू - 8 का हल

2	8	6	1	4	3	9	5	7
9	7	1	5	2	6	3	4	8
3	5	4	7	8	9	1	2	6
7	1	8	3	6	4	2	9	5
6	2	3	9	7	5	4	8	1
4	9	5	2	1	8	7	6	3
5	3	2	8	9	7	6	1	4
1	6	7	4	5	2	8	3	9
8	4	9	6	3	1	5	7	2

> पहले तीन टेस्ट मैचों में उनकी टीम ऑस्ट्रेलिया के जबरदस्त हमले को झेल नहीं सकी। यह वाकई बहुत खराब लगता है। अब यह जानना कि हम यहां जो हासिल करने आए थे, वह नहीं कर सकते यह स्पष्ट तौर पर बहुत निराशाजनक है।
>
> **-बेन स्टोक्स, इंग्लैंड के कप्तान**

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, सोमवार, 22 दिसंबर 2025

हाईलाइट

खेल को राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए : भूटिया

कोलकाता। भारत के पूर्व फुटबॉल कप्तान बाइचुंग भूटिया ने रविवार को यहां साल्ट लेक स्टेडियम में लियोनेल मेस्सी के सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान हुई अव्यवस्था को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि खेल आयोजनों को राजनीतिक और नौकरशाही औपचारिकताओं से ज्यादा प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कोलकाता में एक कार्यक्रम के बाद भूटिया ने कहा कि प्रशंसक राजनीतिक भाषणों या औपचारिक देरी के लिए नहीं बल्कि खेल और खिलाड़ियों को देखने आते हैं। उन्होंने कहा मेरा मानना है कि जब कोई खेल आयोजन होता है तो खेल को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

एमबाप्पे ने रोनाल्डो की बराबरी की

बार्सिलोना। स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबाप्पे ने अपने 27वें जन्मदिन पर साल 2025 में रियल मैड्रिड के लिए अपना 59वां गोल करके एक साल में सबसे अधिक गोल करने के क्लब रिकॉर्ड की बराबरी की, जो कि अब तक क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम पर दर्ज था। फ्रांस के स्ट्राइकर एमबाप्पे के लिए यह उपलब्धि हासिल करना लगभग असंभव रहा था, क्योंकि रियाल मैड्रिड का यह इस साल का आखिरी मैच था। एमबाप्पे ने हालांकि मैच खत्म होने से चार मिनट पहले पेनल्टी किक को गोल में बदलकर रोनाल्डो की बराबरी की जिससे रियाल मैड्रिड ने सेविला पर 2-0 से जीत दर्ज की। रोनाल्डो ने 2013 में यह रिकॉर्ड बनाया था।

मॉरीशस ओपन में 32वें स्थान पर रहे शुभंकर

पोर्ट लुई (मॉरीशस)। शुभंकर शर्मा अफ्रएशिया बैंक मॉरीशस ओपन के अंतिम दिन रविवार को यहां तीन अंडर 69 का स्कोर बनाकर संयुक्त रूप से 32वें स्थान पर रहे। उन्होंने टूर्नामेंट में 74-69-71-69 के कार्ड के साथ कुल पांच अंडर का स्कोर बनाया।

भारत का चैंपियन बनने का सपना लगातार दूसरी बार टूटा

अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान ने 191 रनों से हराया

दुबई, एजेंसी

समीर मिन्हास की तूफानी बल्लेबाजी के बाद तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से पाकिस्तान ने रविवार को यहां अंडर-19 वनडे एशिया कप के एकतरफा फाइनल में भारत को 191 रन के बड़े अंतर से शिकस्त दी। भारतीय टीम का लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का सपना टूट गया। पिछली बार 2024 में बांग्लादेश ने भारत को हराकर फाइनल जीता था।

पाकिस्तान ने इस तरह अपना दूसरा अंडर-19 एशिया कप खिताब जीता। पिछले कुछ समय से चले आ रहे रिवाज को आगे बढ़ते हुए दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मैच के बाद एक-दूसरे का अभिवादन (हाथ मिलाने) करने से परहेज किया।

मिन्हास की 113 गेंद में 17 चौके और नौ छक्के की मदद से बनाये 172 रन के बूते पाकिस्तान ने आठ विकेट पर 347 रन का स्कोर खड़ा करने के बाद भारत को 26.2 ओवर में 156 रन पर आउट कर दिया।

अली रजा (42 रन पर चार विकेट), मोहम्मद सय्याम (38 रन पर दो विकेट) और अब्दुल सुभान (29 रन पर दो विकेट) की पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों तिकड़ी ने आठ विकेट साझा कर भारत के बल्लेबाजों को क्रीज पर समय बिताने का मौका नहीं दिया।

मिन्हास को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उन्होंने कहा यह एक अच्छी पारी थी। मेरे मन में बड़ा स्कोर बनाने का इरादा था और मैं अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहता था। पिच को देखते हुए हम पहले बल्लेबाजी ही करना चाहते थे। यह मेरे लिए बहुत यादगार है। म्हात्रे (दो) के जल्दी आउट होने के बावजूद भारत की पारी की शुरुआत धमाकेदार रही।

वैभव सूर्यवंशी (26) ने रजा की गेंदों पर दो छक्के और एक चौका लगाकर पहले ओवर में 21 रन बनाए। आरोन जॉर्ज (16) ने भी अच्छी शुरुआत की और चौथे ओवर में सय्याम की गेंदों पर लगातार तीन चौके लगाये जिससे टीम चार ओवर के अंदर ही 49 रन तक पहुंच गयी। मैच का रूख चौथे ओवर की आखिरी गेंद पर जॉर्ज के आउट होते ही बदल गया।

सय्याम की शॉट गेंद पर जॉर्ज ने पुल शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद हवा में लहराकर मोहम्मद शयान के हाथों में चली गई। पांचवें ओवर की पहली गेंद पर सूर्यवंशी के आउट होने से भारत को बड़ा झटका लगा। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने रजा की गेंद पर जोरदार शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन अतिरिक्त उछाल के कारण गेंद बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर जहूर हमजा के दस्तानों में जा गिरी। रजा और पाकिस्तान के क्षेत्ररक्षकों ने इस विकेट का जमकर जश्न मनाया। इस दौरान पाकिस्तान के खिलाड़ियों और सूर्यवंशी के बीच कुछ कहा-सुनी भी हुई लेकिन वह निराश मन से मैदान से बाहर चले गए। भारत का स्कोर दो गेंदों के अंतराल में एक विकेट पर 49 रन से तीन विकेट पर 49 रन हो गया। भारतीय बल्लेबाजों ने शुरुआती झटकों के बावजूद गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलने हुए विकेट गंवाना जारी रखा। वेदांत त्रिवेदी (नौ) और कनिष्क चौहान (सात) भी शॉर्ट गेंद पर चलते बने और अभिज्ञान कुंडू (13) के आउट होते ही भारत की उम्मीद खत्म हो गई। टूर्नामेंट में दोहरा शतक जड़ने वाले कुंडू 12 रन मिले जीवनदान का फायदा उठाने में नाकाम रहे।

ट्रॉफी के साथ पाकिस्तान की टीम।

खराब गेंदबाजी का भुगतना पड़ा खामियाजा : म्हात्रे

भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने कहा कि उनकी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन खिताबी मुकाबले में टीम को खराब गेंदबाजी का खामियाजा उठाना पड़ा। हमने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था, लेकिन गेंदबाजी में कुछ अनियमितताएं थीं। हमारी योजना पूरे 50 ओवर खेलने की थी। टीम के खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया।

पाकिस्तान के कप्तान फरहान यूसुफ ने कहा कि लीग चरण में भारत से हार के बावजूद टीम के हौसले बुलंद थे। हम सामूहिक प्रदर्शन से बहुत खुश हैं। हम भारत के खिलाफ पहला मैच हार गए थे, लेकिन हमारे प्रबंधन ने हमसे अच्छी बातचीत की और हम फाइनल मुकाबले को जीतने में कामयाब रहे।

- पाकिस्तानी बल्लेबाज समीर मिन्हास के तूफानी शतक के बाद तेज गेंदबाजों ने दिखाया दम
- सूर्यवंशी (26) ने पहले ओवर में 21 रन बनाकर तेज शुरुआत की पर वह जल्द आउट हो गए

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

पाकिस्तान	347/8	(50 ओवर)
भारत	156/10	(26.2 ओवर)

1989 में शुरू हुए टूर्नामेंट में भारत ने रिकॉर्ड आठ बार यह खिताब जीता है। भारत 2012 में पाकिस्तान के साथ संयुक्त विजेता रहा था, क्योंकि तब मैच टाई हो गया था।

विकेट लेने पर दीप्ति शर्मा को बधाई देतीं कप्तान हरमनप्रीत कौर। एजेंसी

महिला टीम ने श्रीलंका को 8 विकेट से रौंदा

विशाखापत्तनम, एजेंसी

- जेमिमा रॉड्रिग्स ने ताबड़तोड़ नाबाद 69 रनों की पारी खेली

गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद जेमिमा रॉड्रिग्स 44 गेंदों में (नाबाद 69) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने रविवार पहले टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को 32 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

122 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय महिला टीम को पहला झटका दूसरे ही ओवर में शेफाली वर्मा (नौ) के रूप में लगा। इसके बाद बल्लेबाजी करने जेमिमा रॉड्रिग्स ने स्मृति मंधाना के साथ पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 54 रन जोड़े। नौवें ओवर में इनोका रणावीरा ने स्मृति मंधाना 25 गेंदों में (25) रन को आउटकर पवेलियन भेज दिया। भारतीय टीम ने 14.4 ओवर में दो विकेट पर 122 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम कर लिया। जेमिमा रॉड्रिग्स ने 44 गेंदों में 10 चौके लगाकर 69 रनों की नाबाद पारी खेली। कप्तान हरमनप्रीत कौर 15 रन बनाकर कर नाबाद रही। श्रीलंका के लिए इनको राणावीरा और काव्या कविंदी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

जेमिमा रॉड्रिग्स। एजेंसी

इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर भारत ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में कप्तान चामरी अटापट्टू (15) का विकेट गंवा दिया। उन्हें क्रांति गौड ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हसिनी परेरा ने विष्मी गुणरत्ने के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने हसिनी परेरा (20) आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। श्रीलंका का तीसरा विकेट हर्षिता समाराविक्रमा (21) के रूप में गिरा। उन्हें श्री चारणी ने बोल्ड आउट किया। नीलाक्षी डिसिल्वा (आठ) और कविशा दिलहारी (छह) रनआउट हुई।

श्रीलंका की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 121 रनों का स्कोर खड़ा किया था। भारत के लिए क्रांति गौड, दीप्ति शर्मा और श्रीचारणी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड टेस्ट भी जीता

एडिलेड, एजेंसी

- रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को 82 रनों से हराया
- दो टेस्ट शेष रहते हुए ही एशेज बरकरार रखी

तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पांचवें और अंतिम दिन रविवार को यहां आखिरी चार विकेटों में से तीन विकेट लेकर इंग्लैंड की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

इस तरह से ऑस्ट्रेलिया ने 82 रनों से जीत दर्ज करके दो टेस्ट शेष रहते हुए एशेज बरकरार रखने में कामयाबी हासिल की। इंग्लैंड ने 435 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें दिन सुबह अपनी दूसरी पारी छह विकेट पर 207 रन से आगे बढ़ाई। उसे तब जीत के लिए 228 रन चाहिए थे, जबकि आस्ट्रेलिया को एशेज को बरकरार रखने के लिए चार विकेट की जरूरत थी। इंग्लैंड की टीम हालांकि लंच के बाद 352 रन पर आउट हो गई और इस तरह से उसकी अप्रत्याशित जीत दर्ज करके विश्व रिकॉर्ड बनाने और एशेज में बने रहने की उम्मीदों पर तुषारापात हो गया।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने मैच के बाद कहा बहुत अच्छा लग रहा है। हमने कर दिखाया। ऑस्ट्रेलिया में आप कुछ भी चीज को हासिल करने के लिए जल्दबाजी नहीं कर सकते। इसके लिए कड़ी मेहनत करनी होती है और मुझे खुशी है कि हमारे सभी खिलाड़ियों ने मेहनत की। मैंने नहीं सोचा था कि मैच इतना करीबी हो जाएगा लेकिन मैं परिणाम से बहुत खुश हूं।

इंग्लैंड ने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच जनवरी 2011 में जीता था, जिसके बाद से 5,462 दिन बीत चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया ने उसके बाद से अपनी धरती पर 5-0, 4-0, 4-0 से सीरीज जीती है और अब वह 3-0 से आगे है।

जीत का जश्न मनाते ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी। एजेंसी

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

(ऑस्ट्रेलिया) (प्रथम पारी)	371/10
(इंग्लैंड) (प्रथम पारी)	286/10
(ऑस्ट्रेलिया) (दूसरी पारी)	349/10
(इंग्लैंड) (दूसरी पारी जारी)	352/10

ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम का सम्मान किया गया

मुंबई : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने विश्व कप जीतने वाली भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम को 19 दिसंबर को मुख्यालय में गर्मजोशी के साथ स्वागत करते हुए सम्मानित किया। बीसीसीआई की ओर से रविवार को बताया गया कि भारतीय ब्लाइंड महिला जो पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही।

बीसीसीआई के मानद कोषाध्यक्ष रघुराम भट्ट ने उन्हें सम्मानित किया, खिलाड़ियों से बातचीत की और बोर्ड की ओर से हार्दिक बधाई दी। यह दौरा भारत में ब्लाइंड महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था, जो राष्ट्रीय स्तर पर इस खेल के लिए बढ़ती पहचान और समर्थन को रेखांकित करता है।

भारत ने नेपाल के खिलाफ फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता। भारतीय टीम ने 115 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 12.1 ओवर में सात विकेट से जीत दर्ज की।

2025 भारतीय फुटबॉल के लिए रहा निराशा भरा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय फुटबॉल के लिए वर्ष 2025 निराशा से भरा रहा, जिसमें उसे गंभीर प्रशासनिक संकट, अदालती सुनवाई, वित्तीय समस्याओं, घरेलू लीग के अभाव और सीनियर पुरुष टीम के खराब प्रदर्शन से जूझना पड़ा।

इस साल भारत की सीनियर पुरुष टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। उसे ढाका में नवंबर में खेले गए 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग मैच में बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा। यह बांग्लादेश के खिलाफ पिछले 22 वर्षों में उसकी पहली पराजय थी।

भारतीय टीम वर्ष 2024 में अंतरराष्ट्रीय मैचों में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई थी, लेकिन इस साल वह कुछ जीत हासिल करने में कामयाब रही, जिसमें सितंबर में मध्य एशियाई देशों ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में आयोजित सीएएफए नेशंस कप में कांस्य पदक जीतना भी शामिल है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण मैचों में भारत अपेक्षित प्रदर्शन करने में विफल रहा और 2011 के बाद पहली बार एशियाई कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका, जिससे टीम फीफा रैंकिंग में और नीचे खिसक गई।

बांग्लादेश के अलावा भारतीय पुरुष टीम को हांगकांग और सिंगापुर जैसी कम रैंकिंग वाली टीमों से भी हार का सामना करना पड़ा। सिंगापुर से 1-2 से मिली हार ने एशियाई कप में प्रवेश करने की उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। जहां एक ओर पुरुष टीम मैदान पर संघर्ष कर रही थी वहीं दूसरी ओर प्रशासक मैदान के बाहर की समस्याओं से जूझ रहे थे। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) का रिलायंस के स्वामित्व वाली फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) के साथ पिछला अनुबंध आठ दिसंबर को समाप्त हो गया। इसके बाद वह इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के लिए एक नया वाणिज्यिक भागीदार नहीं जुटा पाया जिससे इस खेल पर संकट पैदा हो गया। यही वजह है कि देश की सर्वोच्च फुटबॉल लीग आईएसएल अभी तक शुरू नहीं हो पाई है जबकि सामान्य परिस्थितियों में उसे शुरू हुए अब तक तीन महीने हो गए होते। प्रायोजक पीछे हट रहे हैं, क्लबों ने अपने संचालन को रोक दिया है और खिलाड़ी एक अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहे हैं, जबकि उन्होंने इस मुद्दे को हल करने के लिए प्रत्येक हितधारक से गुहार लगाई थी। वर्तमान समय में जो स्थिति बनी हुई है उसे देखते हुए घरेलू लीग के भविष्य पर गंभीर संदेह मंडरा रहा है। हालांकि महिला राष्ट्रीय टीमों और जूनियर टीमों ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया, जिससे बेहतर भविष्य की उम्मीदें जगी हैं। महिला टीम ने जुलाई में थाईलैंड के चियांग माई में एएफसी महिला एशियाई कप 2026 के लिए सीधे क्वालीफाई करके इतिहास रचा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी जताई चिंता

इस वर्ष उच्चतम न्यायालय में लगातार सुनवाई हुई और संकट के समाधान के लिए केंद्रीय खेल मंत्रालय ने हस्तक्षेप किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हुए भारतीय फुटबॉल के सभी हितधारकों से देश में खेल के विकास के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

खट्टी-मीठी यादें छोड़ गया मेसी का दौरा

जैसे-जैसे साल खत्म होने लगा लियोनेल मेसी के बहुचर्चित 'जीओएटी इंडिया टूर' ने कुछ दिलचस्पी पैदा की और इस खेल को लेकर कुछ चर्चा शुरू करने पर मजबूर किया। लेकिन इससे भारतीय फुटबॉल को कुछ फायदा हुआ होगा ऐसा नहीं लगता है। भारतीय फुटबॉल की अपनी समस्याएं ही कम नहीं थी और ऐसे में मेसी के दौरे के पहले दिन साल्ट लेक स्टेडियम में फैली अराजकता और अव्यवस्था ने शर्मिंदगी को और बढ़ा दिया। भारतीय फुटबॉल के गढ़ कहे जाने वाले कोलकाता में कानून-व्यवस्था का बिगड़ना भले ही अच्छी खबर न हो, लेकिन हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली में मेसी के कार्यक्रम अच्छी तरह से आयोजित किए गए।

टाटा स्टील वर्ल्ड रेस

युगांडा के दो बार के ओलंपिक चैंपियन चेप्टेगेई ने जीती 25 किलोमीटर दौड़ प्रतियोगिता

भारतीय धावकों ने किया शानदार प्रदर्शन

कोलकाता, एजेंसी

युगांडा के दो बार के ओलंपिक चैंपियन जोशुआ चेप्टेगेई ने रविवार को टाटा स्टील वर्ल्ड 25 किलोमीटर कोलकाता 2025 दौड़ में समय 1:11:49 के साथ पुरुषों के एलीट वर्ग में खिताबी जीत दर्ज की। इस दौड़ में भारतीय धावक गुलवीर सिंह और सीमा ने क्रमशः भारतीय पुरुष और महिला खिताब जीते, दोनों ने नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए।

पांच हजार मीटर और 10 हजार मीटर में विश्व रिकॉर्डधारी चेप्टेगेई ने 25 किलोमीटर की दूरी 1:11:49 का समय निकालकर विश्व स्तरीय पुरुषों के एलीट वर्ग में शानदार जीत दर्ज की। यह जीत इस साल भारत में चेप्टेगेई की दूसरी जीत है। तीन ओलंपिक पदक, जिसमें दो स्वर्ण पदक शामिल हैं, के साथ कई बार के विश्व चैंपियन युगांडा के महान धावक चेप्टेगेई ने अपनी सहनशक्ति और सामरिक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए तंजानिया के अल्फोंस फेलिक्स सिंबू, और लेसोथो के टेबेलो रामाकोंगोआना से आगे रहे। इससे पहले उन्होंने अप्रैल में वर्ल्ड 10किमी. बेंगलुरु जीती थी। भारतीय पुरुषों की एलीट दौड़ में, गुलवीर सिंह ने शानदार तरीके से अपना खिताब बचाव किया और 1:12:06 के समय के साथ एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। यह प्रदर्शन पिछले साल इसी कोर्स पर बनाए गए उनके अपने पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 1:14:10 से बेहतर है। गुलवीर ने पुरुषों की एलीट स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर रहे और वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस में अंतर्राष्ट्रीय सितारों और ओलंपियनों से भरे क्षेत्र में अपनी जगह बनाई।

25 किमी में भारतीय महिलाओं की एलीट वर्ग में सिल्वर मेडलिस्ट भारत की संजीवनी जाधव, हमवतन गोल्ड मेडलिस्ट सीमा और ब्रॉन्ज मेडलिस्ट निरमाबेन ठाकोर। एजेंसी

सीमा ने 25 किमी में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया

भारतीय महिलाओं की एलीट दौड़ में भी एक ऐतिहासिक प्रदर्शन देखने को मिला। इसमें पहली बार भाग लेने वाली सीमा ने 25 किलोमीटर की दूरी पर एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 1:26:04 का समय निकालकर एल सूरिया के 1:26:53 के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पिछले साल की चैंपियन संजीवनी जाधव 1:30:34 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि निर्मबेन ठाकोर ने तीसरा स्थान हासिल किया। महिलाओं की एलीट वर्ग में, इथियोपिया की डेगितु अजिमेराव ने 1:19:36 का समय निकालकर जीत हासिल की और अपना दूसरा टाटा स्टील वर्ल्ड 25किमी. कोलकाता खिताब जीता।